

ԱՐՁԱԽԻ ԿԱՌՈՒՐԳՆԵՐԸ

ՍԱՄՎԵԼ ԿԱՐԱՊԵՏՅԱՆ



ՀԱՅԿԱԿԱՆ ԹԱՐԱՐԱՊԵՏՈՒԹՅՈՒՆՆ ՈՒՍՈՒՄՆԱՀՐՈՂ ՀԱՍՏԱԿԱԿԱՆ ԿԱԶՄԱԿԵՐՊՈՒԹՅԱՆ (ՀԲՈՒ Հ/Կ) ԳԻՏԱԿԱՆ ԽՈՐՀՈՒԹՅ
Դր.-պրոֆ. Ա. Սուբաժյան (Փարիզ), Դր.-պրոֆ. Հ. Հոփլիխեր (Քայզերլատթերն), Դր.-պրոֆ. Մ. Բոնեման-Հախնազարյան (Ասխեն), Դր.-պրոֆ. Հ. Սուրովյան (Կահիրե), Դր.-պրոֆ. Լ. Զեքիյան (Վենետիկ), Դր.-պրոֆ. Պ. Չոբանյան (Երևան), Դր.-պրոֆ. Ա. Ղազարյան (Մոսկվա), Դր.-պրոֆ. Ն. Սարգսյան (Երևան), Մ. Լալայան (Երևան), Ժ. Մանուչարյան (Լոս-Անդյելս), Դր.-պրոֆ. Մ. Բալայան (Ստեփանակերտ)

НАУЧНЫЙ СОВЕТ ОБЩЕСТВЕННОЙ ОРГАНИЗАЦИИ ПО ИЗУЧЕНИЮ АРМЯНСКОЙ АРХИТЕКТУРЫ (ООИАА)
Др.-проф. А. Мутафян (Париж), Др.-проф. Г. Гофрихтер (Кайзерслаутерн), Др.-проф. М. Бунеман-Ахназарян (Аахен),
Др.-проф. Г. Сурузян (Каир), Др.-проф. Л. Зекиян (Венеция), Др.-проф. П. Чобанян (Ереван), Др.-проф. А. Казарян (Москва),
Др.-проф. Н. Саргсян (Ереван), М. Лалаян (Ереван), Ж. Манучарян (Лос-Анджелес), Др.-проф. М. Балаян (Степанакерт)

Աշխատությունը իրատարակվում է ՀԲՈՒ հ/կ գիտական խորհրդի երաշխավորությամբ
Книга издается по рекомендации научного совета ООИАА
The publication of the present volume has been approved by RAA Scientific Council

**ՀԲՈՒ Հ/Կ ԳԻՏԱԿԱՆ ՈՒՍՈՒՄՆԱՀՐՈՒԹՅՈՒՆՆԵՐ
НАУЧНЫЕ ИССЛЕДОВАНИЯ ООИАА
RAA SCIENTIFIC RESEARCH SERIES**

**Գիրք ԺԲ
Книга 12
Volume 12**

**ԱՐՑԱԽԻ ԿԱՍԻՌՉՆԵՐԸ
ՍԱՄՎԵԼ ԿԱՐԱՊԵՏՅԱՆ**

**МОСТЫ АРЦАХА
САМВЕЛ КАРАПЕТИАН**

**THE BRIDGES OF ARTSAKH
SAMVEL KARAPETIAN**

**ՀԱՅԿԱԿԱՆ ԹԱՐԱՐԱՊԵՏՈՒԹՅՈՒՆՆ ՈՒՍՈՒՄՆԱՀՐՈՂ ՀԱՍՏԱԿԱԿԱՆ ԿԱԶՄԱԿԵՐՊՈՒԹՅՈՒՆ
ОБЩЕСТВЕННАЯ ОРГАНИЗАЦИЯ ПО ИЗУЧЕНИЮ АРМЯНСКОЙ АРХИТЕКТУРЫ
RESEARCH ON ARMENIAN ARCHITECTURE NGO**

**ԵՐԵՎԱՆ ԵՐԵՎԱՆ YEREVAN
2009**

ՀՏԴ 72(479.25):941(479.25)
ԳՄԴ 85.113 (23):63.3.(23)
Կ - 294

Կ - 294

Կարապետյան Սամվել
Արցախի կամուրջները - Գիրք ԺԲ - Եր.: Յայկական
ճարտարապետությունն ուսումնասիրող
կազմակերպություն, 2009, - 144 էջ

Աշխատությունը ներկայացնում է Պատմական Հայաստանի Արցախ նահանգում գտնվող 98 կամուրջների պատմությունն ու ճարտարապետությունը:

Հասցեագրվում է հայ ճարտարապետության և պատմության խնդիրներով հետաքրքրվող մասնագետներին և ընթերցող լայն հասարակությանը:

Книга представляет историю и архитектуру 98 мостов, находящихся в Арцахской провинции Исторической Армении.

Адресована специалистам, интересующимся армянской историей и архитектурой, а также широкому кругу читателей.

The work treats the history and architecture of 98 bridges located in Artsakh Province of Historical Armenia.

Intended for the general reader and specialists interested in Armenian history and architecture.

ՀՏԴ 72(479.25):941(479.25)
ԳՄԴ 85.113 (23):63.3.(23)

ISBN 978-99941-875-2-2

© Սամվել Կարապետյան, 2009

© Յայկական ճարտարապետությունն ուսումնասիրող կազմակերպություն, 2009

**Նվիրվում է Հայկական
ճարտարապետությունն ուսումնասիրող
հասարակական կազմակերպության հիմնադիր-նախագահ,
ճարտ. դր. Արմեն Հախնազարյանի
հիշատակին**

*Посвящается памяти
учредителя – председателя Общественной Организации
по Изучению Армянской Архитектуры (RAA),
д-ра арх. Армена Ахназаряна*

*Dedicated to the memory
of Doctor of Architecture Armen Hakhnazarian,
Founding Director
of Research on Armenian Architecture NGO*

**Հրատարակության հովանավոր
ՀԱՀ կառավարությանն առընթեր
զբոսաշրջության վարչություն**

**Спонсор издания
Управление по туризму при правительстве НКР**

**RMK Government's Tourism Department
Financial supporter of the publication of the present work**

Բովանդակություն

| | |
|---|-----|
| Նախարան | 7 |
| Արցախի կամուրջների տեղաբաշխման քարտեզ | 13 |
| Սևակնի կամուրջ | 14 |
| Խաղխաղի կամուրջ | 15 |
| Պարտավի կամուրջ | 18 |
| Քարավագի Հին (Խուղափերինի) կամուրջ | 19 |
| Շամքորի կամուրջ | 22 |
| Չոխտակ կամուրջ | 22 |
| Աշոտ Երկարի կամուրջ | 23 |
| Կատոսավաճքի կամուրջ | 24 |
| Գլամբարի կամուրջ | 25 |
| Գառնակերի կամուրջ | 25 |
| Քարավագի Նոր (Խուղափերինի) կամուրջ | 26 |
| Հին Գանձակի Վերին կամուրջ | 29 |
| Ջրվշտիկի (Մազի) կամուրջ | 30 |
| Կոտրած կամուրջ | 32 |
| Անանուն կամուրջ | 35 |
| Չափնիի կամուրջ | 36 |
| Ջիասարի կամուրջ | 38 |
| Հին Գանձակի Միջին կամուրջ | 40 |
| Հին Գանձակի Ներքին կամուրջ | 41 |
| Գետավաճի կամուրջներ | 42 |
| Խարթավաճքի կամուրջ | 44 |
| Լևի կամուրջ | 45 |
| Խոջամիսարի կամուրջ | 46 |
| Դադիվանքի կամուրջ | 46 |
| Մազի կամուրջ | 48 |
| Ցրտնոտի կամուրջ | 50 |
| Զարվանեսի կամուրջ | 52 |
| Շրվականի կամուրջ | 54 |
| Տահիսի կամուրջ | 56 |
| Տանձուտի (Չանախչի) կամուրջ | 58 |
| Հայկազն (Երի Իգյակուց) կամուրջ | 58 |
| Պառավի կամուրջ | 60 |
| Գանձակի կամուրջ | 62 |
| Անանուն կամուրջ | 62 |
| Բրուտանց կամուրջ | 63 |
| Չանաշունձորի (Քյոփիրի գյոզի) կամուրջ | 63 |
| Վերին Քարհատի կամուրջ | 64 |
| Թոփի կամուրջ | 66 |
| Զասատի (Դավրի) կամուրջ | 67 |
| Ավետարանոցի կամուրջ | 67 |
| Մահտեսի Արանի կամուրջ | 68 |
| Ակնարյուրի կամուրջ | 70 |
| Բանանցի Մեծ (Հին) կամուրջ | 72 |
| Բղողրանցի կամուրջ | 75 |
| Գողրանիկի կամուրջ | 76 |
| Հղցկոտի կամուրջ | 78 |
| Խոռված կամուրջ | 80 |
| Ներքիշենի կամուրջ | 82 |
| Ներքի Իգյակուց կամուրջ | 83 |
| Ինը Մասանց անապատի կամուրջ | 84 |
| Զախլիկ (Ճրդացաձորի) կամուրջ | 86 |
| Մելիքի կամուրջ | 88 |
| Հին Թաղասեռի կամուրջ | 90 |
| Հոնուտի կամուրջ | 92 |
| Գյուլիստանի կամուրջ | 94 |
| Քարաղբյուրի կամուրջ | 95 |
| Քարե կամուրջ | 96 |
| Մելիք Մնացականի կամուրջ | 97 |
| Եկեղեցաձորի (Քիլիսադարայի) կամուրջ | 98 |
| Եսայու կամուրջ | 99 |
| Մազի կամուրջ | 100 |
| Յանցի կամուրջ | 102 |
| Հալիվորի կամուրջ | 104 |
| Սիմնենց կամուրջ | 106 |
| Թադեոսի կամուրջ | 108 |
| Լալազարի կամուրջ | 110 |
| Շեմի կամուրջ | 114 |
| Գանձակի նոր կամուրջ | 115 |
| Ներքի Հանի կամուրջ | 116 |
| Շամքորի Նոր կամուրջ | 116 |
| Թարգմանչաց վաճքի կամուրջ | 117 |
| Գյուրգյուռ կամուրջ | 118 |
| Հելենենդրի կամուրջ | 120 |
| Գարի (Գարինի, Գարեգինի) կամուրջ | 121 |
| Ստեփանի կամուրջ | 121 |
| Բաղերի կամուրջ | 121 |
| Բարսումշենի կամուրջ | 122 |
| Ալանանց կամուրջ | 122 |
| Մակուն կամուրջ | 123 |
| Առաջաձորի կամուրջ | 124 |
| Շենի (Ծամձորի) կամուրջ | 125 |
| Տերի (Տերունց) կամուրջ | 126 |
| Քարե (Հարամի, Մուրութանց) կամուրջ | 126 |
| Քշաղբյուրի կամուրջ | 127 |
| Բանանցի կամուրջներ | 128 |
| Մազի (Գետի Գոմերի) կամուրջներ | 129 |
| Քարե կամուրջ | 132 |
| Երկարավորի կամուրջ | 132 |
| Սոլուքի կամուրջ | 134 |
| Մըրտանի (Տերէսների կապ) կամուրջ | 135 |
| Զորին խաչի կամուրջ | 136 |
| Հակի կամուրջ | 138 |
| Հովսեփի կամուրջ | 139 |
| Բերդաձորի կամուրջ | 139 |
| Արցախի կամուրջները: Համառու տվյալների աղյուսակ | 140 |
| Չափագրություններ | 142 |
| Լուսանկարներ | 142 |
| Օգտագործված գրականության ցանկ | 143 |

Содержание

| | | | |
|--|----|--------------------------------------|-----|
| Предисловие | 9 | Мост Инн Масанц анапати..... | 84 |
| Карта расположения мостов Арцаха | 13 | Мост Дзахлик (Чргацадзор)..... | 86 |
| Мост Севакна | 14 | Мост Мелика..... | 88 |
| Мост Хаххага | 15 | Мост Хин Тагасера..... | 90 |
| Мост Партава | 18 | Мост Хонута | 92 |
| Мост Караваз (Худаферин) Хин | 19 | Мост Гюлистана | 94 |
| Мост Шамкора..... | 22 | Мост Карабюр..... | 95 |
| Мост Джохтак..... | 22 | Мост Карэ | 96 |
| Мост Ашота Ерката..... | 23 | Мост Мелика Мнацакана | 97 |
| Мост Катосаванка..... | 24 | Мост Екехецадзор (Килисадара)..... | 98 |
| Мост Гламбара | 25 | Мост Есайя..... | 99 |
| Мост Гарнакера | 25 | Мост Мази..... | 100 |
| Мост Караваз (Худаферин) Нор | 26 | Мост Янци..... | 102 |
| Мост Хин Гандзака Верин..... | 29 | Мост Халивор..... | 104 |
| Мост Джрвштика (Мази) | 30 | Мост Симоненц..... | 106 |
| Мост Котрац..... | 32 | Мост Тадеоса | 108 |
| Безымянный мост | 35 | Мост Лалазара | 110 |
| Мост Чапни | 36 | Мост Шена..... | 114 |
| Мост Диасара..... | 38 | Мост Гандзака Нор | 115 |
| Мост Хин Гандзака Миджин..... | 40 | Мост Нерки Ханд | 116 |
| Мост Хин Гандзака Неркин..... | 41 | Мост Шамкора Нор | 116 |
| Мосты Гетавана | 42 | Мост монастыря Таргманчац..... | 117 |
| Мост Хатраванка | 44 | Мост Гюргюр | 118 |
| Мост Лева | 45 | Мост Хеленендорфа | 120 |
| Мост Ходжамисака | 46 | Мост Гари (Гарина, Гарегина) | 121 |
| Мост Дадиванка | 46 | Мост Стефана | 121 |
| Мост Мази..... | 48 | Мост Багера | 121 |
| Мост Цртнота..... | 50 | Мост Барсумшена | 122 |
| Мост Джарванеса | 52 | Мост Аслананц | 122 |
| Мост Шрвакана | 54 | Мост Макун | 123 |
| Мост Тагиса | 56 | Мост Арачадзора | 124 |
| Мост Тандзута (Чанахчи) | 58 | Мост Шена | 125 |
| Мост Айказн (Ери Игякуц) | 58 | Мост Тери (Терунц) | 126 |
| Мост Парави..... | 60 | Мост Карэ (Хатами, Мурутанц) | 126 |
| Мост Гандзака..... | 62 | Мост Кчахбюр | 127 |
| Безымянный мост | 62 | Мосты Бананца | 128 |
| Мост Брутанц | 63 | Мосты Мази (Гети гомера) | 129 |
| Мост Чанахчудзор (Кепри Гези) | 63 | Мост Карэ | 132 |
| Мост Верин Кархата | 64 | Мост Еркаторка | 132 |
| Мост Топа..... | 66 | Мост Сулука | 134 |
| Мост Джасата (Давида) | 67 | Мост Смботана (Трехнери кап) | 135 |
| Мост Аветараноца..... | 67 | Мост Дзорин Хач | 136 |
| Мост Махтеса Арана | 68 | Мост Хака | 138 |
| Мост Акнахбюра..... | 70 | Мост Овсепа | 139 |
| Мост Бананца Мец (Хин) | 72 | Мост Бердадзора | 139 |
| Мост Болоранца | 75 | Мосты Арцаха. Таблица кратких | |
| Мост Гохтаника | 76 | данных..... | 140 |
| Мост Хгцкот | 78 | Обмеры | 142 |
| Мост Хровац | 80 | Фотографии..... | 142 |
| Мост Неркишена..... | 82 | Список использованной литературы ... | 143 |
| Мост Нерки Игякуц..... | 83 | | |

Contents

| | | | |
|--|----|---|-----|
| Introduction | 11 | Bridge of Nerki Igyakoots | 83 |
| Location Map of Artsakh Bridges | 13 | Bridge of the Cloister of Inn Masants | 84 |
| Sevakan Bridge | 14 | Dzakhlik (Jerghatsadzor) Bridge | 86 |
| Bridge of Khaghkhagh | 15 | Bridge of Melik | 88 |
| Bridge of Partav | 18 | Bridge of Hin Taghaser | 90 |
| Older Bridge of Karavaz (Khudaperin) | 19 | Bridge of Honut | 92 |
| Bridge of Shamkor | 22 | Bridge of Gyulistan | 94 |
| Jokhtak Bridge | 22 | Bridge of Karaghbyoor | 95 |
| Bridge of Ashot Yerkat | 23 | Kare (Stone) Bridge | 96 |
| Bridge of Katosavank | 24 | Bridge of Melik Mnatsakan | 97 |
| Bridge of Glambar | 25 | Bridge of Yekeghetsadzor (Kilisadara) | 98 |
| Bridge of Garnaker | 25 | Bridge of Yesayi | 99 |
| New Bridge of Karavaz (Khudaperin) | 26 | Mazi Bridge | 100 |
| Upper Bridge of Hin Gandzak | 29 | Yants Bridge | 102 |
| Bridge of Jerveshtik (Mazi) | 30 | Bridge of Halivor | 104 |
| Kotratz (Broken) Bridge | 32 | Simonents Bridge | 106 |
| Nameless Bridge | 35 | Bridge of Tadevos | 108 |
| Bridge of Chapni | 36 | Bridge of Lalazar | 110 |
| Bridge of Dziasar | 38 | Bridge of Shen | 114 |
| Middle Bridge of Hin Gandzak | 40 | New Bridge of Gandzak | 115 |
| Lower Bridge of Hin Gandzak | 41 | Bridge of Nerki Hand | 116 |
| Bridges of Getavan | 42 | New Bridge of Shamkor | 116 |
| Bridge of Khatravank | 45 | Bridge of Targmanchats Cloister | 117 |
| Bridge of Lev | 45 | Bridge of Gyurgyur | 118 |
| Bridge of Khojamisak | 46 | Bridge of Helenendorf | 120 |
| Bridge of Dadivank | 46 | Bridge of Gar (Garin, Garegin) | 121 |
| Mazi Bridge | 48 | Bridge of Stepan | 121 |
| Bridge of Tsernot | 50 | Bridge of Bagher | 121 |
| Bridge of Jarvanes | 52 | Bridge of Barsumshen | 122 |
| Bridge of Shervakan | 54 | Aslanants Bridge | 122 |
| Bridge of Tahis | 56 | Makun Bridge | 123 |
| Bridge of Tandzut (Chanakhchi) | 58 | Bridge of Arajadzor | 124 |
| Bridge of Haykazn (Yeri Igyakoots) | 58 | Bridge of Shen | 125 |
| Paravi (Old Woman's) Bridge | 60 | Bridge of Ter (Terunts) | 126 |
| Bridge of Gandzak | 62 | Kare (Hatam's, Murutants) Bridge | 126 |
| Nameless Bridge | 62 | Bridge of Kchaghbyoor | 127 |
| Brootants (Potters') Bridge | 63 | Bridges in Banants | 128 |
| Bridge of Chanaghchudzor (Kyopri Gyoz) | 63 | Bridges Named Mazi (Geti Gomeri) | 129 |
| Bridge of Verin (Upper) Karhat | 64 | Kare (Stone) Bridge | 132 |
| Bridge of Top | 66 | Bridge of Yerkatavork | 132 |
| Bridge of Jasat (David) | 67 | Bridge of Suluk | 134 |
| Bridge of Avetaranots | 67 | Bridge of Smbotan (Bast Shoe Strings) | 135 |
| Bridge of Mahtesy Aran | 68 | Bridge of Dzorin Khach (Cross of the Gorge) | 136 |
| Bridge of Aknaghbyoor | 70 | Bridge of Hak | 138 |
| Metz (Hin) Bridge of Banants | 72 | Bridge of Hovsep | 139 |
| Bridge of Bolorants | 75 | Bridge of Berdadzor | 139 |
| Bridge of Goghtanik | 76 | The Bridges of Artsakh. Table of Reference | 140 |
| Bridge of Heghetskot | 78 | Measurements | 142 |
| Khrovatz (Indignant) Bridge | 80 | Photographs | 142 |
| Bridge of Nerkishen | 82 | References | 143 |

ՆԱԽԱԲԱՆ

Հազարամյակների ընդգրկում և բազմազան գործառություն ունեցող հայ ճարտարապետության անհամար հուշարձանների շարքում աշխարհացույցյան կամ Պատմական Հայաստանի տարածքում իրենց տեղն ունեն կամուրջները:

Չորս գլխավոր գետերի և նրանց բյուրավոր գտակների ցանցով պատված Հայկական լեռնաշխարհի քաղաքներն ու գյուղերը հնագույն ժամանակներից ի վեր հաղորդակցվել են մեծ ու փոքր գետերը հաղթահարած բազմահորինվածք կամուրջներով:

Ինչպես գավառային, նահանգային կամ միջավետական ճանապարհները, այնպէս էլ դրանց սպասարկող կամուրջներն ունեին համապատասխան կարևորություն: Շիշտ այս հանգամանքի պատճառով տարանցիկ ճանապարհներին գտնվող կամուրջները, օրինակ, իրենց ճարտարապետական հորինվածքով հարկադրված էին ապահովել նաև մաքսատան գործառույթը, որով էլ պայմանավորված՝ այդորինակ կամուրջներն իրենց ներսում ունեցել են պահակների և մաքսավորների համար ճախատեսված սենյակներ, մինչդեռ տարանցիկ ճանապարհներից դուրս գտնվող կամուրջները, անկախ իրենց չափերից, զորկ են եղել հորինվածքային նշյալ հավելումներից:

Հուշարձանագիտության ոլորտին նվիրված աշխատությունների քննությունը ցույց է տալիս, որ մասնավորապես կամրջաշինության բնագավառը մասնագետների ուշադրությանը համեմատաբար ավելի քիչ է արժանացել: Բավական է նշել, որ ներկայիս Հայաստանի Հանրապետության սահմաններում գտնվող միջնադարյան կամուրջների ամենամեծ խումբը ներկայացնող արդեն շուրջ կեսդարյա վաղեմություն ունեցող աշխատությունը պարունակում է ընդամենը շուրջ 4 տասնյակ խնդրո առարկա հուշարձան. «Այժմ նրանցից Սովետական Հայաստանի տերիտորիայում պահպանվել են կանգուն, կիսավեր կամ չնշին մնացորդների ձևով, միջնադարին և ուշ միջնադարին վերաբերող 40-ի չափ հուշարձաններ»¹:

Բնագավառը շոշափել են ընդիհանուր բնույթի ուսումնասիրությունների այլ հեղինակներ ևս²:

Սույն հատորը ներառում է Պատմական Հայաստանի Արցախ նահանգի տարածքում արձանագրված ինչպես կանգուն կամ մասամբ պահպանված, այնպէս էլ վաղուց անհետացած 98 միավոր հուշարձան:

Համոզված ենք, որ ներկայացված նմուշների ցանկը հետագա հետազոտությունների շնորհիվ դեռևս կարելի է լրացնել:

Հայաստանի այլ տարածաշրջանների նմանությամբ արցախյան կամուրջների շարքում նույնպէս գերակշռում են միարդիչք հորինվածք ունեցողները, որոնք հուսալիորեն իրար են միացրել գետահովտների կամ կիրճերի՝ սովորաբար բնությունից տեղանքով առավել սեղմված հակադիր կողմերը:

Ժամանակի փորձությունը, սակայն, ցույց է տվել, որ հարատել են հատկապես այն կամուրջները, որոնց խելերը խարսխված են եղել բնականից աներեն առափնյա ժայռազանգվածների վրա, և, ընդհակառակը, կործանվել են, երբ խելերից թեկուզ մեկը չի ունեցել ժայռեղեն պատվանդան: Ասվածի ապացույցն են քանդված այն բազմաթիվ կամուրջները, որոնց երրեմնի գոյությունն այժմ փաստվում է գետի որևէ կողմում առկա խելի մնացորդներով՝ այն էլ բնական ժայռազանգվածին անպայմանորեն հաստատված:

¹ Հարությունյան Վ., Միջնադարյան Հայաստանի քարավանատներն ու կամուրջները, Երևան, 1960, էջ 69: Գասպարյան Մ., ՀՍՍՀ իին կամուրջները, «Բանբեր Երևանի Համալսարան», 1987, № 2, էջ 205-208:

² Ռյուս Պ., Մօստեր և արքիտեկտուրա, Մոսկվա, 1953, ս 176-182, 188. Ի դեպք, Շյումանը ողջ աշխարհի կամուրջներին նվիրված իր աշխատության մեջ ներկայացրել է ՀԽՍՀ և Նախիջևանի ԲՀ տարածքում պահպանված հայկական շուրջ 2 տասնյակ կամուրջ:

Տեղանքի ընտրության միևնույն սկզբունքն առանցքային է եղել նաև երկրոխչք, եռաթոփչք և բազմաբուհչք կամուրջների հորինվածքներում:

Տեղին է նշել, որ գետերի հոսանքները ջրից դուրս ցցված բնական ժայռագանգվածների օգնությամբ հաղթահարելու հարմարություն ունեցող տեղանքը արցախյան խոսվածքում ցարդ անվանվում է «քարավագ» (օր. «գետն անցնելու քարավագ տեղ կա»): Այս բարդ բառի բաղադրիչներն են քար և վազ բառարմատները, իսկ սրանց միաձուլումից ծնված «քարավագ» հասկացությունը խոսում է տեղանքում քարերի վրայով վազ տալու (վազելու) հարմարության առկայության մասին:

Ուշագրավ է, որ քարավագ բառն իր նույնական իմաստով գործածական է եղել դեռևս միջին դարերում, ընդ որում, երբեմն վերածվել է նաև հատուկ անվան: Ասվածի վառ օրինակն է Արաքսի քարավագ վայրերից մեկում կառուցված հոշակավոր այն կամուրջը, որն արդեն ԺԳ դարում վկայվել է Քարավագի կամուրջ հատուկ անվանք (այս կամուրջն ուշ միջնադարում ավելի հայտնի էր Խուուափերին անունով):

Արցախյան կամուրջների հիմնական շինանյութը կրաշաղախով միաձուլած անմշակ և կիսամշակ քարն է, սակայն մեզ են հասել նաև աղյուսի համադրմամբ իրականացված կամուրջներ (օր. Խաղխաղի, Քարավագի Նոր, Գանձակի և այլն): Մինչդեռ նույնիսկ վերջիններիս դեպքում կամրջախելերի հիմքերը շարված են բացառապես քարով: Հարկ է նկատել նաև, որ աղյուսի կիրառմամբ կառուցված արցախյան բոլոր կամուրջները գտնվում են երկրամասի դաշտավայրային քարազուրկ շրջաններում, ուստի տվյալ պարագայում աղյուսի կիրառումը թելադրված է եղել ոչ թե շինանյութի այդ տեսակի որակական առավելություններով, այլ պարզապես հարթավայրային գոտում դիմացկուն քարատեսակների խապար բացակայությամբ: Ինչ վերաբերում է արցախյան կամուրջների շարվածքում սրբատաշ քարի հազվադեպ երևույթին, ապա սա էլ բացատրվում է տեղական քարատեսակների որակական հատկանիշներով (Արցախը որքան հարուստ է կրաքարով և ավազաքարով, նույնքան աղքատ է բազալտի և գրեթե գորիկ՝ տուֆի հանքավայրերից), որոնց մշակման գաղտնիքներին գերազանցորեն տիրապետող արցախցի քարգործ վարպետները, որպես կանոն, նախընտրում էին դրանք գործածել անմշակ կամ կիսամշակ վիճակում: Սակավադեպ հանդիպող սրբատաշ շարն իրականացված ենք տեսնում կամուրջների միայն քաղակիր հատվածում, այն էլ առավելաբար միայն կամարի անկյունաքարերում:

Հատկապես 5-6 մետրից ավելի բուհչք ունեցող կամուրջների պարագայում քաղի ծանրությունը միայն կամարի վրա չծանրացնելու համար արցախցի կամրջաշինարարներն օգտագործել են նաև Հայաստանի այլ նահանգներում հանդիպող կամուրջների շինարարական հնարքները, այն է՝ կրկնակամարի կիրառումը: Ինչ վերաբերում է խելերի դիմակայունությունը քարձրացնելու նպատակով ձեռնարկված միջոցներին, ապա դրանցում աչքի է ընկնում խելերի միակողմնական երկկողմնական հատակագծում կիսաբոլորակ աշտարակ հիշեցնող հենապատերի (կոնտրֆորս) առկայությունը:

Բազմաբուհչք կամուրջների դեպքում էլ գետամիջի խելերը գետի հոսքընդդեմ ճակատում ապահովվել են ջրի դիմահար ալիքներն ավելի հեշտությամբ ճեղքելուն միտված սրանեյուն ավարտ ունեցող հենապատերով: Արանց հատակագծում կիսաշրջան տարբերակներով էլ սովորաբար ամրացվել են խելերի հոսքընթաց ճակատները:

Կամուրջների թվագրման խնդրի առնչությամբ հարկ է նշել, որ դրանց միայն փոքր մասի վերաբերյալ շինարարական արձանագրություններ կամ գրավոր այլ վկայություններ պահպանված լինելու պարագայում, հարկավ, կառուցման ժամանակը հնարավոր է որոշել կառուցղական զանազան առանձնահատկությունների քննության շնորհիվ, որով և առաջնորդվել ենք սույն աշխատության մեջ:

Անառողջ է մեկ հանգամանք ևս. մեզ հասած արցախյան կամուրջներն իրենց ճնշող մեծամասնությամբ աշխարհ են եկել ազգային իշխանության գոյության պայմաններում:

ПРЕДИСЛОВИЕ

Среди бесчисленных памятников армянской архитектуры, имеющих “многотысячелетний” охват и многообразные функции, на территории исторической Армении (или Армении по“Ашхарацуйц”-у) свое особое место занимают мосты.

Города и села Армянского нагорья, покрытого сетью четырех главных рек и их неисчислимых притоков, с древнейших времен сообщались друг с другом через многокомпозиционные мосты, преодолевавшие большие и малые реки.

Соответственную важность представляли как провинциальные, областные или межгосударственные дороги, так и обслуживавшие их мосты. Именно по этой причине мосты, расположенные на транзитных дорогах, например, по архитектурной композиции были вынуждены обеспечивать также таможенные функции, вследствие чего подобные сооружения имели помещения для сторожевых и таможенников; между тем как мосты, находящиеся вне транзитных дорог, независимо от их размеров, были лишены таковых композиционных дополнений.

Анализ трудов, посвященных сфере изучения памятников, показывает, что в частности область строительства мостов сравнительно меньше удостаивалась внимания специалистов.

Достаточно отметить, что труд почти пятидесятилетней давности, в котором представлена самая большая группа средневековых мостов, расположенных в пределах Республики Армения, содержит всего примерно 4 десятка подобных памятников: “Ныне из их числа на территории Советской Армении в сохранном, полуразрушенном состоянии или в виде незначительных остатков сохранилось около сорока памятников, относящихся к средневековью и позднему средневековью”¹.

Эта область затрагивалась также и другими авторами исследований общего характера².

Сей том охватывает 98 единиц как сохранившихся полностью или частично, так и давно исчезнувших памятников, зафиксированных на территории провинции Арцах Исторической Армении.

Мы убеждены, что список представленных образцов можно будет дополнить благодаря последующим исследованиям.

Подобно другим регионам Армении, среди арцахских мостов, также, преобладают одно-пролетные сооружения, которые (в свое время) надежно соединяли друг с другом противоположные стороны долин и ущелий, обычно наиболее сжатых природой местностью.

Однако, испытание времени показало, что выстояли особенно те мосты, опоры которых были возведены на прибрежных, от природы незыблемых скальных массивах, и наоборот, рушились те, у которых хотя бы одна из опор не стояла на скальном основании. Доказательством к сказанному являются те многочисленные мосты, о былом существовании которых свидетельствуют остатки опор на одном из берегов, причем обязательно покоящихся на природном скальном грунте.

¹ Арутюнян В., Каравансиаи и мосты средневековой Армении, Ереван, 1960, с. 69. Гаспарян М., Древние мосты Арм. ССР, “Вестник Ереванского Университета”, 1987, № 2, с. 205-208 (на арм. яз.).

² Щусев П., Мосты и их архитектура, Москва, 1953, с. 176-182, 188. Кстати, Щусевым в его труде, посвященном мостам всего мира, представлены около 2-х десятков армянских мостов, сохранившихся на территории Армянской ССР и Нахичеванской Автономной Республики.

Одинаковый принцип выбора местности оставался стержневым и в случаях двухпролетных, трехпролетных и многопролетных композиций.

Уместно заметить, что те места на реках, которые были удобны для преодоления течения, благодаря выступающим из воды скальным глыбам, по-ныне на арцахском наречии называются “караваз”, т.е. “место пробега по камням” (некий аналог русского “брода”)³. Компонентами этого сложного слова являются “кар” (“камень”) и “ваз” (“бег”), а понятие от слияния этих корней говорит о наличии удобства “пробега” по этим камням речной местности. Примечательно то, что слово “караваз” применялось еще в средневековье, причем, иногда также в качестве собственного имени. Ярким примером сказанному является тот знаменитый мост, построенный в одном из подобных “бродных” мест, который еще в 13-ом веке назывался собственным именем Каравази (этот мост в более поздние времена был известен под названием Худаферинского).

Основным стройматериалом арцахских мостов являлся необработанный и полуобработанный камень на известковом растворе. Однако, до нас дошли также мосты, возведенные с сочетанием кирпича (напр. Хаххаги, Каравази Нор, Гандзаки и т.д.). При этом, даже в случаях этих последних, их опоры выполнены исключительно из камня. Следует заметить также, что все арцахские мосты, построенные с применением кирпича, находятся в равнинных, лишенных камня районах края. Поэтому, при данных обстоятельствах применение кирпича было продиктовано не качественными преимуществами этого вида стройматериала, а попросту полным отсутствием стойких разновидностей камня в равнинной зоне. Что касается редкого явления гладко тесаного камня в кладке, то это объясняется качественными свойствами местных видов камня (насколько богат Арцах известняком и песчаником, настолько и беден он базальтом и почти лишен месторождений туфа). Арцахские мастера-каменщики, которые отлично владели секретами обработки местных камней, как правило, предпочитали применять их в необработанном или полуобработанном состоянии. Гладко тесаную кладку мы очень редко встречаем лишь в местах арочных сводов, да и то, в основном, только на краеугольных камнях арки.

В частности, в случаях мостов с пролетом выше 5-6 метров, для того, чтобы не нагружать тяжестью свода только арку, арцахские мостостроители применяли строительный прием использования двойной арки, который встречается также в других областях Армении. Что касается средств повышения стойкости опор, то в них бросается в глаза наличие односторонних или двусторонних контрфорсов опор, напоминающих в плане полукруглые башни.

В случае многопролетных мостов также, водные опоры со стороны “потокопротивного”⁴ фасада обеспечивались контрфорсами с заостренными углами для облегчения рассечения речных волн. Такими же, но в плане полукруглыми вариантами обычно укреплялись “потоконаправленные”⁵ фасады опор.

В связи с вопросом датирования мостов, следует заметить, что в случае наличия строительных надписей (сохранившихся лишь на некоторых мостах) или иных письменных свидетельств, это, безусловно, возможно осуществлять благодаря изучению различных строительных особенностей, коим мы и руководствовались в сем труде.

Очевиден также один факт: дошедшие до нас арцахские мосты, в своем подавляющем большинстве, появились на свет в условиях существования национальной власти.

³ Пояснение переводчика.

⁴, ⁵ Эти оба термина предлагаются переводчиком сего текста, спец. редактором С. Мкртчяном.

INTRODUCTION

The bridges found throughout the territory of Historical Armenia—as specified in the *Ashkharatsuyts*, an Armenian manual on cosmology and geography with an atlas attached—have their unique place in the midst of the countless specimens of Armenian architectural heritage that come from the depths of many millennia and were created to perform different functions.

Since times bygone, the towns and villages of the Armenian Highland—that is covered with a network of four major rivers and their numerous tributaries—have communicated with each other by means of bridges of different compositions erected to withstand the currents of large and small rivers.

It is common knowledge that highways are generally classified into inter-district, inter-regional, or inter-state ones according to their significance. Similarly, bridges that form part of the infrastructure securing their functioning may be subjected to the same grouping. Thus, for instance, bridges located on transit roads used to fulfill the role of a custom-house, and for this purpose, they were originally designed to have a corresponding composition—bridges of this type have inner rooms intended for guards and customs officers. In contrast to them, bridges lying beyond transit roads do not have these additional elements of composition, irrespective of their dimensions.

Research into the existing works relating to the field of Monumentology reveals that so far specialists have not paid due attention to the sphere of bridge building. Suffice it to point out that one of them, published around half a century ago and considered to embrace the largest group of medieval bridges situated within the borders of the present-day Republic of Armenia, actually dwells upon only over forty of the monuments in question: “Currently about 40 of them—attributed to the Middle Ages and the late medieval period—can be found in the territory of Soviet Armenia; some of them are preserved standing, others being semi-ruined, or reduced to meagre remnants.”¹

The field of bridge building is known to have been studied by other researchers as well.²

The present work enlarges on 98 bridges located in the territory of Artsakh Province of Historical Armenia; some of them are recorded as standing; others as partly preserved, or completely lost in the depth of time.

We are of the conviction that the list of specimens included in this work can be subsequently enriched thanks to further research in this domain.

Like other parts of Armenia, Artsakh has predominantly single-span bridges which reliably connect the opposite sides of river valleys, or gorges where the terrain is cramped.

It is evident that the test of time is overcome by especially those bridges that have piers resting on firm natural rocks towering on river banks. Unlike them, in cases where even one of the piers did not have a rocky base, the bridge proved vulnerable and was reduced to ruins in the course of time. This statement may be substantiated by the remains of a great many bridge piers that are found on river-sides necessarily resting on natural blocks of rock. The same principle of terrain

¹ **Harutiunian, V.** The Caravanserais and Bridges in Medieval Armenia. Yerevan, 1960, p. 69; **Gasparian, M.** The Old Bridges of the Soviet Socialist Republic of Armenia. In: *Banber Yerevani Hamalsarani*, 1987, No. 2, pp. 205-208 (the originals in Armenian).

² **Shchusev, P.** Bridges and Their Architecture. Moscow, 1953, pp. 176-182, 188 (the original in Russian). Shchusev's work, that is devoted to bridges found all over the world, also includes over twenty Armenian bridges located in the Soviet Republic of Armenia, and in the Autonomous Republic of Nakhijevan.

selection was of pivotal importance in the elaboration of the compositions of double-span, three-span and multi-span bridges as well.

In the vernacular of Artsakh, the area where it is possible to resist the river current with the help of natural rocks protruding from the water is called *karavaz*, the word deriving from the roots ‘*kar*,’ i.e. ‘*stone*,’ and ‘*vazk*,’ i.e. ‘*running*,’ and meaning the possibility of crossing the given piece of land by running over stones.

It is interesting to note that the word ‘*karavaz*’ was used in this sense as early as the Middle Ages, sometimes even turning into a proper name. An eloquent proof of this is a well-known bridge erected over the river Arax, at a point that may be described by means of the word ‘*karavaz*.’ As of the 13th century, it was already being mentioned by the name of *Karavaz* (in the late Middle Ages, it was better known as bridge of Khudaperin).

The bridges of Artsakh are mostly built of undressed and semi-finished stones laid together with mortar, although we also see blocks of brick in some of those that have come down to us—the bridges of Khaghkhagh, Gandzak, Karavaz (the new one), etc. It should be mentioned, however, that even where the bridge is constructed of brick, the foundations of its piers are laid exceptionally with stone. Another fact to be stressed is that all the brick bridges of Artsakh are located in those parts of the region that represent plains lacking stone; consequently, the use of brick was warranted not by the fineness of this kind of construction material, but simply by the total absence of durable stone in the flat country. As for the rare application of finely-finished stone in the masonry of Artsakh bridges, this is explained by the quality of local stones—although the region abounds in limestone and sandstone, it is poor in basalt and has almost no reserves of tufa. The masters of Artsakh had perfect command of the finishing secrets of the stones available in their region, but they preferred to use them either in undressed, or semi-finished state. Finely-dressed stonework is found only in the vault-bearing parts of bridges, and that mostly in the cornerstones of arches.

For bridges with spans exceeding 5 to 6 metres in length, the masons of Artsakh used a double row of stonework in the arch to avoid overburdening it with the weight of the vault—a building technique that is also manifest in bridges situated in other provinces of Armenia. Another method of construction was the erection of counterforts—reminding of semi-circular towers in plan—on either, or both sides of the piers for their additional firmness.

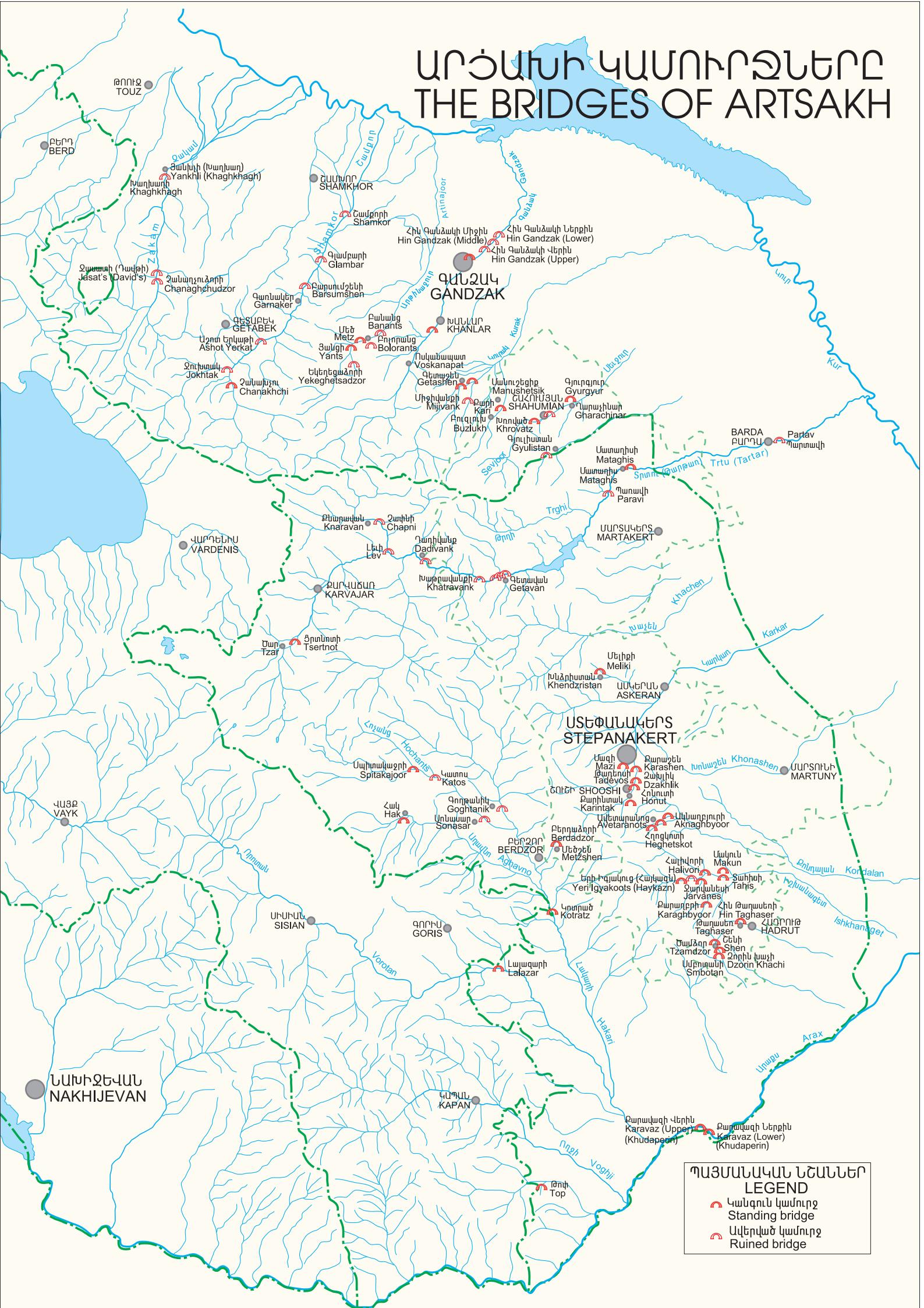
The piers of multi-span bridges usually have pointed buttresses planned to more easily withstand the waves in that facade of the pier that overlooks the upward movement of the water. The pier facades overlooking the downward current of the river are strengthened by similar counterforts that are semi-circular.

Another important issue in research into bridges is their dating, which is carried out with the help of preserved construction inscriptions, or other written records. We have attempted to specify the exact foundation time of certain bridges by using these sources, and also analysing their building and composition peculiarities.

Finally, we would like to stress that the overwhelming majority of the preserved bridges of Artsakh were erected thanks to the existence, and in the times, of ruling powers that were deeply national in their actions and policies.

ԱՐԴԱԿԻ ԿԱՍՈՒՐՁԵՐԸ

THE BRIDGES OF ARTSAKH



ՊԱՅՄԱՆԱԿԱՆ ԾԵՍՆԵՐԸ

LEGEND

- Standing bridge
- Ruined bridge

ՍԵՎԱԿՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Դիզակ և Վարանդա գավառների սահմանագծին՝ Քոնդալան գետի վրա՝ Ի դարի սկզբներին Զերպայի գավառի միակ տակավին ուսարձնակ Ղարաբուղաղ գյուղի հարևանությամբ։ Հակառակ կամքջի խոր հնորյան՝ գրավոր աղբյուրներում բազմարդիք այս կամքջի մասին առաջին վկայությանը հանդիպում ենք միայն 1902 թ. «Ռուսական-Ղարաբուղաղից 2-3 վերստ հեռավորության վրա հոսում է Քյոնդալան-չայ գետը։ Գետից երկու սաժեն հեռու գտնվում են խիտ խտոռվ ծածկված քարե մի կամքջի մնացորդներ։ Այդ կամքջի ծագումը բարնված է պատմական ժամանակների մքությամբ, իսկ տեղի բնակչության մոտ կառուցյի ժամանակաշրջանի վերաբերյալ ոչ մի որոշակի ավանդություն չի պահպանվել։ Ոմանք ասում են, որ այն իր կառուցվել է Ալեքսանդր Մակեդոնացու կողմից Արաքս գետի Խուդափերին հին կամքջի հետ միաժամանակ, մյուսները կառուցյու վերագրում են ինչ-որ Բահման թագավորին։ Գետի նկատմամբ կամքջի գրաված դիրքից կարելի է եղրակացնել, որ այն կառուցվել է մի գետի վրա, որը ժամանակի ընթացքում փոխել է իր հունը, որի հետևանքով կամքջը մնացել է գետի եզրին, իսկ կամքջի մերձակայքում բնակավայրերի բացակայության շնորհիվ այն փրկվել է մարդկային ձեռքբերով վերջնական ավերումից։ ...Ստույգ է, սակայն, որ ինչպես այս, այնպես էլ Խուդափերինի կամքջը կառուցվել է Շահ-Արաւ Սեծը...»¹։ Վկայությունից թերևս կարելի է եղրակացնել, որ կամքջը կառուցվել է մեր թվարկությունից առաջ Դ-Գ դարերում և վերանորոգվել դարեր անց՝ ԺԷ դարում։

¹ Сегаль И., Елисаветпольская губерния. Впечатления и воспоминания, “Кавказский вестник”, Тифлис, 1902, № 5, с. 31.

МОСТ СЕВАКНА

Находится в пограничной зоне провинций Арцах Адзак и Варанда, на реке Кондалан, по соседству с единственным все еще руссконаселенным в начале 20-го века села Карабулах в Джебраильской провинции. Вопреки глубокой древности этого моста, первые упоминания в письменных источниках об этом многопролетном сооружении мы встречаем лишь в 1902 году: “Верстахъ въ 2-3 отъ Карабулага-русского, протекаетъ река Канделанъ-чай. Сажень въ двухъ отъ реки находятся остатки каменного моста, обросшие густою травой. Происхождение этого моста кроется во мраке временъ историческихъ, и въ местномъ населении не сохранилось относительно времени построения его никакихъ определенныхъ преданий: одни говорятьъ, что онъ построенъ въ одно время съ весьма древнимъ Худаферинскимъ мостомъ на Аракъ, сооруженному будто-бы Александромъ Македонскимъ, другие приписываютъ постройку его какому-то царю Бахману. По положению моста относительно реки, следуетъ заключить, что онъ былъ выстроенъ надъ рекой, которая съ течениемъ времени изменила свое русло, вследствие чего мостъ остался въ стороне отъ реки, а отсутствие вблизи моста населенныхъ месть сохранило его отъ окончательнаг разрушения человеческими руками. ...Достовернее, однако, всего, что мостъ этотъ, какъ и мостъ Худаферинский, былъ сооруженъ Шахъ-Аббасомъ Великимъ...”¹. Из этого упоминания, пожалуй, можно заключить, что мост был возведен в 4-3 веках до нашей эры и былремонтирован в 17-ом веке.

¹ Сегаль И., Елисаветпольская губерния. Впечатления и воспоминания, “Кавказский вестник”, Тифлис, 1902, № 5, с. 31.

SEVAKN BRIDGE

The bridge lies across the river Kondalan, on the border-line between Dizak and Varanda Districts of Artsakh Province, Metz Hayk, in the neighbourhood of Gharabulagh—the only village in Jebrail District that still remained Russian-populated as of the early 20th century. Despite the deep antiquity of this multi-span bridge, the earliest written record containing reference to it goes back to only 1902: “Within some two to three versts of the Russian [village of] Gharabulagh flows the river Kyondalan. At a distance of two sazhens of the river are preserved the remnants of a stone bridge deeply buried in grass. The foundation of this bridge is shrouded in the obscurity of historical times, and the local people do not remember any legends relating to the period it traces back to: some say it was erected by Alexandre of Macedonia parallel with the construction of the old bridge of Khudaperin over the river Arax; others attribute it to a certain King Bahman. The position of the bridge in relation to the river suggests that [initially] it was constructed over a river which later changed its channel; as a result, the bridge appeared some distance away from it. Thanks to the absence of inhabited localities in the neighbourhood of the bridge, it has escaped final destruction by man. ...It is, however, most probable that both this bridge and that of Khudaperin were built by Shah Abbas the Great...”¹ This record comes to suggest that Sevakan Bridge was erected between the 4th and 3rd centuries B.C. and was later repaired in the 17th century.

¹ Segal, I. Yelisavetpol Province: Memoirs and Impressions. In: *Kavkazski Vestnik*, Tiflis, 1902, No. 5, p. 31 (the original in Russian).

ԽԱՂԽԱԳԻ ԿԱՄՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղրբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Զակաս գավառի տարածքում՝ ներկայիս Թոուզի շրջանի Յանխիլ գյուղի արևելյան եզրին՝ Զակաս գետի վրա: Ծովի մակերևույթից ունի 110 մ բարձրություն: Կառուցման ժամանակն անհայտ է, սակայն կամրջախելերի ստորին շարվածքի վաղ միջնադարին բնորոշ կառուցողական և քարի մշակման առանձնահատկությունները բույլ են տալիս ներառյալու, որ կամուրջն ավանդվել է մեր թվարկության առաջին դարերից՝ Խաղխաղի՝ Հայ Արշակունիների (66-428) արքայական ձմեռանոց եղած ժամանակներից: Հետագայում կատարված բազմաթիվ նորոգությունների շնորհիվ կանգուն է եղել մինչև Ի դարի սկզբները:

Դեռևս 1890 թ. բանահավաք Սարգիս Քամալյանը նշել է. «...Կամուրջը 3 ահագին կամար ունի և լայնանիստ սներ, որոնց մեջը դատարկ է, ծառայում է իրեւ պահեատատեղի: Մեջտեղի ոսր երկու կողմից դրներ ունի: Կամուրջը խախտված է, չի բանում...: ...տեղը կոչվում է Խննալու կամ Խլխանա»¹:

1980 թ. մեր այցելության ժամանակ գետի երկու ափերին տակավին պահպանվել էին կամրջի աջափնյա և միջին խելերի մնացորդները: Հիմնամասերը կառուցված են եղել հավասար շարքերով ձգվող սրբատաշ բազալտի մեծակտոր քարերով, իսկ մյուս հատվածները՝ աղյուսով:

Թողչքի երկարությունը 8,80 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,23 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 40°49'59.18", E 45°40'40.49":

1 Եղ. Զարենցի ամփան գրականության և արվեստի թանգարան (ԳԱՄԹ), **Ս. Քամալյանի** Փ., տեսոր № 1, VI-11, թ. 35: Ի դեպ, “Օчерки по истории Азербайджана” ամսուրագիր հոդվածում գետեղված է կամրջի կանգուն վիճակը ներկայացնող լուսանկարը (“Известия АН Аз. ССР”, 1946, № 5, с. 95):

МОСТ ХАХХАГА

Находится на территории аннексированной Азербайджаном провинции Закам Северного Арцаха, на восточной окраине села Янхлы Тоузского района, на реке Закам. Расположен на высоте 110 м над уровнем моря. Дата постройки неизвестна, однако, присущие раннему средневековью особенности возведения и обработки камня нижней кладки опор моста позволяют предположить, что он дошел до нас с первых веков нашей эры – со временем, когда Хаххаг был местом зимовья армянских царей Аршакуни (66-428 гг.). Благодаря осуществленным в последствии многочисленным восстановительным работам, мост оставался в сохранности до начала 20-го века.

Еще в 1890 году собиратель-этнограф Саргис Камалиян отмечал: “...У моста имеются три огромные арки и мощные опоры, в которых есть полости, служащие в качестве складов. В среднем изножии – по обе стороны – имеются двери. Мост расшатан, не действует... ...местность эта зовется Хнналу или Хлхана”¹.

Во время нашего посещения в 1980 году на обоих берегах еще сохранились остатки правобережной и средней опор. Участки оснований были возведены ровными рядами кладки из крупных блоков базальта, а остальные участки – из кирпича. Длина пролета – 8,80 м; ширина проезжей части – 4,23 м. Географические координаты: N 40°49'59.18", E 45°40'40.49":

1 Музей Литературы и Искусства им. Е.Чаренца (МЛИ), ф. С. Камалиана, тетрадь № 1, VI-11, л. 35 (на арм. яз.).
Кстати, в неподписанной статье “Очерки по истории Азербайджана” есть фото неразрушенного моста (“Известия АН Аз. ССР”, 1946, № 5, с. 95).

BRIDGE OF KHAGHKHAGH

The bridge extends over the river Zakam, at the eastern extremity of Yankhli Village in present-day Touz District—Zakam District of Northern Artsakh, a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then—at an altitude of 110 metres above sea level. The period of its construction remains unrevealed, but the building and finishing peculiarities of the lower stonework of its piers are typical of the early Middle Ages, which allows us to trace it back to the first centuries of the Common Era, when Khaghkhagh still served as a place of winter residence for the Armenian kings of the Arshakid Family (66 to 428). Later the bridge repeatedly underwent overhaul, thanks to which, it was preserved standing until the early 20th century.

Folklorist Sargis Kamalian, who saw the bridge in 1890, writes the following about it: “...The bridge has three immense arches and broad-faceted walls which are hollow and serve as warehouses. Its middle pier has doors from two sides. The bridge is in a state of disrepair and does not function... ...the place is called *Kh[e]nnalu* or *Kh[e]llkhana*.¹”

During our visit to the monument in 1980, we saw the remnants of its right-bank and middle piers still preserved on both sides of the river. It was entirely built of brick, except its main parts, which were laid with finely-dressed large blocks of basalt stretching in regular rows.

Span length: 8.80 metres; passage width: 4.23 metres; geographical coordinates: N 40°49'59.18," E 45°40'40.49."

1 Yeghishe Charents Art and Literature Museum: **Sargis Kamalian** Fund, copy-book No. 1, VI-11, p. 35 (the original in Armenian). A photograph showing the bridge as standing can be found attached to an anonymous article in Russian entitled *Studies of the History of Azerbaijan* (“Очерки по истории Азербайджана”). In: *Proceedings of the Academy of Sciences of the Azerbaijani SSR* (“Известия АН Аз. ССР”), 1946, No. 5, p. 95.



1



2



3



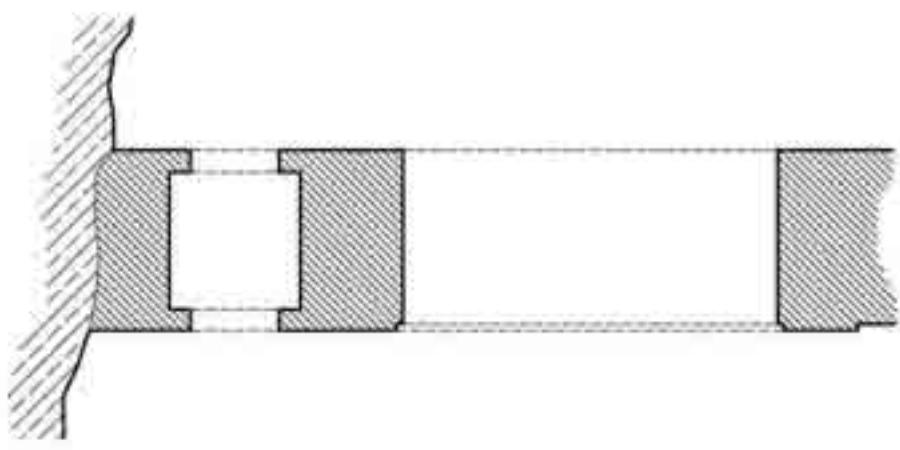
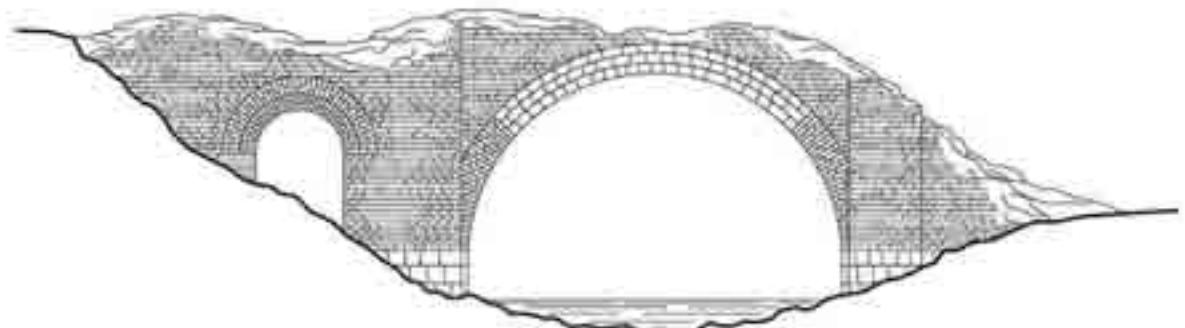
4



5



6



0 1 2 3 4 5 106

1

ՊԱՐՏԱՎԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է պատմական Հայոց Աղվանիքի մայրաքաղաք Պարտավ քաղաքատեղիում՝ մերօրյա Բարդա քաղաքի հարևանությամբ՝ Տրու (Թարթառ) գետի հին հունի վրա: Ծովի մակերևույթից ունի 77 մ բարձրություն: Անտարակույս, հետագա դարերում բազմից նորոգված կամրջի հիմնադրումը հարկ է վերաբերել Պարտավի ծաղկման շրջանին՝ Ե-Է դարերին¹: 1880-ական թթ. Վերջերին վաղուց արդեն ավերված կամրջի մասին ականատեսը նշել է. «...170 մետր երկարություն, 5 մետր լայնություն և 16 աչք, որոնց կամարներն արդէն քանդուած են և մնում են միայն ոսներն և երկու կողմերի պատերն: Սրբատաշ եղած են բոլոր անկինարարներն, իսկ անտաշ՝ մնացեալ քարերն: Ինչպէս վկայում են, ունեցած է հայերէն արձանագրություն, բայց անյայտացած է, չկայ այժմ...»²:

15 միջանկայալ և զույգ եղայի զանգվածեղ կամրջախելերի միջև 16 քոյշներով ձգվող կամրջի մնացորդները, ըստ հետագա առավել վստահելի չափագրական տվյալների, ունեին միայն 4 մ անցուղու լայնություն և 120 մ ընդհանուր երկարություն³: Շինանյութը գետաքար և կրաշաղախ է:

1 Կարապետյան Ս., Հայ մշակույթի հուշարձանները Խորհրդային Ադրեզանին բոնակցված շրջաններում, Երևան, 1999, էջ 217-218:

2 Քարիստառեանց Մ., Արցան, Բագու, 1895, էջ 31-32:

3 Սուսին Մ., Բրետանիսկի Լ., Սալամզադե Ա., Իстория архитектуры Азербайджана, Москва, 1963, с. 40.

МОСТ ПАРТАВА

Находится на территории городища Партаев — столицы исторической области Армянской Албании, по-соседству с нынешним городом Барда, на старом русле реки Трту (Тартар). Расположен на высоте 77 м над уровнем моря. Безусловно, время строительства в последующие века неоднократно обновлявшегося моста восходит к периоду расцвета Партаева, к 5-7 векам¹. В конце 1880 годов об уже давно разрушенном мосте очевидец писал: “...170 метров длины, 5 м ширины и 16 секций, арки коих уже обрушены и остались лишь изножии и стены обеих сторон. Все краеугольные камни были гладко тесаными, а остальные камни — нетесанными. Согласно свидетельствам имелась армянская надпись, однако ныне ее нет, она исчезла...”².

Остатки 16-типролетного моста, простирающегося на 15-и промежуточных и паре крайних массивных опорах, согласно дальнейшим достоверным обмерным данным, имели следующие параметры: ширина проезжей части — 4 м и общая длина 120 м³. Стойматериал - речной булыжник и известковый раствор.

1 Карапетян С., Памятники армянской культуры в зоне Нагорного Карабаха, Ереван, 2000, с. 216.

2 Бархутарянц М., Арцах, Баку, 1895, с. 31-32 (на арм. яз.).

3 Սուսին Մ., Բրետանիսկի Լ., Սալամզаде Ա., История архитектуры Азербайджана, Москва, 1963, с. 40.

BRIDGE OF PARTAV

The bridge is situated over the old channel of the river Trtu (Tartar), in the neighbourhood of present-day Barda City, in the town site of Partav—once the capital of the historical region of Armenian Albania [a toponym used with reference to the historical districts of Artsakh and Utik of Metz Hayk (Armenia Maior), to differentiate them from Caucasian Albania proper, lying on the left bank of the river Kur]—at an altitude of 77 metres above sea level. Undoubtedly, the foundation of this bridge dates back to the period when Partav enjoyed prosperity, namely, to the 5th to 7th centuries (subsequently it repeatedly underwent renovation).¹ In the late 1880s, a traveller wrote the following about the monument, that had been long lying in ruins: “...170 metres long, 5 metres wide and 16 spans, whose arches are already destroyed, with only the piers and walls preserved on both sides. All its cornerstones seem to have been finely-finished, the other stones being undressed. It is said to have had an Armenian inscription, but it can no longer be found now...”²

The bridge of Partav represented a structure of 16 spans with 17 massive piers—2 terminal and 15 middle ones. According to the results of subsequent measurement conducted amidst the remnants of the bridge, it had a passage width of 4 metres and a general length of 120 metres—these figures are more reliable as compared to those adduced in the quotation above.³ The main building material used in the erection of the bridge comprises cobblestone with mortar.

1 Karapetian, S. Armenian Cultural Monuments in the Region of Karabakh. Yerevan, 2001, pp. 204-205.

2 Barkhutarianc, M. Artsakh. Baku, 1895, pp. 31-32 (the original in Armenian).

3 Useinov, M., Bretanitsski L., Salamzade A. History of the Architecture of Azerbaijan. Moscow, 1963, p. 40 (the original in Russian).

ՔԱՐԱՎԱԶԻ ՀԻՆ (ԽՈՒԴԱՓԵՐԻՆԻ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Կովսական գավառի տարածքում (այժմ՝ Քաշաբաղի շրջան)՝ Կիլի լեռան ստորոտում՝ Արար գետի վրա: Ծովի մակերևույթից ունի 248 մ բարձրություն: Կառուցման հավանական ժամանակը՝ Ե-Է դարեր: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°09'25.39", E 46°56'15.17":

Ամենավաղ հիշատակություններից մեկը Վերաբերում է ԺԴ դարին. «...Աղահենը, որը հատում է Աղվան գետը մինչև Քարավազի կամուրջը...»¹: Արարական և պարսկական աղբյուրներում կամուրջը վկայված է Հուդաֆերին, Խուդափերին ամուններով:

Արդեն 1890-ական թթ. սկզբներին կամուրջի առաջին հետազոտողներից մեկը նշել է. «Խիստ հնաշեն և համակ սրբատաշ քարով շինուած է վերին կամուրջն, որ ունի ինն աչք, որոց ոսքերն հաստատուած են բնութենաստեղծ վեմ քարերի վերայ: Աշերի կամարներից կանգուն են չորսն և քանդուած հինգն...»²:

1975-1977 թթ. Արաքսի էներգետիկ հնարավորություններն ուսումնասիրելու խորհրդա-իրանական ծրագրի շրջանակներում կամուրջն առաջին անգամ չափագրվել է: Համաձայն ճեղք բերված տվյալների՝ 11 թոփը ունեցող կամուրջն ուներ 130 մ երկարություն, 6 մ լայնություն և ջրի մակարդակից մինչև 12 մ բարձրություն³: Հիմնադրումը վերագրվել է անտիկ, անգամ արեմենյան դարաշրջանին:

1 Ստեփանոս Օրբելյան, Սյունիքի պատմություն, Երևան, 1986, էջ 263:

2 Բարխուտարեանց Մ., Արցախ, Բագու, 1895, էջ 62:

3 Մամեդզադե Կ., Строительное искусство Азербайджана, Баку, 1983, с. 47.

МОСТ КАРАВАЗ (ХУДАФЕРИН) ХИН (старый)

Находится на территории Арцахской провинции Ковсакан (ныне – район Кашатах), у подножия горы Дири, на реке Аракс. Расположен на высоте 248 м над уровнем моря. Вероятное время строительства – 5-7 века. Географические координаты: N 39°09'25.39", E 46°56'15.17".

Одно из самых ранних свидетельств относится к 13-му веку: "...Агахеч, который пересекает реку Агвано до моста Караваз..."¹. В арабских и персидских источниках мост упоминается под названиями Худаферин или Худаперин.

Уже в начале 1880 годов один из первых исследователей моста писал: "Верхний мост весьма древний и возведен целиком из гладко тесаного камня, у которого девять секций, из которых коих зиждятся на природных скалах. Из арок секций сохранились четыре и разрушены пятеро..."².

В 1975-1977 годах, в рамках советско-иранской программы по изучению энергетических возможностей реки Аракс, впервые были произведены обмеры моста. Согласно приобретенным данным, длина 11-типролетного моста составляла 130 м, ширина – 6 м, высота над уровнем воды – до 12-и м³. Время возведения было приписано к античной и, даже, ахеменидской эпохе.

1 Степанос Орбелян, История Сюника, Ереван, 1986, с. 263 (на арм. яз.).

2 Бархутарянц М., Арцах, Баку, 1895, с. 62 (на арм. яз.).

3 Мамедзаде Կ., Строительное искусство Азербайджана, Баку, 1983, с. 47.

OLDER BRIDGE OF KARAVAZ (KHUDAPERIN)

The older bridge of Karavaz (5th to 7th centuries) lies over the river Arax, at the foot of Mount Diri in Kovsakan District (present-day Kashatagh District), Republic of Artsakh (RMK: Republic of Mountainous Karabakh), at an altitude of 248 metres above sea level.

One of the earliest records mentioning this monument dates from the 13th century: "...Aghahej [District], that is crossed by the river Aghvano and reaches the bridge of Karavaz..."¹ The available Arabic and Persian sources refer to the bridge by the names *Hudaferin* and *Khudaperin*.

One of the first scholars known to have studied the monument wrote the following in the early 1980s: "The upper bridge, which bespeaks high antiquity, is built of entirely finely-dressed stone. It has nine spans with their piers resting on natural rocks. Four of the span arches are preserved standing, the other five lying in ruins..."²

Between 1975 and 1977—for the first time in its history—the older bridge of Karavaz was measured within the framework of the Soviet-Iranian joint project of revealing the power generation potential of the river Arax. According to measurement results, the bridge of 11 spans has a length of 130 metres and a width of 6 metres, its height above water level reaching 12 metres.³ The foundation of the older bridge of Karavaz is attributed to the ancient world, and even to the times of the Achaemenid Empire.

Geographical coordinates: N 39°09'25.39", E 46°56'15.17".

1 Orbelian, Stepanos. History of Siunik. Yerevan, 1986, p. 263 (the original in Armenian).

2 Barkhutaryants, M. Artsakh. Baku, 1895, p. 62 (the original in Armenian).

3 Mamedzade, K. Building Art of Azerbaijan. Baku, 1983, p. 47 (the original in Russian).



7



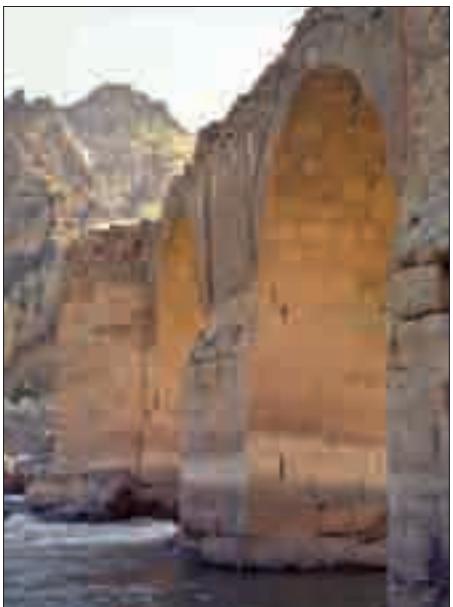
8



9



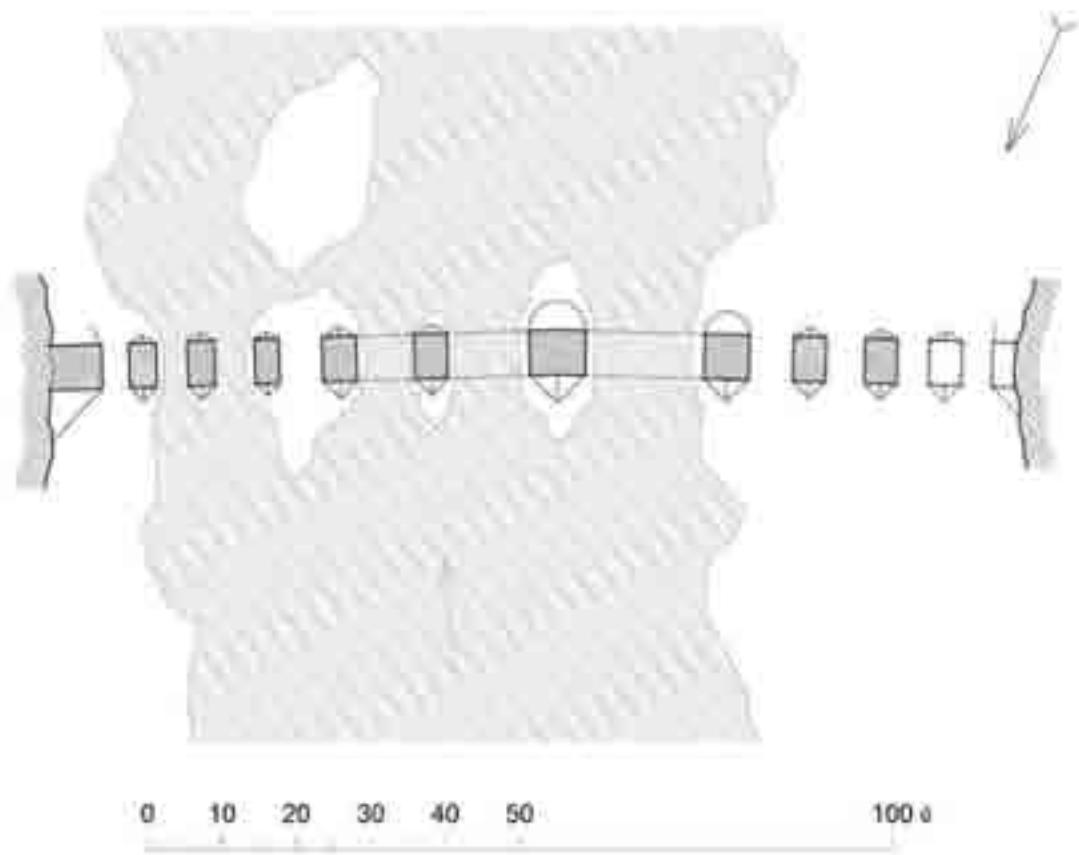
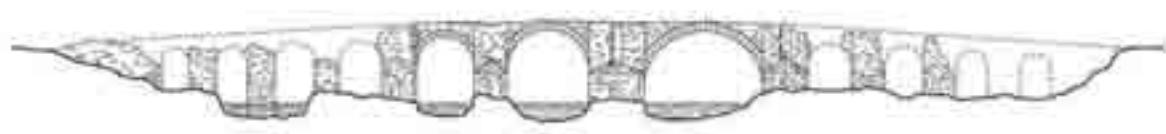
10



11



12



2

0 10 20 30 40 50 100 m

21

ԾԱՄՔՈՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր պատմական աղբյուրներում արդեն Է դարից քազմից հիշատակվող Հյուսիսային Արցախի Շամրոր քաղաքի (այժմ՝ քաղաքատեղի) հարևանությամբ հոսող համանուն գետի վրա, որի քավականին լայնահուն հոսանքը հաղթահարելու համար հավանաբար մինչև Է դարը կառուցված կամուրջն ունեցել է քազմաթոփչ հորինվածք: Արդեն ԺԹ դարի կեսերին նկատելի էին կամրջի սոսկ մնացորդները. «...ոյ ՚ի վերայ ջրոյս քազմակնեայ կամուրջ շինեալ սպիտակ քարամբք որ այժմ է աւերակ...»¹: Կառուցման հավանական ժամանակը՝ Զ-Է դարեր:

¹ Զալալեանց Ս., Շամապարհորդութիւն ի Սեծն Հայաստան, մասն Ա, Տփղիս, 1842, էջ 171:

МОСТ ШАМКОРА

Находился на одноименной реке близ неоднократно упоминаемого еще с 7-го века в исторических источниках города Шамкор (ныне-городище) Северного Арцаха, для преодоления широкого течения которого, вероятно, построенный до 7-го века мост имел многопролетную композицию. Уже в середине 19-го века были заметны лишь его остатки: “...есть на воде мост, построенный из белого камня, который ныне в руинах...”¹. Вероятное время строительства 6-7 века.

¹ Джалалянц С., Путешествие по Великой Армении, ч. 1, Тифлис, 1842, с. 171 (на арм. яз.).

BRIDGE OF SHAMKOR

The bridge extended across the river Shamkor flowing in the vicinity of the town site of Shamkor (the available archive documents repeatedly mention the town of Shamkor from the 7th century onwards) in Shamkor District, Northern Artsakh, a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. Presumably, it was erected between the 6th and 7th centuries, and was multi-span in composition, apparently so that it would resist the abundant current of the river. By the mid-19th century, only the remnants of the bridge were left in its site: “...over the river lies a multi-span bridge built of white stone [which is] now in ruins...”¹

¹ Jalaliants, S. Travel to Great Armenia, part 1, Tpghis, 1842, p. 171 (the original in Armenian).

ՉՈԽՏԱԿ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Շամրոր գետի ձախ վտակ Փառիսոսի վրա՝ համանուն գյուղատեղիի տարածքում, ծովին մակերևույթից 1150 մ բարձրության վրա. «...անուանում են Բայրամ-Ալի կամ Ղօշա-քեռվիի (Չոխս կամուրջ), երևի այն երկու կամուրջների անունով, որոնցից մեկն այժմ կործանուած է, որի միայն մի կողմն է երևում...»¹: Հիմք ընդունելով մերձակա հնավայրերի և հուշարձանների (Փառիսոսի վանք, Փառիսոսի բերդ, Փառիսոս քաղաքատեղիի եկեղեցիներ) քվարման տվյալները (հիմնականում Թ-ԺՍ դր.)՝ կարելի է ենթադրել, որ սույն կամուրջն էլ ժամանակակից է եղել վերը նշվածներին:

¹ Սմբատ Մ., Հնութիւններ Գետաբեկի շրջակայքում, «Նոր-Դար», 1893, № 36, էջ 2:

МОСТ ДЖОХТАК

Находился на левом притоке Парисос реки Шамкор, на территории одноименного поселения на высоте 1150 м над уровнем моря: “...называют его Байрам-Али или Гоша-Керпи (джухт камурдж), видимо по имени тех двух мостов, один из которых разрушен, ныне от которого видна лишь одна сторона...”¹. Принимая за основание данные датировки окрестных древностей и памятников (монастырь Парисос, крепость Парисос, церкви городища Парисос), можно предполагать, что этот мост также относится к этому периоду, т.е. к 9-11 векам.

¹ Сմբատ М., Древности в окрестности Гетабека, “Нор-Дар”, 1893, № 36, с. 2 (на арм. яз.).

JOKHTAK BRIDGE

Jokhtak Bridge stretches over the Parisos—the left tributary of the river Shamkor—in the territory of a village site of the same name, at an altitude of 1,150 metres above sea level: “...called Bayram Ali or Ghosha Kyopri (two bridges), apparently after the two bridges one of which is now in ruins—only a single part of it is still preserved...”¹ Taking into account the fact that the adjacent ancient sites and monuments (Parisos Monastery, Parisos Castle and the churches of the town site of Parisos) mostly date from the 9th to the 11th centuries, we may trace this bridge back to the same period.

¹ Smbat M. Antiquities in the Neighbourhood of Getabek. In: *Nor-Dar*, 1893, No. 36, p. 2 (the original in Armenian).



13

ԱՇՈՏ ԵՐԿԱԹԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի Չարեք բերդի ստորոտում՝ Շամքոր գետի վրա: Կառուցումն ավանդաբար վերագրվել է Աշոտ Երկարին (Ժ դար): Եղել է միաբոլիչք: Բացառությամբ բաղակիր կամարի անվյունաբարերի, որոնք կերտված են սրբատաշ քարից, կամքջի մնացած հատվածները շարված են անմշակ քարով, կրաշաղախով: Քանդվելու ժամանակն անհայտ է, սակայն դա տեղի ունեցած պետք է լինի 1890-ական թվականներից շատ ավելի վաղ, քանի որ 1893 թ. ականատեսը նշել է: «Բերդի տակ, գետի վրայ եղել է քարաշեն կամուրջ, որի կամարը այժմ ընկած է և տեղը փայտեր զցած, որոնց վրայից անցնողը մեծ սարսափ է գրում: Այդ կամուրջը բոլորովին փոտած և խարխուս դրութեան մեջ է: Մի մարդ որքան է կամաց փոխէ քայլերը, անցնելիս բոլոր փայտերը երերում են, տեսնես ո՞ր անբաղդը մի օր այդ փոտած փայտակոյտի խորտակուելուց խոր գետի մեջ պետք է ընկηմուի...»¹: Ցարդ պահպանվել են զույգ կամքջախելերը:

¹ Սմբատ Մ., Հնութիւններ Գետաբեկի շրջակայրում, «Նոր-Դար», 1893, № 36, էջ 2:

МОСТ АШОТА ЕРКАТА

Находится у подножия крепости Чарек Северного Арцаха, на реке Шамкор. По преданию, постройка этого моста приписывалась царю Армении Ашоту Еркату (10-ый век). Он был однопролетным. Кроме краеугольных камней (выложенных из гладко тесаного камня) несущей свод арки, остальные части возведены из нетесаного камня, на известковом растворе. Время его разрушения неизвестно, однако это должно было иметь место намного раньше 1890 годов, потому как в 1893 году очевидец указывал: “Под крепостью, на реке был мост, арка которого обрушина и на ее месте переброшены бревна, а по ним проходящие люди испытывают большой страх. Этот мост полностью в ветхом и расшатанном состоянии. Несмотря на то, насколько осторожно человек ступает по ним, все равно – бревна качаются: интересно, кто окажется тем несчастным, который из-за обрушения этих бревен утонет в реке...”¹. По сей день сохранились обе опоры моста.

¹ Сմբат М., Древности в окрестности Гетабека, “Нор-Дар”, 1893, № 36, с. 2 (на арм. яз.).

BRIDGE OF ASHOT YERKAT (THE IRON)

This single-span bridge, whose construction is traditionally ascribed to King Ashot the Iron (10th century), stretches over the river Shamkor, at the foot of Charek Castle. Except for the cornerstones of the vault-bearing arch, which are finely-finished, all its other parts are laid with undressed stone and mortar. It is not certain when exactly it went to ruin, but this must have happened much earlier than the 1890s, for in 1893 a visitor wrote: “Down the castle, a stone-built bridge used to extend across the river. Its arch has collapsed, and now some pieces of wood cover its site, horrifying all those trying to cross the river. This bridge is in a state of utter destruction and dilapidation. No matter how cautiously you take your steps, all the pieces of wood shake while you are passing. I wonder who that poor wretch is that will one day fall into the deep river once this rotten heap of wood collapses underneath his feet...”¹ At present two piers constitute all the remnants of the bridge.

¹ Smbat M. Antiquities in the Neighbourhood of Getabek. In: *Nor-Dar*, 1893, No. 36, p. 2 (the original in Armenian).

ԿԱՏՈՍԱՎԱՆՔԻ ԿԱՄՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Կատոս գյուղից 2 կմ հյուսիս-արևմուտք՝ Հոշանց գետի վրա: Միաբղիչը կամուրջը կառուցված է եղել համակ սրբատաշ քարով, կրաշաղախով: Ներկայում ավելի բարվոր վիճակում է կամրջի ձախակողմյան խելք: Կառուցման հավանական ժամանակը՝ Թ-ԺԱ դարեր: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°46'26.63", E 46°19'59.21":

МОСТ КАТОСАВАНКА

Находится в 2 км к северо-западу от села Катос района Кашатаг Республики Арцах (НКР), на реке Гочанц. Этот однопролетный мост был возведен целиком из гладко тесаного камня, на известковом растворе. В настоящее время в более благополучном состоянии находится левосторонняя опора. Вероятное время строительства – 10-11 века. Географические координаты: N 39°46'26.63", E 46°19'59.21".

BRIDGE OF KATOSAVANK

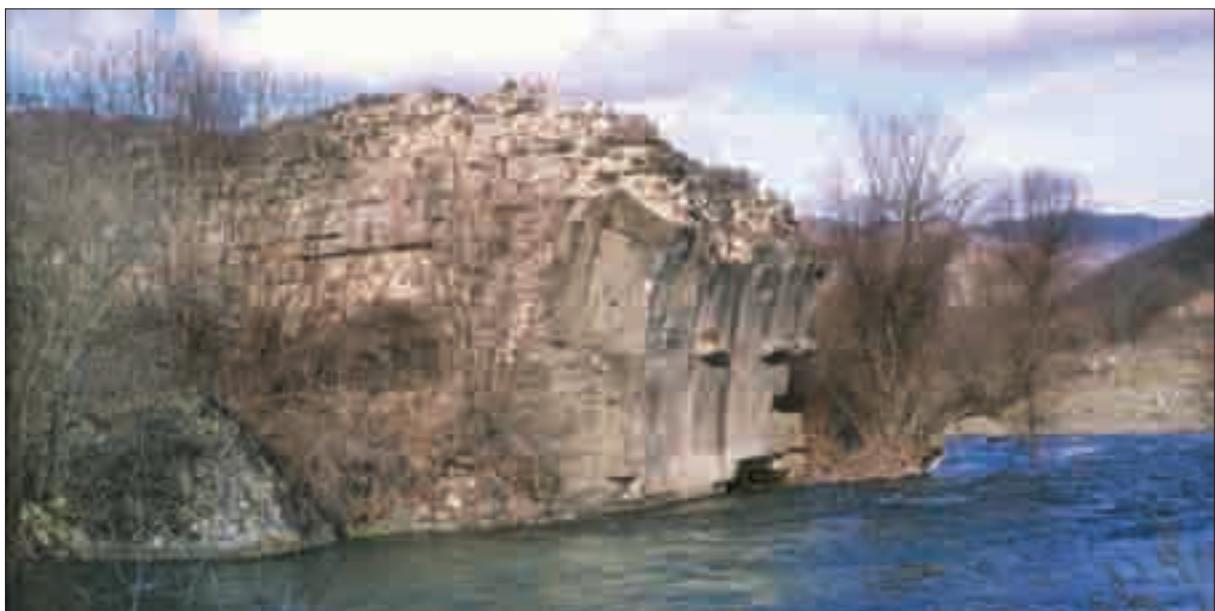
This single-span bridge, which may be traced back to the period between the 9th and 11th centuries, is situated over the river Hochants, 2 kilometres north-west of Katos Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK). It is built of entirely finely-dressed stone and mortar. At present only its left-bank pier is in a comparatively better state of preservation.

Geographical coordinates: N 39°46'26.63," E 46°19'59.21."



14

15



16

ԳԼԱՄԲԱՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբար Գլամբար գյուղից արևմուտք՝ Շամքոր գետի վրա: Կառուցման ժամանակն անհայտ է, սակայն կամքախելերի կառուցողական առանձնահատկությունները (անմշակ գետաքար, կրաշաղախ) բույլ են տալիս ենթադրելու, որ կամուրջն ավանդված պեսք է լինի միջին դարերից, իսկ հաշվի առնելով կամքախի դիմաց՝ Շամքորի աջ ափին գտնվող Դասն վանքի՝ ԺԲ դարի ծաղկուն շրջանը՝ կարելի է ենթադրել, որ այն կառուցվել է նախքան նշյալ ժամանակաշրջանը: Եղել է բազմաբոլոր:

¹ Կարապետյան Ս., Հյուսիսային Արցախ, Բեյրութ, 2004, էջ 487:

МОСТ ГЛАМБАРА

Находится к западу от села Гламбар Северного Арцаха, армянское население которого было изгнано в 1988 году. Время строительства неизвестно, однако строительные особенности опор моста (необработанный речной булыжник, известковый раствор) позволяет предполагать, что мост дошел до нас со средних веков; причем, учитывая факт процветания в 12-ом веке монастыря Дасно (что напротив моста, на правом берегу реки Шамкор), можно предположить, что он был сооружен раньше указанного периода. Мост был многопролетным¹.

¹ Карапетян С., Северный Арцах, Бейрут, 2004, с. 487 (на арм. яз.).

BRIDGE OF GLAMBAR

This is a multi-span¹ bridge lying over the river Shamkor, west of Glambar (Gyulambur) Village, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. The date of its construction remains obscure, but the building and finishing peculiarities of its piers (undressed cobblestone and mortar) admit of the conjecture that it dates from the Middle Ages. Moreover, taking into account the fact that Dasno Monastery, situated opposite the bridge on the right bank of the Shamkor, enjoyed bloom and prosperity in the 12th century, we may conclude that it was erected earlier than the period specified.

¹ Karapetian, S. Northern Artsakh. Yerevan, 2007, p. 494.

ԳԱՌՆԱԿԵՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի Գառնակեր գյուղի հարևանությամբ՝ Շամքոր գետի վրա: Կառուցման ժամանակն անհայտ է, սակայն կարելի է ենթադրել, որ կամուրջն ավանդված է միջին դարերից: Բազմաբոլոր կամքախի բույլը բաղակաց բոիչքները քանդվել են: Կառուցված է անմշակ քարով, կրաշաղախով¹:

¹ Կարապետյան Ս., Հյուսիսային Արցախ, Բեյրութ, 2004, էջ 480:



17



18



19

МОСТ ГАРНАКЕРА

Находится по-соседству с селом Гарнакер Северного Арцаха, на реке Шамкор. Время строительства неизвестно, однако можно предположить, что мост дошел до нас со средних веков. Сводчатые пролеты этого многопролетного моста обрушились. Возведен из необработанного камня, на известковом растворе¹.

¹ Карапетян С., Северный Арцах, Бейрут, 2004, с. 480 (на арм. яз.).

BRIDGE OF GARNAKER

Another bridge extending over the river Shamkor, it is located in the neighbourhood of Garnaker Village, Shamkor District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. The period of its construction is unknown, but it may be attributed to the Middle Ages. The bridge of Garnaker used to be a double-span one built of undressed stone and mortar.¹ At present all its vaulted spans are in ruins.

¹ Karapetian, S. Northern Artsakh. Yerevan, 2007, p. 488.



ՔԱՐԱՎԱԶԻ ՆՈՐ (ԽՈԴԱՓԵՐԻՆԻ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանում՝ Դիլի լեռան ստորոտում՝ Արաքս գետի վրա։ Ծովի մակերևույթից բարձր է 246 մ։ Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°09'02.01", E 46°56'24.01":

Հետազայի վերակառուցումների հետքերի համաձայն՝ ԺԲ-ԺԳ դարերի կառույց է։ ԺԶ դարում հիշատակվում է օսմանյան պետության սահմանների մատնանշման առիրով։ «Եւ մինչև ի Խուդափրին ունին ընդ իշխանութեամբն իրեանց»¹։ 1805 թ տեղի ունեցած դեպքերի առնչությամբ 1817 թ. գերմանացի դիվանագետ Մորից ֆոն Կոտզեբուն նշել է. «...զեներալ Ֆիլիպ Հիգիանովը տասներկու հազար մարդոց հետ և մի քանի թնդանորներով զնաց Արքաս Միրզայի դեմ և կատարյալ պարտության մատնեց նրան։ Թագավորը [Ֆար Ալի Չահ], որ մի մեծ քանակի գլուխ անցած գտնվում էր Արաքսի այս կողմը, ծայրահեղ շտապանիքով նահանջեց զետի մյուս ափը, և նոյնիսկ քանդեց Հուդերապինի (Huderapin) գեղեցիկ կամուրջը, որ տակավին ավերակ է»²։

1890-ականների սկզբներին նշվել է. «...վարի կամուրջն իիմնարկուած է նոյնական վեմ քարերի վերայ, որ ունի տասնինգ աչք, որոց ոստերն շինուած են քարով և քաղերն՝ բրծեալ աղիսով և կրաշաղախ ցեխով»³։ 1975-1977 թթ. ընթացքում իրականացված ուսումնասիրություններից երևում է, որ կամրջի 15 բռիչներից ամենաերկարն ունեցել է 8,80 մ երկարություն, իսկ ամենակարճը՝ 5,80 մ⁴։

¹ Առաքել Դավրիժեցի, Գիրք Պատմութեանց, Երևան, 1990, էջ 57:

² Հակոբյան Հովհ., Ուղեգործություններ, Զ, Երևան, 1934, էջ 520:

³ Բարխուտարիանց Մ., Արցախ, Բագու, 1895, էջ 62:

⁴ Մամեձադ Կ., Строительное искусство Азербайджана, Баку, 1983, с. 46.

МОСТ КАРАВАЗ (ХУДАФЕРИН) НОР (новый)

Находится в районе Кашатах Республики Арцах (НКР), у подножия горы Дири, на реке Аракс. Расположен на высоте 246 м над уровнем моря. Географические координаты: N 39°09'02.01", E 46°56'24.01". Согласно следам последующих реконструкций, является сооружением 12-13 веков. В 16-ом веке упоминается по поводу указания на границы османского государства: "И вплоть до Худаферина имели под властью своею"¹. В связи с событиями, имевшими место в 1805 году, германский посол Мориц фон Коцебу в 1817 году писал: "...генерал Цицианов со своими двенадцатью тысячами воинами и несколькими пушками пошел на Аббаса Мирзу и нанес ему полное поражение. Царь [Фат Али Шах], который был во главе большой армии и находился по эту сторону Аракса, поспешил отступить на тот берег реки и даже разрушил красивый Худерапинский (Huderapin) мост, который по сей день разрушен"². В начале 1890 годов указывалось: "...нижний мост основан также на природном скальном грунте, у него пятнадцать секций, изножья которых сооружены из камня, а своды — из обожженного кирпича на известковом растворе"³. Из исследований, осуществленных в 1975-1977 годы, видно, что из 15-и пролетов моста самый длинный был в 8,80 м; самый короткий — 5,80 м⁴.

¹ Аракел Даврижети, Книга истории, Ереван, 1990, с. 57 (на арм. яз.).

² Акопян Ов., Путевые заметки, т. 6, Ереван, 1934, с. 520 (на арм. яз.).

³ Бархутарянц М., Арцах, Баку, 1895, с. 62 (на арм. яз.).

⁴ Мамедзаде Կ., Строительное искусство Азербайджана, Баку, 1983, с. 46.

NEW BRIDGE OF KARAVAZ (KHUDAPERIN)

The new bridge of Karavaz is located over the river Arax, at the foot of Mount Diri in Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 246 metres above sea level. A monument of the 12th to 13th centuries, it bears traces of rebuilding carried out in subsequent periods. One of the references to the new bridge of Karavaz is found in a 16th-century document specifying the borders of the Ottoman Empire: "And their reign extended up to Khudaf[e]rin."¹ In 1817 German diplomat Moritz von Kotzebue wrote the following about the events of 1805: "...General Tsitsianov went to attack Abbas Mirza with twelve thousand men and several cannons and defeated him totally. The king [Fat Ali Shah], who was on this side of the Arax in command of a large army, retreated to the other bank of the river in all haste, and even destroyed the fine bridge of Huderapin, which is still in ruins."² A record of the 1890s offers the following description for the new bridge of Karavaz: "...the lower bridge is likewise built on natural blocks of rock and has fifteen spans with piers of stone and vaults of burnt brick and mortar."³ According to the results of research implemented into the new bridge of Karavaz between 1975 and 1977, the longest of its 15 spans is 8.80 metres in length, and the shortest 5.80 metres.⁴

Geographical coordinates: N 39°09'02.01", E 46°56'24.01."

¹ History by Arakel Davrizheti. Yerevan, 1990, p. 57 (the original in Armenian).

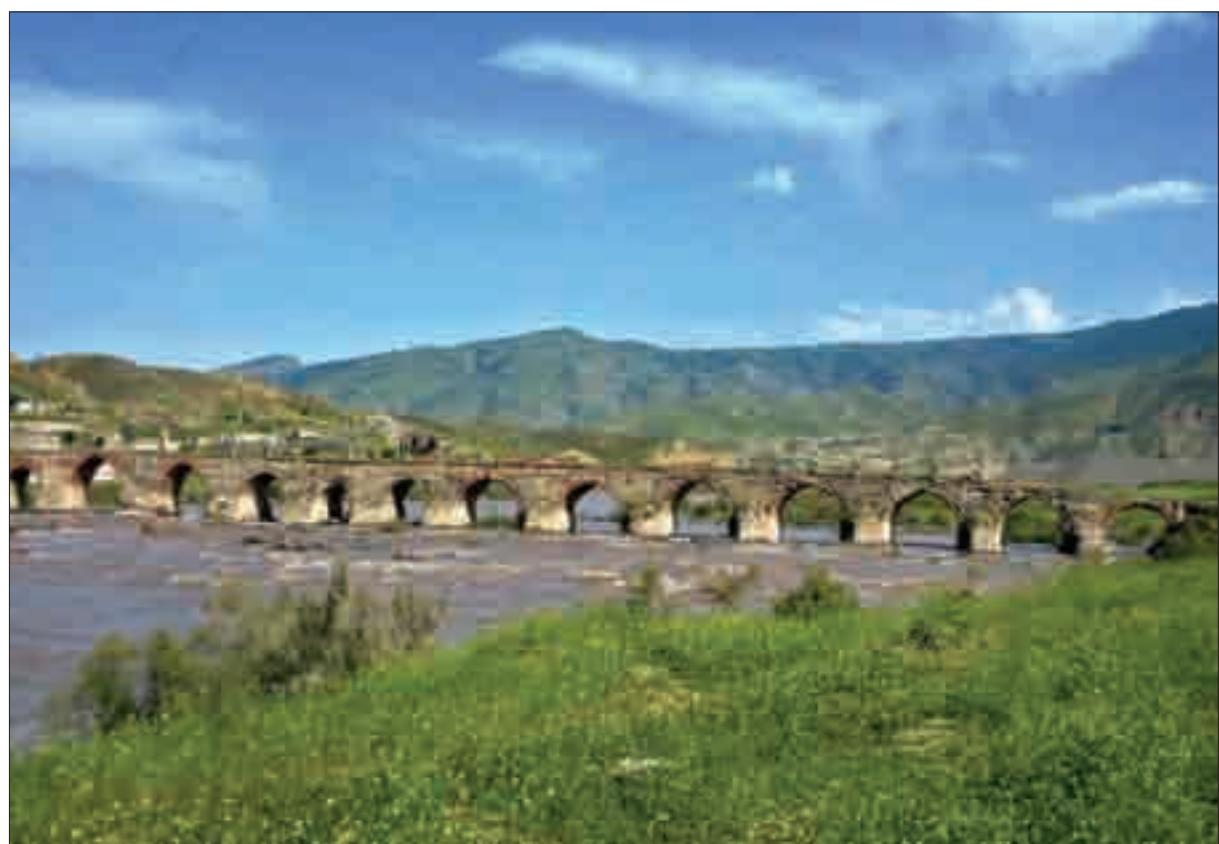
² Hakobian, Hovh. Travel Notes, vol. 6, Yerevan, 1934, p. 520 (the original in Armenian).

³ Barkhutariants, M. Artsakh. Baku, 1895, p. 62 (the original in Armenian).

⁴ Mamedzade, K. Building Art of Azerbaijan. Baku, 1983, p. 46 (the original in Russian).



20



21

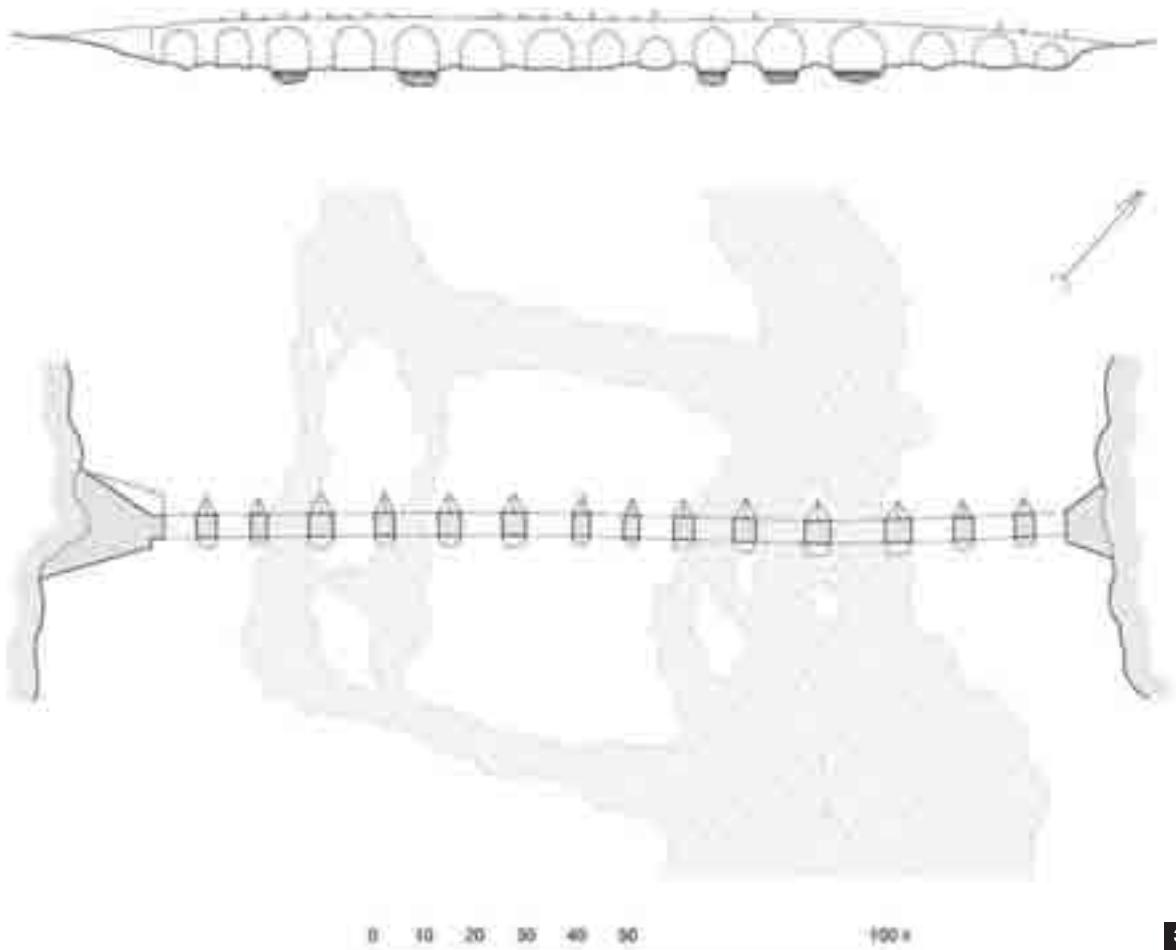


22



23

28



12

ՀԻՆ ԳԱՆԴԶԱԿԻ ՎԵՐԻՆ ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի Գանձակ քաղաքի հյուսիսային կողմում՝ Հին Գանձակ քաղաքա-տեղի տարածքում՝ համանուն գետի վրա։ Քաղաքի ճախակողմի ամրության հարավային մասի անկյունավոր աշտարակից ուներ 160 մ հեռավորություն։ Ուսումնասիրվել է 1939-1940 թթ. Հին Գանձակում իրականացված հնագիտական հետազոտությունների ժամանակ։ Զախափնյա խելի մնացորդներից պարզվել է, որ կամուրջն ունեցել է 4 մ լայնություն¹։ Կառուցման հավանական ժամանակը՝ ԺԲ-ԺԳ դարեր։

¹ Ջաֆարզադե Ի., Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949, с. 48.

МОСТ ХИН (старый) ГАНДЗАКА ВЕРИН (верхний)

Находится на северной стороне города Гандзак Северного Арцаха, на территории города Хин Гандзак, на одноименной реке. Был расположен на расстоянии 160 м от углообразной башни южной части левосторонней крепостной стены города. Мост был изучен в 1939-1940 годах во время археологических исследований в Хин Гандзаке. Судя по остаткам левобережной опоры, установлено, что ширина моста составляла 4 м¹. Вероятное время строительства – 12-13 века.

¹ Ջաֆարզаде Ի., Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949, с. 48.

12

UPPER BRIDGE OF HIN GANDZAK

The bridge extends over the river Gandzak in the town site of Hin Gandzak, in the north of Gandzak Town (within 160 metres of an angular tower that forms the southern part of a fortification rising on the left side of the town), Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. It was studied during archaeological research conducted in Hin Gandzak from 1939 until 1940. Judging from the remnants of the left-bank pier of the bridge, it had a width of 4 metres.¹ The monument may be attributed to the period between the 12th and 13th centuries.

¹ Jafarzade, I. Historical and Archaeological Studies of Hin Gyanja. Baku, 1949, p. 48 (the original in Russian).

ԶՐՎԾՏԻԿԻ (ԱՄՁԻ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Մատաղիս գյուղից 5 կմ հյուսիսարևմուտք՝ Եղիշե Առաքյալ վանքից նոյն ուղղությամբ 400 մ հեռու՝ Զրվշտիկ կամ Եղիշե Առաքյալ գետակի վրա, խոր ձորի մեջ:

Կառուցման ժամանակի վերաբերյալ տեղեկություններ չեն պահպանվել, սակայն կառուցողական առանձնահատկությունները բույլ են տալիս կառույցը թվագրել ԺԲ-ԺԳ դարերով:

Պահպանվել են միայն կամրջախելերը: Քանդվելու ժամանակը նոյնական է, սակայն դա տեղի ունեցած պետք է լիներ 1884 թվականից շատ ավելի վաղ, քանի որ այդ թվականին ականատեսը նշել է. «Կամուրջը ոչ այլ ինչ է, եթե ոչ երեք երերուն գերան փայտի կտորներով ծածկուտած: Նրա տակով, մոտ 200 ոտտաչափ ցածրութեամբ հանդիպակաց, ցից-ցից ժայռերի մէջտեղովն ահազին շառաչմամբ արշատում է Եղիշե Առաքելոյ գետակը...»¹: Հարկ է ավելացնել, որ վարդու գրյուրյուն չունեն նաև կամրջախելերն իրար կապող «երերուն գերանները»: Միարոշը կամրջի թաղակիր կամարի անկյունաքարերը եղել են սրբատաշ, իսկ մնացած հատվածներն ու հատկապես բարձր հիմնախելը շարվել են անմշակ քարով, կրաշաղախով: Ընդհանուր լայնությունը 6,0 մ է, լայնությունը՝ 3,30 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից (ըստ Վերակազմության)՝ 11,25 մ:

¹ Հայկունի, Ուղեգնացական ակնարկներ, «Մեղու Հայաստանի», 1885, № 66, էջ 3:

МОСТ ДЖРВШТИКА (МАЗИ)

Находится в 5 км к северо-западу от села Матагис Мартакертского района Республики Арцах (НКР), в 400 метрах в том же направлении от монастыря Егишэ Аракял, на речке Джрвштик или Егишэ Аракял, в глубоком ущелье.

Сведения о строительстве моста не сохранились, однако строительные особенности позволяют датировать его 12-13 веками.

Сохранились лишь опоры моста. Время обрушения также неизвестно, это должно было иметь место задолго до 1884 года, поскольку в указанный год очевидцем было отмечено: “Мост представляет собой не что иное, как переправу из трех неустойчивых бревен, покрытых более мелкой древесиной. Под ним на глубине около 200 футов промеж торчащих друг против друга скал с ревом несется речка Егишэ Аракял...”¹. Следует отметить, что уже давно, как не существуют “неустойчивые бревна”, связывающие друг с другом опоры. Краеугольные камни несущей свод арки были гладко тесаными, а остальные части (в том числе и высокая основная опора) были возведены из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 6,0 м; ширина – 3,30; высота над уровнем воды (согласно пересоставлению) – 11,25 м.

¹ Айкуни, Путевые очерки, “Mexu Aystani”, 1885, № 66, с. 3 (на арм. яз.).

BRIDGE OF JERVESHTIK (MAZI)

This is a single-span bridge situated over the stream Jerveshtik (Yeghishe Arakyal, i.e. *Elisha the Apostle*), in a deep gorge 400 metres north-west of the Monastery of Yeghishe Arakyal, within 5 kilometres of Mataghis Village, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK) in the same direction.

There exist no records as to the time of its construction, but its building peculiarities allow us to trace it back to the 12th to 13th centuries.

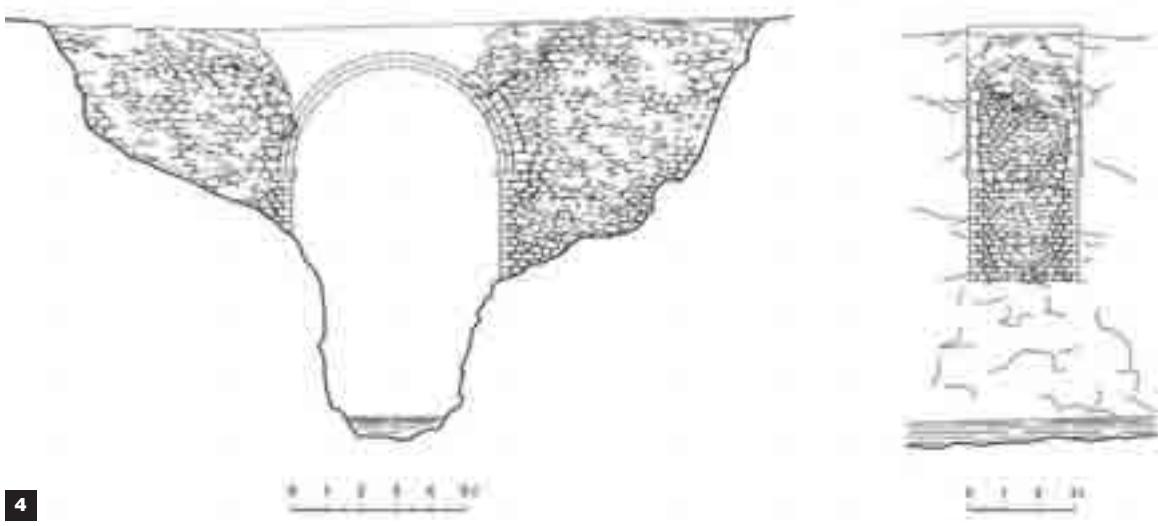
At present only the piers of the bridge of Jerveshtik are preserved. It remains unknown when it was destroyed, but this must have happened much earlier than the year 1884, as a traveller who saw it in the same year later wrote: “The bridge represents but three shaky beams covered with pieces of wood. About 200 feet beneath it in the opposite direction, amidst some prominent rocks runs the stream Yeghishe Arakyal [Elisha the Apostle] in tremendous roar...”¹ It is already a long time since the “shaky beams” connecting the piers were levelled with the ground. The cornerstones of the vault-bearing arch of the bridge were finely-dressed; its other parts, and particularly, its elevated main pier were built of undressed stone and mortar.

Span length: 6.0 metres; passage width: 3.30 metres; height above water level according to the reconstruction of the bridge: 11.25 metres.

¹ Haykuni. Travelling Notes. In: *Meghu Hayastani*, 1885, No. 66, p. 3 (the original in Armenian).



24



31

ԿՈՏՐԱԾ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Մեղվածոր գյուղից հարավ-արևմուտք՝ Հակարի (Հազարի) գետի վրա. «Մընը-Ջեօրփին այժմ բոլորովին քարութանդ է եղած. միայն մի պատճ է կանգուն մնում (առանց որևէ արձանագրութեան) և ինչպէս երևում է դա մի ահազին կամուրջ է եղած և քառականին էլ ամուր և գեղեցիկ շինած, բայց ի՞նչ արած, որ չէ կարողացել Հազարի կատաղի ալիքներին դիմանալ... շինուած է սևագոյն սրբատաշ քարից»¹: Հարկ է նշել, որ ուղիղ մեկ դար անց՝ 1985 թ., կանգուն էր բազմաթիշք կամրջի սոսկ աջ եզրային բռիչքը (երկարությունը՝ 7,77 մ, լայնությունը՝ 3,25 մ), որն այժմ (2009 թ.) նույնականացված է: Հորինվածքային և կառուցղական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺԲ-ԺԳ դարերին: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°34'02.04", E 46°34'08.46":

¹ Տեր-Գասպարեանց Ա., ճանապարհորդութիւն դէպի Ղափան, «Մեղու Հայաստանի», 1885, № 101, էջ 3:

МОСТ КОТРАЦ (СЛОМАННЫЙ)

Находится к юго-западу от села Мегвадзор района Кашатах Республики Арцах (НКР), на реке Акари (Агари): “Ныне Сыных-Керпи полностью разрушен, сохранилась только одна стена (без каких-либо надписей) и, как видно, это был огромный мост, весьма крепкий и красивый, но что поделаешь, если ему не удалось противостоять волнам Хагарии... сооружен из черноватого гладко тесаного камня”¹. Следует заметить, что спустя сто лет, сохранялся лишь правый крайний пролет (длина – 7,77 м; ширина – 3,25 м), который ныне (2009 г.) также разрушен. Композиционные и строительные особенности моста характерны для 12-13 веков. Географические координаты: N 39°34'02.04", E 46°34'08.46".

¹ Тер-Гаспарянц А., Путешествие в Кафан, “Меху Айастани”, 1885, № 101, с. 3 (на арм. яз.).

KOTRATZ (BROKEN) BRIDGE

The bridge used to stretch over the river Hakari, south-west of Meghvadzor Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK): “Senegh Kyopri [Kotratz Bridge], which is totally reduced to ruins now, has only a single standing wall without any inscription. Apparently, once it represented an immense bridge built quite strongly and beautifully, but alas, it proved unable to resist the fierce current of the Hagari... it is constructed of finely-finished black stone.”¹ Exactly a century later, in 1985, the only vestige of this multi-span bridge was its right-end span (length: 7.77 metres; width: 3.25 metres), which is now (2009) destroyed. The composition and building peculiarities of the bridge are typical of the 12th to 13th centuries.

Geographical coordinates: N 39°34'02.04", E 46°34'08.46".

¹ Ter-Gaspariants, A. Travel to Ghapan. In: *Meghu Hayastani*, 1885, No. 101, p. 3 (the original in Armenian).





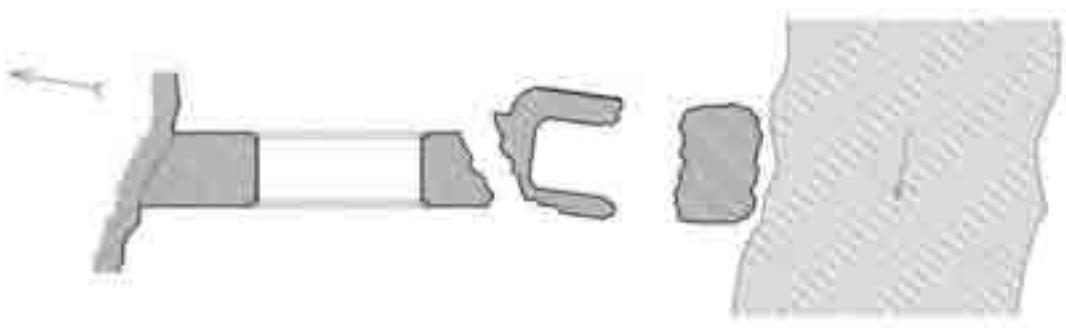
26



27



28



5

ԱՆԱՌՈՒՆ ԿԱՍՈՒՐՁ

Անհայտ կամրջի կառուցման մասին է պատմում Արցախի Հանրապետության՝ 1992 թ. Աղբբեզանին բռնակցված և հայաբակ Շահումյանի շրջանի Մանաշիդ գյուղի՝ 1892 թ. վերակառուցված Եկեղեցու խորանում ազուցված քառատող արձանագրությանը խաչքարը.

Խաչքար. (165 x 110 սմ). ազուցված Եկեղեցու խորանին, ստորին մասում՝ 4 տող.

Ի ԶԼ (1259). յանուան Ա(ստուծոյ) ես Սարգիս[ս] / ... Արեւշատի թոռնու է շինեցիլի / ... կարմուճ... ա գետկցին անելի/... այրու ու անորդին է կանգնեցի:

Հրատ. առաջին անգամ:

| 5

БЕЗЫМЯННЫЙ МОСТ

О строительстве моста повествует хачкар (крест-камень) с четырехстрочной надписью (см. текст надписи в армянском варианте), встроенный в стену алтарной апсиды восстановленной в 1892 году церкви села Манашид (армянское население в 1992 году было насильственно изгнано) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР).

Хачкар (165 x 110): встроен в алтарной апсиде, ее нижней части – 4 строки:

Пер. *В году 1259 во имя Господа я Саргис... внук... Аревшата построил мост... на реке... я муж и бездетный установил.*

Изд. впервые.

| 5

NAMELESS BRIDGE

A cross-stone, set in the apse of a church (rebuilt from its very foundations in 1892) located in Manashid Village, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK), bears an inscription commemorating the construction of a bridge in 1259.

Four lines in the Armenian original (see it in the Armenian text) carved on the lower part of the cross-stone (165 x 110 centimetres):

Transl.: In the year 708 (1259), in the name of God, I, Sargis, ...Arevshat's grandson, built... a bridge...

Published for the first time.





ՉԱՓՆԻԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քարվաճառի շրջանի պատմական հուշարձաններով (գյուղատեղի, եկեղեցի, մահարձան-զանգակատուն, խաչքարերով գերեզմանոց) հարուստ Զափնի գյուղի հարավարևելյան եզրին՝ Լև գետի վրա:

Ըստ ամենայնի՝ միաբնիչք հորինվածք ունեցող կամրջից պահպանվել է սոսկ աջակողմյան խելք, որը հոսքընդդեմ ճակատում հզորացված է կիսաշրջան աշտարակով: Կառուցված է անմշակ և կոփածո քարով (վերջինս միայն թաղակիր կամարի հատվածում): Անցուղու լայնությունը 4,10 մ է:

Հորինվածքային և կառուցողական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺՌ-ԺԳ դարերին: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 40°13'41.46", E 46°09'57.25":

МОСТ ЧАПНИ

Находится на юго-восточной окраине богатого историческими памятниками (селище, церковь, надгробие-колокольня, кладбище с хачкарами) села Чапни района Карвачар Республики Арцах (НКР), на реке Лев.

По существу, от однопролетного моста сохранилась лишь правосторонняя опора, которая с потокопротивного фасада укреплена полукруглой башней. Сооружен из необработанного и тесаного (последний – лишь на несущей свод арке) камня. Ширина проезжей части – 4,10 м.

Композиционные и строительные особенности характерны для 12-13 веков. Географические координаты: N 40°13'41.46", E 46°09'57.25".

BRIDGE OF CHAPNI

The bridge (passage width: 4.10 metres) lies over the river Lev, at the south-eastern edge of Chapni Village (Karvajar District, Republic of Artsakh (RMK)), which is distinguished for an abundance of historical monuments—a village site, a church, a belfry also housing a funerary memorial, as well as a cemetery of cross-stones.

At present the right-bank pier—fortified with a semi-cylindrical tower in the current-resisting facade (i.e. the facade looking up-stream)—is the only vestige of this bridge, which probably used to represent a single-span structure of undressed and hewn stone (the latter only in the part of the vault-bearing arch).

- The composition and building peculiarities of the bridge of Chapni trace it back to the period between the 12th and 13th centuries. Geographical coordinates: N 40°13'41.46," E 46°09'57.25."

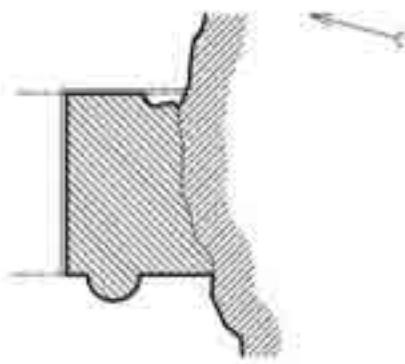
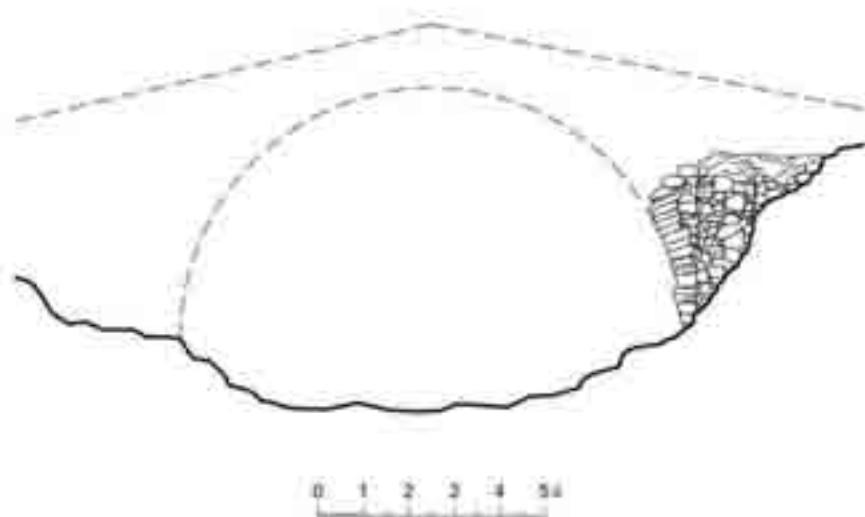




31



32



0 1 2 3 4 5m

6

37

ԶԻԱՍԱՐԻ ԿԱՍՊՈՒՂՋ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Զիասար (Սոնասար) գյուղի հյուսիս՝ Հոչանց գետի վրա: Պահպանվել է միաքոիչք կամրջի միայն ձախափնյա խելք, որը, բացառությամբ քաղաքիր կամարի սրբատաշ քարից կերտված անկյունաքարերի, կառուցված է անմշակ քարով, կրաշաղախով: Կառուցղական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺԲ-ԺԳ դարերին: Նկատելի են ԺԶ-ԺԷ դարերին վերաբերող նորոգությունների հետքեր: Թոփշի երկարությունը 8,40 մ է, լայնությունը՝ 2,80 մ:

МОСТ ДЗИАСАРА

Находится к северу от села Дзиасар (Сонасар) района Кашатах Республики Арцах (НКР), на реке Гочанц. Сохранилась лишь левобережная опора однопролетного моста, который, кроме краеугольных гладко тесаных камней несущей свод арки, возведен из необработанного камня, на известковом растворе. Строительные особенности характерны для 12-13 веков. Заметны следы ремонта, относящиеся к 16-17 векам. Длина пролета – 8,40 м; ширина – 2,80 м.

BRIDGE OF DZIASAR

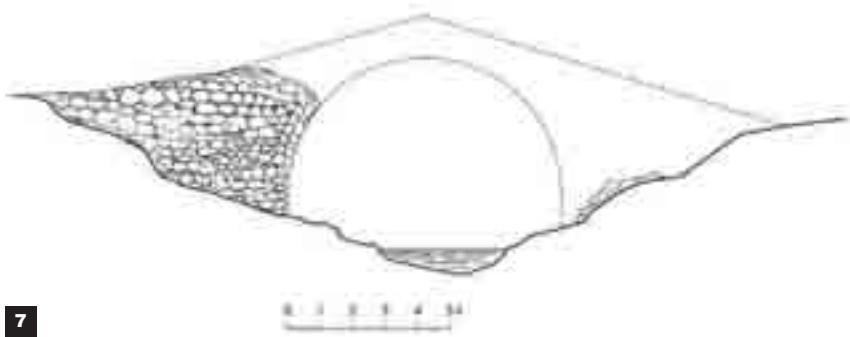
This single-span bridge extends across the river Hochants, north of Dziasar (Sonasar) Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK). Its only vestige is its left-bank pier built of undressed stone and mortar. The cornerstones of the vault-bearing arch of the bridge are finely-finished. Its building features trace it back to the 12th to 13th centuries. It also bears the traces of some repairs carried out between the 16th and 17th centuries.

Span length: 8.40 metres; passage width: 2.80 metres.





34



7



39

ՀԻՆ ԳԱՆԶԱԿԻ ՄԻՋԻՆ ԿԱՍՏԻՐՁ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի Գանձակ քաղաքի հյուվասային կողմում՝ Հին Գանձակ քաղաքա-տեղի տարածքում՝ համանուն գետի վրա՝ Վերին Կամրջից 240 մ գետի հոսանքով ցած։ Ուսումնասիրվել է 1939-1940 թթ. Հին Գանձակում իրականացված հնագիտական հետազոտությունների ժամանակ։ Կառուցված է եղել կոփածո քարից։ Աջափնյա խելի մնացորդին կից պահպանվել է նաև կամուրջը պաշտպանող աշտարակը¹։ Կառուցման հավանական ժամանակը՝ ԺԲ-ԺԳ դարեր։

¹ Ջաֆարզադե Ի., Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949, с. 48.

МОСТ ХИН (старый) ГАНДЗАКА МИДЖИН (средний)

Находится в северной стороне города Гандзак Северного Арцаха, на территории городища Хин Гандзак, на одноименной реке, в 240 метрах вниз по течению от Верхнего моста. Мост был изучен в 1939-1940 годах во время археологических исследований городища Хин Гандзак. Был сооружен из грубо обработанного камня. При развалине правобережной опоры сохранилась также защищающая мост башня¹. Вероятное время строительства — 12-13 века.

¹ Ջաֆարզаде И., Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949, с. 48.

MIDDLE BRIDGE OF HIN GANDZAK

The Middle Bridge of Hin Gandzak is situated over the river Gandzak—240 metres down-stream from the Upper Bridge of the same town site—in the north of Gandzak Town, Northern Artsakh, a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. It was investigated during the archaeological studies of Hin Gandzak between 1939 and 1940. Most presumably, a structure of the 12th to 13th centuries, it was originally constructed of hewn stone. Close to the remains of the right-bank pier of the bridge can be seen the tower erected for its defence.¹

¹ Jafarzade, I. Historical and Archaeological Studies of Hin Gyanja. Baku, 1949, p. 48 (the original in Russian).

ՀԻՆ ԳԱՆԶԱԿԻ ՆԵՐՁԻՆ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի Գանձակ քաղաքի հյուսիսային կողմում՝ Հին Գանձակ քաղաքատեղի տարածքում՝ համանուն գետի վրա՝ Միջին կամրջից 400 մ գետի հոսանքով ցած։ Ուսումնասիրվել է 1939-1940 թթ. Հին Գանձակում իրականացված հնագիտական հետազոտությունների ժամանակ։ Կառուցված է գետաքարից և բրծված աղյուսից։ Ունի 6,70 մ լայնություն¹։ Կառուցման հավանական ժամանակը՝ ԺԲ-ԺԳ դարեր։

¹ Ջաֆարզադե Ի., Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949, с. 48.

МОСТ ХИН (старый) ГАНДЗАКА НЕРКИН(нижний)

Находится в северной стороне города Гандзак Северного Арцаха, на территории городища Хин Гандзак, на одноименной реке, в 400 метрах вниз по течению от Среднего моста. Был исследован в 1939-1940 годах во время проведенных в Хин Гандзаке археологических работ. Сооружен из речного булыжника и обожженного кирпича. Ширина – 6,70 м¹. Вероятное время строительства – 12-13 века.

¹ Ջաֆարզаде Ի., Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949, с. 48.

LOWER BRIDGE OF HIN GANDZAK

The Lower Bridge of Hin Gandzak lies over the river Gandzak—400 metres down-stream from the Middle Bridge of the same town site—in the north of Gandzak Town, Northern Artsakh, a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. It was studied during archaeological research carried out in the territory of Hin Gandzak from 1939 until 1940. The bridge, which probably goes back to the period between the 12th and 13th centuries, represents a structure of pebble and burnt brick with a width of 6.70 metres.¹

¹ Jafarzade, I. Historical and Archaeological Studies of Hin Gyanja. Baku, 1949, p. 48 (the original in Russian).

Ի-ԻԲ

ԳԵՏԱՎԱՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁՆԵՐ

Միմյանցից 3-4 մ հեռավորությամբ երեք կամրջախելեր են պահպանվել Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Գետավան գյուղում՝ Տրոո (Թարթառ) գետի աջ ափին, ծովի մակերևույթից 795 մ բարձրության վրա: Ըստ ամենայնի՝ Ժ-ԺԳ դարերում տեղում յուրաքանչյուր հնի ավերումից հետո հաջորդաբար կառուցված բոլոր երեք կամուրջներն ել ունեցել են միարժիշտ հորինվածք: Գետի հանդիպակաց՝ ձախափնյա կամրջախելերից ոչ մեկն իսկ չի կարողացել դիմակայել ջրի դարավոր ներգործությանը և խսպան անհետացել է: Բոլոր երեք կամուրջներն ել կառուցված են եղել անմշակ քարով, կրաշաղախով: Բոլորից լավ է պահպանվել ստորին կամրջի խելը՝ 5,46 մ, ապա միջին կամրջախելը՝ 4,40 մ անցուղու լայնությամբ:

20-22

МОСТЫ ГЕТАВАНА

В селе Гетаван Мартакертского района Республики Арцах (НКР), на правом берегу реки Трту (Тартар) на расстоянии 3-4 метров друг от друга сохранились три опоры трех мостов на высоте 795 м над уровнем моря. По всей вероятности, в 10-13 веках после разрушения каждого из старых мостов строился очередной новый. Все они имели однопролетную композицию. Ни одна из левобережных опор не оказалась в состоянии противостоять натиску воды и они полностью исчезли. Все три моста были сооружены из необработанного камня, на известковом растворе. Лучше всех сохранилась опора нижнего моста (ширина проезжей части – 5,46 м), затем среднего моста (ширина проезжей части – 4,40 м).

20-22

BRIDGES OF GETAVAN

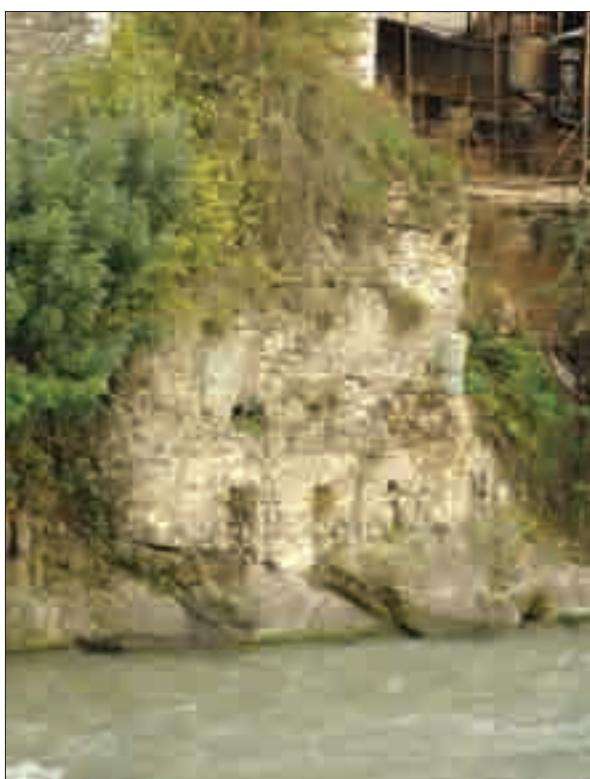
Three piers, separated from each other by a distance of 3 to 4 metres, are preserved on the right bank of the river Trtu (Tartar), in Getavan Village, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 795 metres above sea level. Most presumably, the bridges were erected during the 10th to 13th centuries—each after the destruction of an older one in the site—and used to be single-span in composition. On the opposite, i.e. left, bank of the river, none of the bridges had a pier powerful enough to withstand the current for centuries so that no remains are found on this side of the river. All the three bridges were built of undressed stone with mortar. Comparatively better preserved is the pier of the lower bridge (passage width: 5.46 metres); then comes the one of the middle bridge with a passage width of 4.40 metres.



35



36



37



38

ԽԱԹՐԱՎԱՆՔԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Գետավան գյուղից 6 կմ արևմուտք՝ Խարբավանքից հյուսիս՝ Տրտու (Թարթառ) գետի վրա:

Համաձայն կամքի կառուցման առքիվ կանգնեցված խաչքարի հիշատակագրության՝ շինարարությունն ավարտվել է 1301 թ.:

Հայտնի չեմ, թե քանի դար է կամուրջը կանգուն մնացել, սակայն քանդված պետք է լինի ժմժ դարից առաջ: Համենայն դեպքում, դրա գոյության մասին վկայող առաջին հեղինակը, ըստ Էռիքյան, 1838 թ. տեսել է ոչ թե կամուրջը, այլ այն խաչքարը, որն ավանդում էր կամքի գոյությունը. «Վանքի տակի գետամիջի խաչի գիրն է»¹: Տեղադրության բառացի կրկնությունն ու վիմագրի նույնական վերահրատարակությունը հեղինակել է նաև Ս. Զալալյանցը²:

Կամաւ Ա(սոուծոյ) ես Ասփայ դրուսոր մեծ իշխանին Տարսային համախառության իշխանին Գրիգորի, որդույն մեծ իշխանին Հասանայ քաջի տեսոն Աղուանից կապեցի զիսաչ, շինեցի զկամուրջս յիշատակ հոգուց մերոց անցելոց ներկայից եւ ապագայից:

Հայոց Ստորագրություն Կարուղիկէ Էջմիածնի և իինգ գաւառացն Արարատայ, աշխատափրութեամբ Յովիաննու եպիսկոպոսի Շահիսարութեանց Շահիսարություն միաբանի սրբոյ Էջմիածնի, հ. Բ, էջ 363: Զալալյանց Ս., Ծանապարհորդութիւն ի Մեծն Հայաստան, մասն Ա, էջ 206: Քարխուտարեանց Ս., Արցախ, էջ 196: Դիվան հայ վիմագրության, պր. V, Երևան, 1982, էջ 128:

Սույն արձանագրության հետագայի վերահրատարակիչների տվյալները ցույց են տալիս, որ նրանք էլ ոչ միայն կամուրջը չեն տեսել, այլ մինչև իսկ այդ կամքի կառուցման մասին վկայող վերոնշյալ արձանագրությամբ խաչքարը³:

¹ Ստորագրություն Կարուղիկէ Էջմիածնի և իինգ գաւառացն Արարատայ, աշխատափրութեամբ Յովիաննու եպիսկոպոսի Շահիսարութեանց Շահիսարություն միաբանի սրբոյ Էջմիածնի, հ. Բ, Ս. Էջմիածնին, 1842, էջ 363:

² Զալալյանց Ս., Ծանապարհորդութիւն ի Մեծն Հայաստան, մասն Ա, Տփլիս, 1842, էջ 206:

³ Քարխուտարեանց Ս., Արցախ, Բագու, 1895, էջ 196: Տե՛ս նաև Դիվան հայ վիմագրության, պր. V, էջ 128: Շահինյան Ա., Հայաստանի միջնադարյան կորողային հուշարձանները, Երևան, 1984, էջ 53:

МОСТ ХАТРАВАНКА

Находился в 6 км к западу от села Гетаван Мартакертского района Республики Арцах (НКР), севернее монастыря Хатраванк, на берегу реки Трты (Тартар).

Согласно памятной надписи на хачкаре (см. текст надписи в армянском варианте), установленном в честь сооружения моста, строительство было завершено в 1301 году.

Неизвестно, сколько веков мост оставался невредимым, однако, он должно быть разрушился до 19-го века. Во всяком случае, свидетельствующий о нем первый автор, по сути, видел в 1838 году не мост, а лишь тот хачкар, который повествовал о его существовании: “Сия надпись на хачкаре, что у реки, который под монастырем”¹. Буквально повторение местоположения и идентичное переиздание надписи было сделано также С. Джалалянцем²:

Пер. Волею Господа я, Аспай,— дочь великого князя Тарсаича и Минахатун и супруга могущественного князя Григора — сына великого князя Асана, повелителя Агуанка, установила крест сей, построила мост сей в память о душах наших прошлых, нынешних и будущих.

Изд. Շահհատունյան Օվ., Описание Кафедрального Собора Эчмиадзин и пяти Арагатских провинций, т. 2, с. 363. Ջալալյան Ս., Путешествие по Великой Армении, ч. 1, с. 206. Բարխուտարյան Մ., Арцах, с. 196. “Свод армянской эпиграфики”, ч. V, Ереван, 1982, с. 128 (на арм. языке).

Данные последующих переиздателей этой надписи показывают, что они не видели не только моста, но и этого хачкара с надписью, повествующей о строительстве³.

¹ Շահհատունյան Օվ., Описание Кафедрального Собора Эчмиадзин и пяти Арагатских провинций, т. 2, Эчмиадзин, 1842, с. 363 (на арм. яз.).

² Ջալալյան Ս., Путешествие по Великой Армении, ч. 1, Тифлис, 1842, с. 206 (на арм. яз.).

³ Բարխուտարյան Մ., Арцах, Баку, 1895, с. 196 (на арм. яз.). См. также “Свод армянской эпиграфики”, ч. V, Ереван, 1982, с. 128 (на арм. языке). Շագինյան Ա., Мемориальные памятники средневековой Армении, Ереван, 1984, с. 53. (на арм. яз.).

23

BRIDGE OF KHATRAVANK

The bridge of Khatravank used to extend over the river Trtu (Tartar), north of Khatravank Monastery, 6 kilometres west of Getavan Village, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK).

According to an inscription carved on a cross-stone erected on the occasion of the construction of the bridge, it was completed in 1301.

It remains unrevealed how many centuries the bridge of Khatravank was preserved standing, but it must have been ruined prior to the 19th century. The first researcher to mention the monument actually saw not the bridge—in 1838—but the cross-stone attesting to its existence: “It is the inscription of the cross in the gorge down the monastery.”¹ This inscription (see it in the Armenian text) was also published by S. Jalaliants, who offers exactly the same decipherment with a word-for-word repetition of the location of the aforementioned cross-stone.²

Transl.: By the Lord's will, I, Aspa, the daughter of Great Prince Tarsayij and Minakhatun and the spouse of powerful prince Grigor; the son of valorous prince Hasan, Lord of Aghvank [Caucasian Albania], erected this cross [and] built this bridge in memory of the souls of our present-day and future family members.

The Armenian original published in: A Study of the Domed Cathedral of Echmiatzin and Five Districts of Ararat by **Bishop Hovhan Shahkhatuniants of Shahriar from the Monastic Community of Holy Echmiatzin**, vol. 2, Echmiatzin, 1842, p. 363; **Jalaliants, S.** Travel to Great Armenia, part 1, Tpghis, 1842, p. 206; **Barkhutarians, M.** Artsakh. Baku, 1895, p. 196; Corpus Inscriptionum Armenicarum, part 5, Yerevan, 1982, p. 128 (the originals in Armenian).

Judging from what is reported by the authors of the subsequent republications of this inscription, they did not see the bridge of Khatravank; nor even the cross-stone with the inscription commemorating its construction.³

1 A Study of the Domed Cathedral of Echmiatzin and Five Districts of Ararat by **Bishop Hovhan Shahkhatuniants of Shahriar from the Monastic Community of Holy Echmiatzin**, vol. 2, Echmiatzin, 1842, p. 363 (the original in Armenian).

2 **Jalaliants, S.** Travel to Great Armenia, part 1, Tpghis, 1842, p. 206 (the original in Armenian).

3 **Barkhutarians, M.** Artsakh. Baku, 1895, p. 196; Corpus Inscriptionum Armenicarum, part 5, Yerevan, 1982, p. 128; **Shahinian, A.** The Medieval Memorial Monuments of Armenia. Yerevan, 1984, p. 53 (the original in Armenian).

24

ԼԵՎԻ ԿԱՍՊՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քարվաճարի շրջանի Եղեգնուտ գյուղից 4 կմ հարավ՝ Լև գետի վրա: Պահպանվել են միարդիչք հորինվածքով կամքջի սոսկ աջափնյա խելի շնչին մնացորդները՝ իրականացված անմշակ քարով և կրաշաղախով: Ժամանակը՝ ԺԿ-ԺԴ դարեր:

МОСТ ЛЕВА

Находится в 4 км южнее села Ехегнут района Карвачар Республики Арцах (НКР), на реке Лев. Сохранились лишь незначительные остатки правобережной опоры однопролетного моста. Был сооружен из необработанного камня, на известковом растворе. Время постройки — 13-14 века.

24

BRIDGE OF LEV

This is a single-span bridge (13th to 14th centuries) extending over the river Lev, 4 kilometres south of Yeghegnut Village, Karvajar District, Republic of Artsakh (RMK). Its vestiges comprise the meagre remnants of its right-bank pier built of undressed stone and mortar.



ԻՒ

ԽՈՂԱՄԻՍԱԿԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Խողամիսար գյուղում՝ Քաշունի գետի վրա: Գետի երկու ափերին պահպանվել են միաքոիչը հորինվածքով կամրջի զույգ խելերի մնացորդները՝ իրականացված անմշակ քարով և կրաշաղախով: Ժամանակը՝ ԺԳ-ԺԴ դարեր:

25

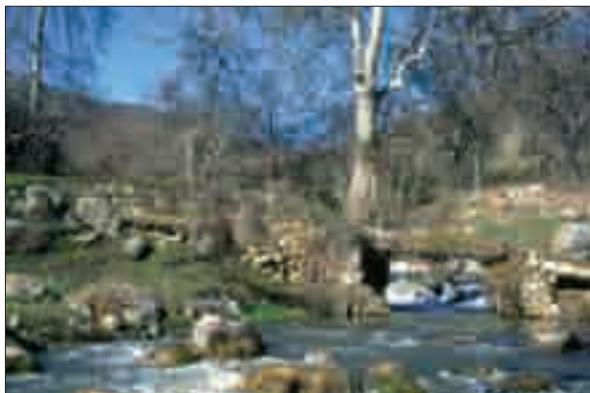
МОСТ ХОДЖАМИСАКА

Находится на территории села Ходжамисак района Кашатах Республики Арцах (НКР), на реке Кашуни. На обоих берегах сохранились остатки опор однопролетного моста, который был построен из необработанного камня, на известковом растворе. Время постройки – 13-14 века.

25

BRIDGE OF KHOJAMISAK

This single-span bridge extends over the river Kashuny in Khojamisak Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK). The remnants of its piers, built of undressed stone and mortar, are preserved on both banks of the river. The bridge of Khojamisak traces back to the period between the 13th and 14th centuries.



40



41

ԻՇ

ԴԱԴԻՎԱՆԿԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քարվաճառի շրջանի Դադիվանք գյուղից 0,5 կմ հարավ-արևելք՝ Տրտու (Թարթառ) գետի վրա: Գետի երկու ափերին պահպանվել են միաքոիչը հորինվածքով կամրջի զույգ խելերի մնացորդները՝ իրականացված անմշակ քարով և կրաշաղախով: Անցուղու լայնությունը 3 մ է: Ժամանակը՝ ԺԳ-ԺԴ դարեր: Կոորդինատներն են՝ N 40°08'53.40", E 46°17'14.07":

26

МОСТ ДАДИВАНКА

Находится в 0,5 км юго-восточнее села Дадиванк района Карвачар Республики Арцах (НКР), на реке Трту (Тартар). На обоих берегах реки сохранились остатки опор однопролетного моста, построенного из необработанного камня, на известковом растворе. Ширина проезжей части – 3 м. Время постройки – 13-14 века. Координаты: N 40°08'53.40", E 46°17'14.07".

26

BRIDGE OF DADIVANK

The bridge (13th to 14th centuries), which is single-span in composition, is situated over the river Trtu (Tartar), 0.5 kilometre south-east of Dadivank Village, Karvajar District, Republic of Artsakh (RMK). The remains of its piers, built of unfinished stone and mortar, are preserved on both banks of the river. Passage width: 3 metres; geographical coordinates: N 40°08'53.40," E 46°17'14.07".

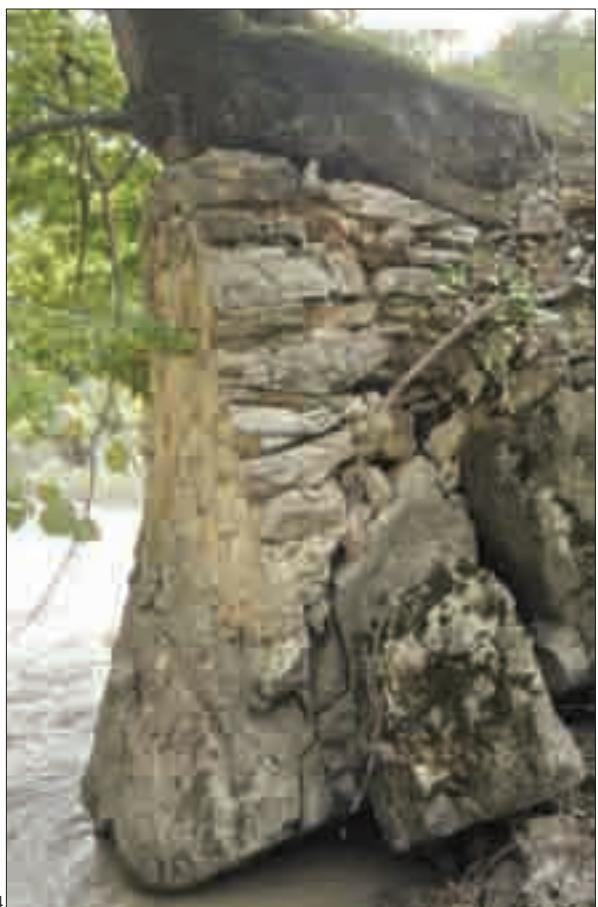
46



42



43



44

ՄԱԶԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Աղբեզանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբափ Բանանց գյուղից 0,5 կմ հարավ-արևմուտք՝ Արդինաջուր գետի վրա: Քանդվել է ժմ՛ դարի վերջերին: Սինչ բանանցեցիների բռնագաղթը (1988 թ.) մեղ կիրճի երկու բարձրադիր ափերին պահպանվում էին անմշակ քարով և կրաշաղախով ամենայն հավանականությամբ ժմ՛-ժմ՛ դարերում կառուցված երեմնի կամրջի խելերը: Ժողչը 10,15 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3 մ:

27

МОСТ МАЗИ

Находился в 0,5 км юго-западнее села Бананц (армянское население было насильственно изгнано в 1988 году), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Артинаджур. Мост разрушился в конце 19-го века. До насильственного изгнания бананцев на обоих высоких берегах узкого ущелья еще сохранились опоры былого моста, построенного, по всей вероятности, в 12-13 веках; был сооружен из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 10,15 м; ширина проезжей части – 3 м.

27

MAZI BRIDGE

Mazi Bridge used to stretch over the river Artinajoor, 0.5 kilometre south-west of Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. Most probably, a monument of the 12th to 13th centuries, it was built of undressed stone and mortar, and survived until its destruction in the late 19th century. Before the deportation of Banants Armenians (1988), its piers could still be seen on the elevated river banks facing a narrow gorge.

Span length: 10.15 metres; passage width: 3 metres.



45



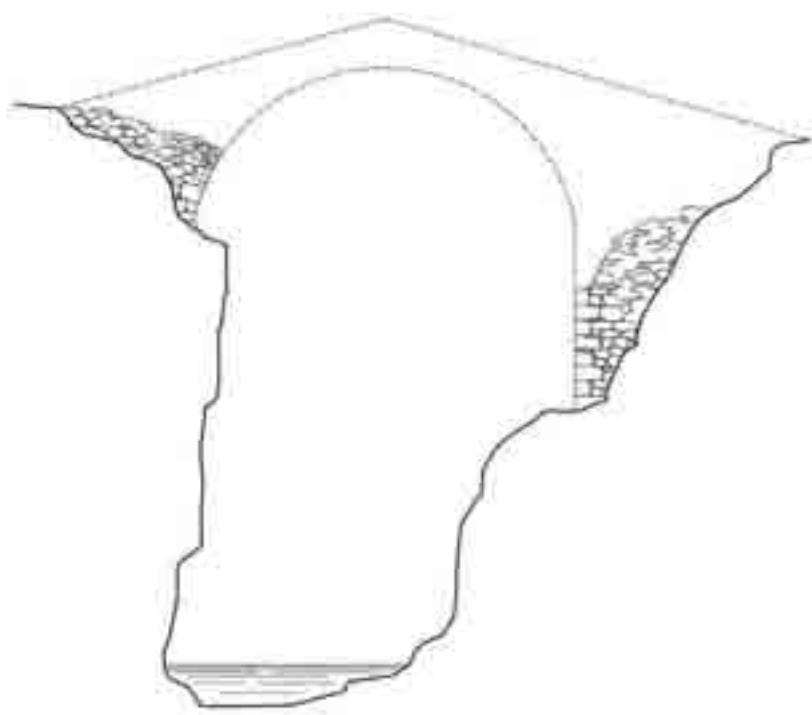
46



47



48



0 1 2 3 4 5
10.6

8



0 1 2 3 4 5
10.6

49

ՅՐՏՆՈՒԹԻՒՆ ԿԱՍՄԻՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քարվաճառի շրջանի Յրտնու գյուղից 2 կմ հյուսիս-արև-մուտք՝ Տրտու (Թարթառ) գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 1645 մ: Կառուցված է անմշակ քարով, կրաշաղախով: Ունի ժամանակակից բնորոշ կառուցվածքային առանձնահատկություններ: Թոփիչը 7,10 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 2,05 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 4 մ:

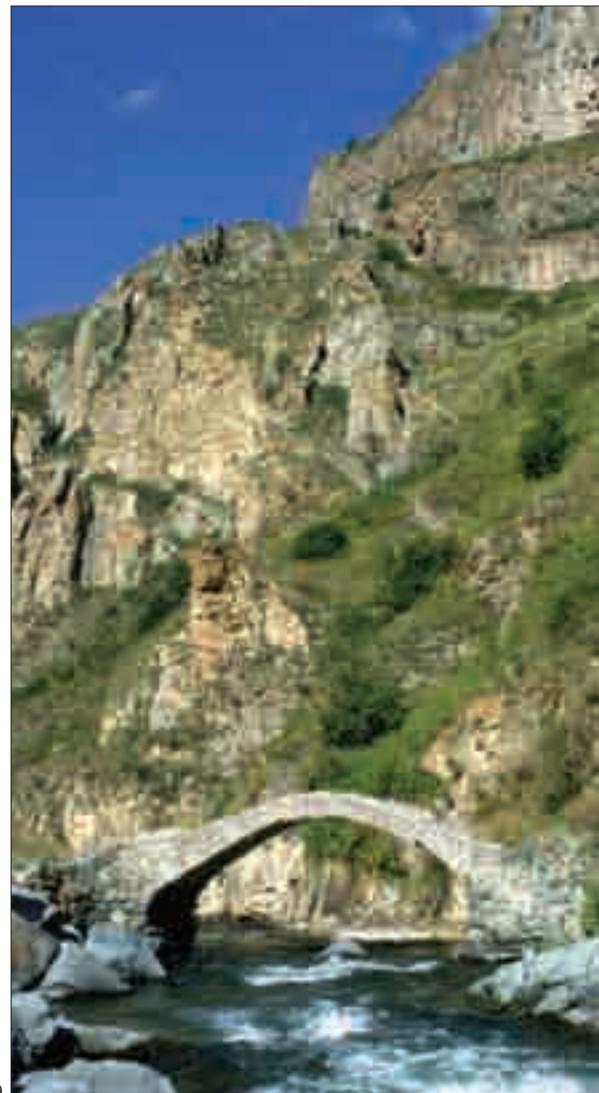
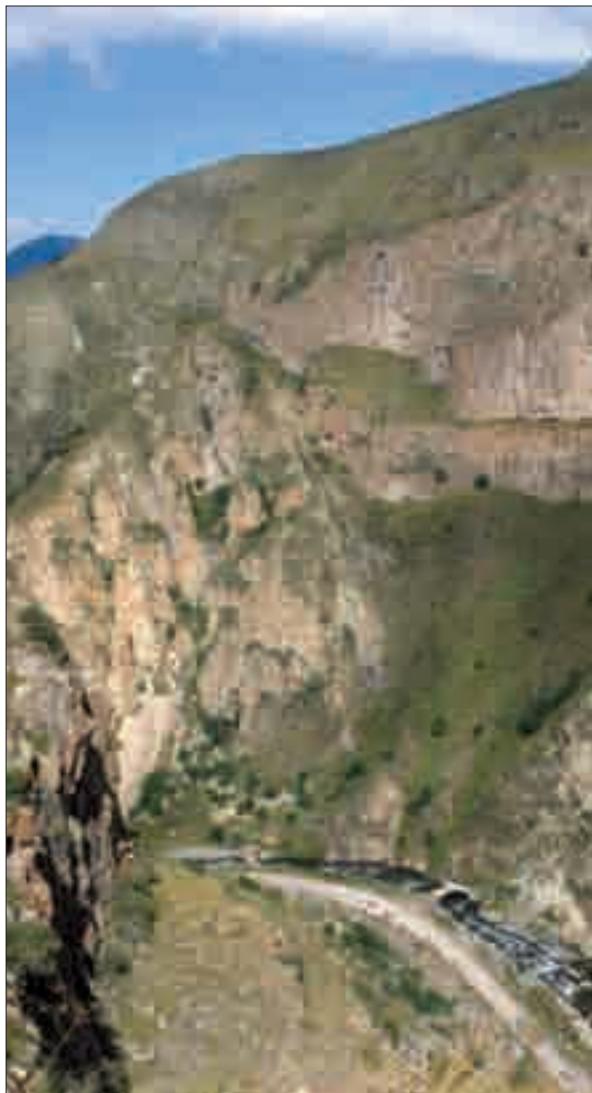
МОСТ ЦРТНОТА

Находится в 2 км северо-западнее села Цртнот района Карвачар Республики Арцах (НКР), на реке Трту (Тартар). Расположен на высоте 1645 м над уровнем моря. Сооружен из необработанного камня, на известковом растворе. Мост обладает строительными особенностями, присущими всем подобным памятникам. Длина пролета – 7,10 м; ширина проезжей части – 2,05 м; высота над уровнем воды – 4 м.

BRIDGE OF TSERTNOT

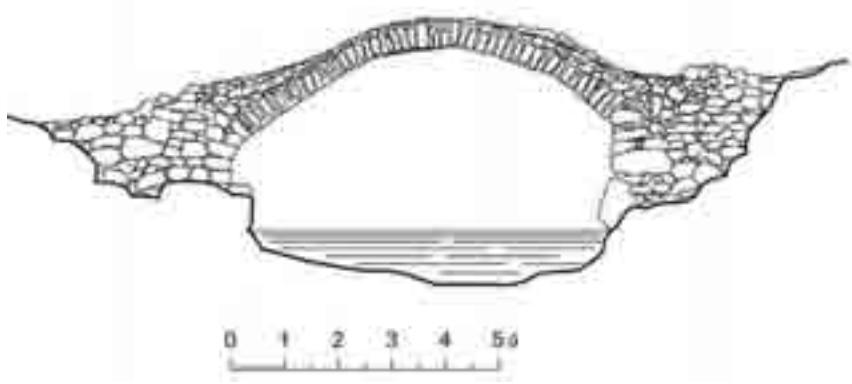
The bridge of Tsertnot extends across the river Trtu (Tartar), 2 kilometres north-west of Tsertnot Village, Karvajar District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 1,645 metres above sea level. Built of undressed stone and mortar, it shares the building peculiarities of similar monuments dating from the 13th century.

Span length: 7.10 metres; passage width: 2.05 metres; height above water level: 4 metres.





51



9



51

10

ԶԱՐՎԱՆԵՍԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուրի շրջանի Տումի գյուղից 2,8 կմ հյուսիս-արևելք՝ Տումի գետի վրա: Հորինվածքային և կառուցողական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺԳ դարին (հավանաբար տարեկից է ոչ հեռու գտնվող Գտիշ վանքի կարողիկե եկեղեցու): Թոփշքի երկարությունը 5,30 մ է, լայնությունը՝ 3,01 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 6 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°36'11.98", E 46°55'18.38":

29

МОСТ ДЖАРВАНЕСА

Находится в 2,8 км северо-восточнее села Туми Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Туми. Композиционные и строительные особенности моста характерны для 13-го века (вероятно, это ровесник церкви 1246 года монастыря Гтич, расположенного неподалеку). Длина пролета – 5,30 м; ширина проезжей части – 3,01 м; высота над уровнем воды – 6 м. Координаты: N 39°36'11.98", E 46°55'18.38".

29

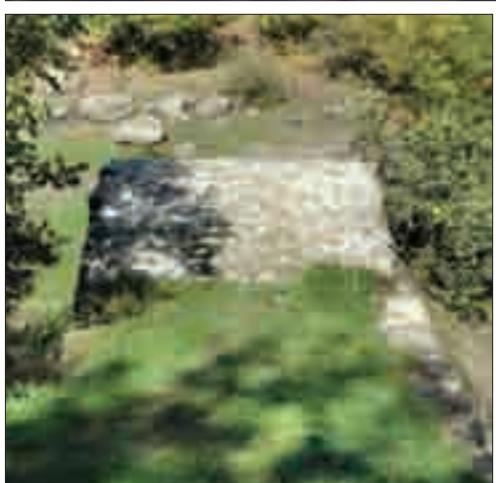
BRIDGE OF JARVANES

The bridge of Jarvanes lies over the river Tumi, 2.8 kilometres north-east of Tumi Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK). Its composition and building peculiarities are typical of the 13th century—probably, it dates back to the same year (1246) as the main domed church of Gtich Monastery located nearby.

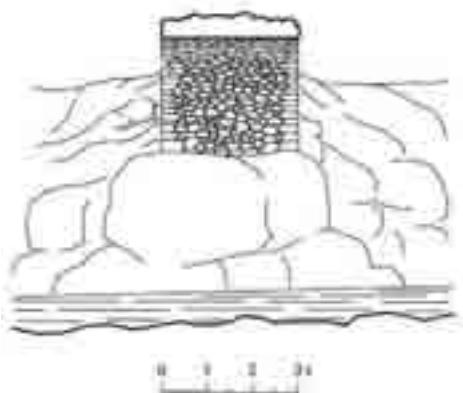
Span length: 5.30 metres; passage width: 3.01 metres; height above water level: 6 metres; geographical coordinates: N 39°36'11.98," E 46°55'18.38."



52



55



53

ԾՐՎԱԿԱՆԻ ԿԱՍՊԻՇ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Շրվական գյուղից հյուսիս՝ Հոչան գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 1405 մ: Հորինվածքային և կառուցողական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺԳ-ԺԴ դարերին: Թոփջը 12,40 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,70 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 7 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°46'49.52", E 46°17'32.19".

30

МОСТ ШРВАКАНА

Находится севернее села Шрвакан района Кашатах Республики Арцах, на реке Гочанц. Расположен на высоте 1405 м над уровнем моря. Композиционные и строительные особенности моста характерны для 13-14 веков. Длина пролета – 12,40 м; ширина проезжей части – 3,70 м; высота над уровнем воды – 7 м. Географические координаты: N 39°46'49.52", E 46°17'32.19".

30

BRIDGE OF SHERVAKAN

The bridge is situated over the river Hochants, north of Shervakan Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 1,405 metres above sea level. Its composition and building peculiarities are typical of the 13th to 14th centuries.

Span length: 12.40 metres; passage width: 3.70 metres; height above water level: 7 metres; geographical coordinates: N 39°46'49.52," E 46°17'32.19."

56

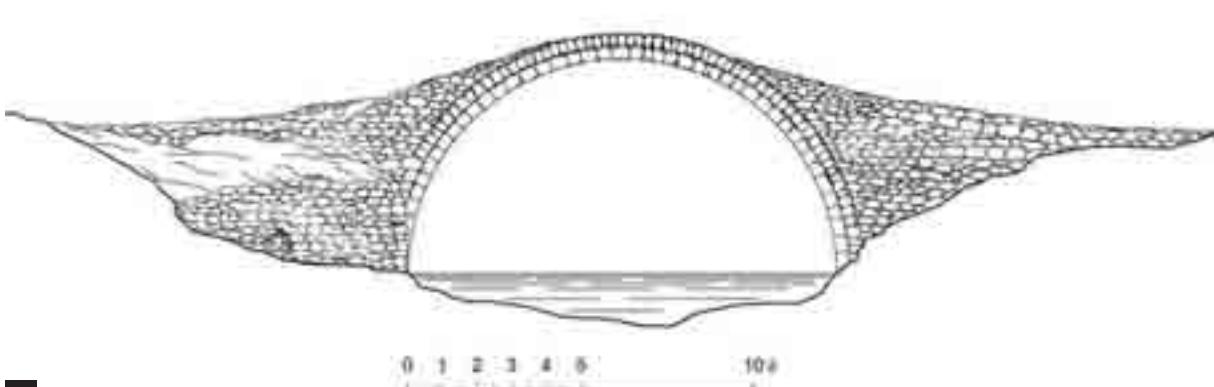




57



58



11

55



ՏԱՀԻՍԻ ԿԱՍΠԻՉ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հալբուրի շրջանի Մեծ Թաղը և Տող գյուղերի միջնամասում՝ Իշխանագետի վրա: Հորինվածքային և կառուցողական առանձնահատկությունների և համանման այլ հուշարձանների հետ համեմատական ուսումնասիրությունը թույլ է տալիս կամուրջը թվագրել ԺԵ-ԺԶ դարերով: Միարոշը է, կառուցված անմշակ քարով, կրաշաղախով: Թոփչքի երկարությունը 6,95 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,30 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 4,80 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°36'23.86", E 46°57'09.17":



МОСТ ТАГИСА

Находится между селами Мец Тахк и Тох Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Ишханагет. Сравнительное исследование композиционных и строительных особенностей с другими аналогичными памятниками позволяет датировать мост 15-16 веками. Он однопролетный, сооружен из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 6,95 м; ширина проезжей части – 3,30 м; высота над уровнем воды – 4,80 м. Географические координаты: N 39°36'23.86", E 46°57'09.17".



BRIDGE OF TAHIS

This bridge stretches over the river Ishkhanaget, in the area between Metz Taghk and Togh Villages in Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK).

A comparative study of the composition and building features of this single-span structure of undressed stone and mortar allows us to trace it back to the 15th to 16th centuries.

Span length: 6.95 metres; passage width: 3.30 metres; height above water level: 4.80 metres; geographical coordinates: N 39°36'23.86," E 46°57'09.17".



59



60



61



62



0 1 2 3 4 5 6



0 1 2 3 4

12

57

ՀԱՆՉՈՒՏԻ (ՉԱՆԱԽՇԻ) ԿԱՄՈՒՐՋ

Գտնվում է Աղբքեջանին բոնակցված Հյուսիսային Արցախի Տանձուտ կամ Չանախչի գյուղատեղիի (այժմ՝ Գետաբեկի շրջան) տարածքում՝ Շամրոր գետի վրա՝ Աստաֆ գյուղից 2,5 կմ հարավ-արևմուտք, ծովի մակերևույթից 1248 մ բարձրության վրա: Կառուցվել է ԺԵ-ԺԶ դարերում: Միաթիշք է, կառուցված անմշակ քարերով, կրաշաղախով: 1980-ական թվականներին կամուրջը տակավին կանգուն էր:

32 ՄՈՍՏ ՏԱՆԴՅՈՒՏ (ՉԱՆԱԽՅԻ)

Находится на территории села Тандзут или Чанахчи Северного Арцаха, аннексированного Азербайджаном (ныне – район Гетабек), на реке Шамкор, в 2,5 км юго-западнее села Астаф, на высоте 1248 м над уровнем моря. Мост сооружен в 15-16 веках. Однопролетный, построен из необработанного камня, на известковом растворе. В 1980 годы мост был еще в сохранности.

32 BRIDGE OF TANDZUT (CHANAKHCHI)

The bridge (15th to 16th centuries) extends over the river Shamkor, 2.5 kilometres south-west of Astaf Village, in the territory of Tandzut (Chanakhchi) Village Site (in present-day Getabek District), at an altitude of 1,248 metres above sea level. A single-span structure of undressed stone and mortar, it was still preserved standing as of the 1980s.

ՀԱՅԿԱԶՆ (ԵՐԻ ԻԳՅԱԿՈՒՑ) ԿԱՄՈՒՐՋ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հադրութի շրջանի Տումի գյուղից 2,2 կմ հյուսիս-արևմուտք՝ Իգյակ գետի վրա: Բնորոշ է ԺԵ-ԺԶ դարերում կառուցված համանման կառույցներին: Նյութն անմշակ քար և կրաշաղախ է: Թորիչքի երկարությունը 4,43 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 2,56 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 4,55 մ:

33 ՄՈՍՏ ԱЙԿԱՅՆ (ԵՐԻ ԻԳՅԱԿՈՒՑ)

Находится в 2,2 км северо-западнее села Туми Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Игяк. Мост характерен для подобных сооружений 15-16 веков. Стойматер-риал – необработанный камень и известковый раствор. Длина пролета – 4,43 м; ширина проезжей части – 2,56 м. Высота над уровнем воды – 4,55 м.

33 BRIDGE OF HAYKAZN (YERI IGYAKOOTS)

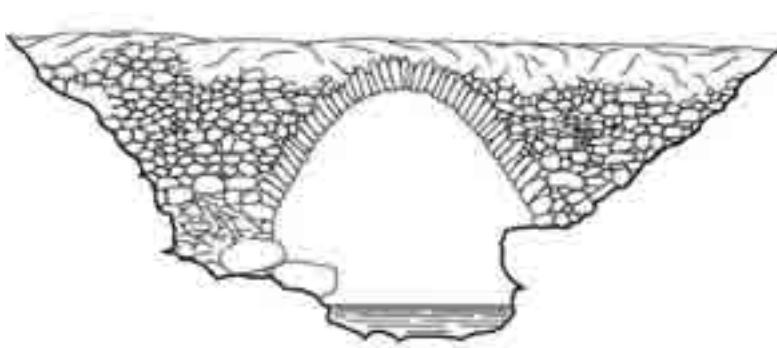
The bridge of Haykazn, which shares the architectural features of similar monuments of the 15th to 16th centuries, is situated across the river Igyak, 2.2 kilometres north-west of Tumi Village, Hadrut District, Republic of Artsakh (RMK). It is built of undressed stone and mortar.

Span length: 4.43 metres; passage width: 2.56 metres; height above water level: 4.55 metres.





64



0 1 2 3 4 5a

13



0 1 2 3a

59

ՊԱՆՎԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Մատաղիս գյուղի արևելյան եզրին՝ Տրոռ (Թարթառ) գետի վրա: Բազմիցս վերաշինված միջնադարյան կամրջի վերջին՝ հավանաբար ժամանակակից մասին ավանդաբար վկայվել է. «...քարաշէն Պառակի-կամուրջը մի պառակի շինած է, որ իրը թէ վերանորոգութեան համար կամրջի մէջ փող էլ է թողած: Այդ փողը հանելու համար՝ զիղացիք բաւականին քանդել և, կիսով չափ, փշացրել են և այդ կամուրջը»¹: Թողիչի երկարությունը 7,64 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,78 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 11,10 մ:

¹ Հայկոնի, Ուղենացական ակնարկներ, «Մելու Հայաստանի», 1885, № 66, էջ 3: Տե՛ս նաև Քաֆֆի, Երկու ամիս Աղուանից եւ Սիւնաց աշխարհներում, «Լումա», 1896, գիրք Բ, յունիս, էջ 216; Լեօ, Իմ հիշատակարանը, ԵԺ, հ. 8, էջ 137; Սկրտչյան Շ., Լեռնային Ղարաբաղի պատմաճարտարապետական հուշարձանները, Երևան, 1985, էջ 70:

МОСТ ПАРАВИ

Находится на восточной окраине села Матахис Мартакертского района Республики Арцах (НКР), на реке Трту (Тартар). Согласно преданию о последней реконструкции (вероятно в 16-17 веках) этого неоднократно перестраивавшегося средневекового моста: "...каменный мост Парави построила одна старуха ("парав" – по арм. "старуха") и, что, будто для ремонтирования она в нем захоронила деньги. Для того, чтобы извлечь оттуда эти деньги, селяне значительно разрушили и наполовину испортили этот мост"¹. Длина пролета – 7,64 м; ширина проезжей части – 4,78 м. Высота над уровнем воды – 11,10 м.

¹ Айкуни, Путевые очерки, “Меху Айастани”, 1885, № 66, с. 3 (на арм. яз.). См. также Раффи, Два месяца в провинциях Агванском и Сюникском, “Лума”, 1896, книга 2, июнь, с. 216; Лео, Мои записки, сборник трудов, т. 8, с. 137; Мкртчян Ш., Историко-архитектурные памятники Нагорного Карабаха, Ереван, 1985, с. 70 (на арм. яз.).

PARAVI (OLD WOMAN'S) BRIDGE

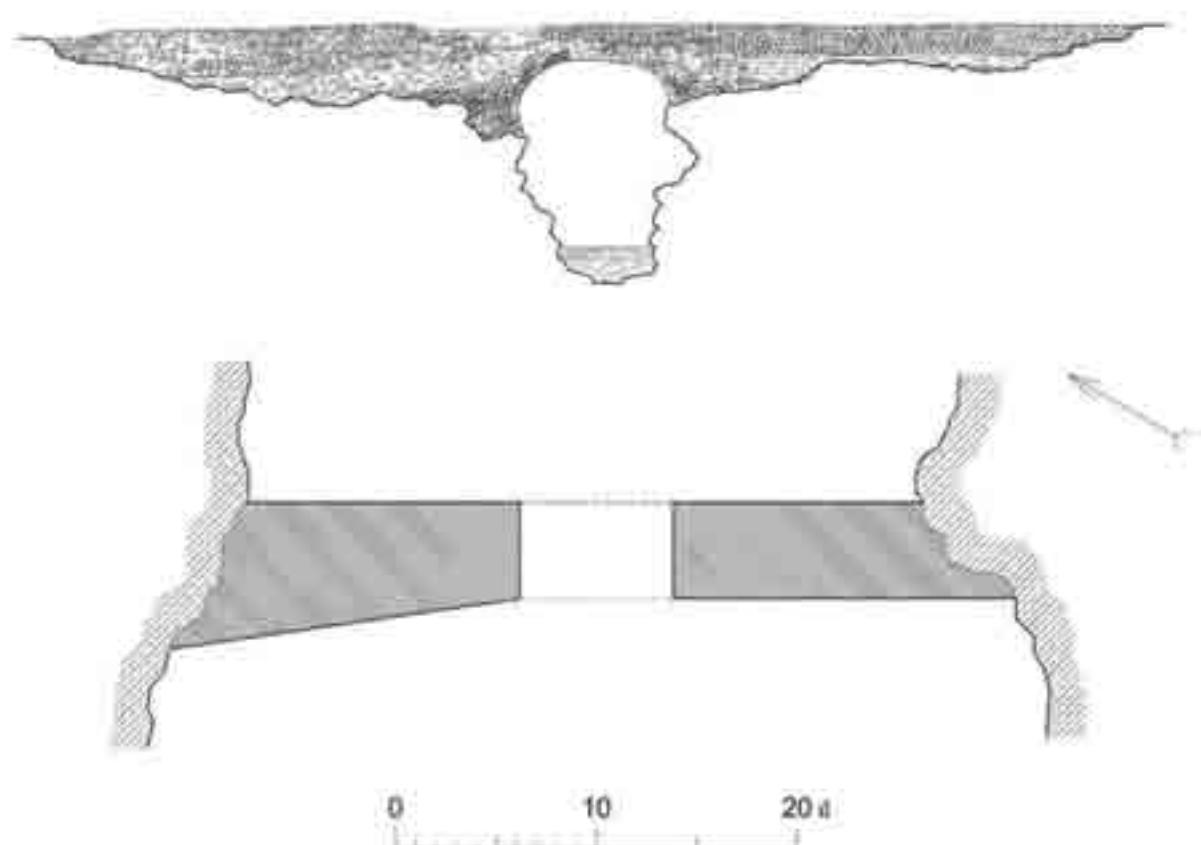
A medieval structure which is known to have repeatedly undergone renovation, this bridge lies over the river Trtu (Tartar), at the eastern extremity of Mataghis Village, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK). Presumably, its last overhaul was carried out between the 16th and 17th centuries: "...the stone-built bridge of Parav is ascribed to an old woman who is said to have left some money for its [future] repairs somewhere inside it. In order to find this money, the villagers have considerably destroyed and half damaged this bridge as well."¹ Span length: 7.64 metres; passage width: 4.78 metres; height above water level: 11.10 metres.

¹ Haykuny, Travelling Notes. In: Meghu Hayastani, 1885, No. 66, p. 3. Also see Raffi. Two Months in the Lands of Caucasian Albania and Siunik. In: Luma, book 2, June 1896, p. 216; Leo. Im Hishatakarany. In: Collected Works, vol. 8, p. 137; Mkrtchian, Sh. The Historical and Architectural Monuments of Nagorno Karabakh. Yerevan, 1985, p. 70 (the originals in Armenian).





66



14

61

Ե

ԳԱՆՁԱԿԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Հյուսիսային Արցախի Գանձակ քաղաքում՝ համանուն գետի վրա: Ժթ դարի կեսին, ականատեսիլ վկայությամբ, երբեմնի բազմաթղթչ կամրջի մնացորդները գետի հունի փոփոխության հետևանքով արդեն հայտնվել էին ցամաքում. «...կամուրջ բազմակնեայ, բայց ջուրն հատեալ ինքնան ոչ ի բացեայ զայլ ուղի, բողեալ է զկամուրջն ի վերայ ցամաքի»¹: Համակ աղյուսաշեն այս կամուրջը, ըստ ամենայնի, ԺԶ-ԺԷ դարերի գործ է:

¹ Զալականց Ս., ճամապարհորդութիւն ի Մեծն Հայաստան, մասն Ա, Տփղիս, 1842, էջ 172:

Ե

МОСТ ГАНДЗАКА

Находился в городе Гандзак Северного Арцаха, на одноименной реке. В середине 19-го века по свидетельству очевидца, остатки многопролетного моста, из-за изменения русла реки, оказались на суше: "...мост многосводчатый, однако вода прорубила и открыла иную стезю, оставив мост на суше"¹. Этот, сооруженный целиком из кирпича мост, по всей вероятности, является строением 16-17 веков.

¹ Джалаянц С., Путешествие по Великой Армении, ч. 1, Тифлис, 1842, с. 172 (на арм. яз.).

Ե

BRIDGE OF GANDZAK

The bridge stretched over the river Gandzak, in Gandzak Town of Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. As reported by a traveller, by the mid-19th century, the remains of this once multi-span bridge had appeared overland due to the deviation of the river channel: "...a multi-span bridge, but the water dried up and did not flow in another bed, leaving the bridge on land."¹ Most presumably, the bridge of Gandzak, that was entirely constructed of brick, dates back to the period between the 16th and 17th centuries.

¹ Jalaliants, S. Travel to Great Armenia, part 1, Tpghis, 1842, p. 172 (the original in Armenian).

Ղ

ԱՆԱՌԻՆ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ 1992 թ.-ից հայրափառ և Ադրբեյջանին բռնակցված Շահումյանի շրջանի Բուզլուխ գյուղից 5 կմ հարավ-արևմտոք՝ Բաշղեշլաղ գյուղի մոտ՝ Սևջոր գետի վրա: Կառուցման մոտավոր ժամանակը՝ ԺԶ-ԺԷ դդ: Ավերակ է:

Ե

БЕЗЫМЯННЫЙ МОСТ

Находится в 5 км юго-западнее села Бузлух (армянское население в 1992 году было насильственно изгнано) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР), близ села Башхшлаг, на реке Севджур. Приблизительное время строительства — 16-17 века. Ныне разрушен.

Ե

NAMELESS BRIDGE

The ruins of this bridge lie over the river Sevjoor, close to Bashgheshlagh Village, 5 kilometres south-west of Buzlukh Village, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK). Most presumably, it was erected between the 16th and 17th centuries.

Ե

ԲՐՈՒՏԱՆՑ ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Աղբքաջանին բոնակցված Շահումյանի շրջանի՝ 1991 թ. մայիսից հայարափ Գետաշեն գյուղից 0,5 կմ արևմուտք: Կառուցման մոտավոր ժամանակը՝ ԺԶ-ԺԷ դարեր:

МОСТ БРУТАНЦ

Находится в 0,5 км западнее села Геташен (армянское население было насильственно изгнано в мае 1991 года) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР). Приблизительное время строительства — 16-17 века.

BROOTANTS (POTTERS') BRIDGE

The bridge is situated 0.5 kilometre west of Getashen Village—stripped of its Armenian population and occupied by Azerbaijan since May 1991—Shahumian District, Republic of Artsakh (RMK). It can approximately be traced back to the 16th to 17th centuries.

ՉԱՆԱՂՉՈՒՋՈՐԻ (ՔՅՈՓՐԻ ԳՅՈԶԻ) ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Աղբքաջանին բոնակցված Հյուսիսային Արցախի Չակամ գավառում՝ ներկայիս Թոուզի շրջանի Աղբաղլար գյուղի մոտ: Կառուցման ստույգ ժամանակն անհայտ է, սակայն առավել հավանական է, որ դա տեղի ունեցած պետք է լիներ մինչև ԺԷ դարը: Քանդվել է ավելի վաղ, քան 1890 թ., քանի որ ականատես Սարգս Քամայյանը նշյալ թվականին տեսել է միայն կամրջի զոյգ խելերը. «Աքսիթ-Բուլարից ներքև զնալով գետի ձախ կողմից Մհարլու ձորն է, ձորաբերանում մի քանի տնվոր, նրանից ցած Չանաղչի ձորն է, աջ ափից, յետո կամուրջի ավերակ, քացի միջին մասից, միւս մասերը կան: Այդ խախտվելով շինելիք ճամրին էլ մնացել է կիսատ: Ուղեկցիս ասելով այժմ այս ձորով անցնելը դժար չէ, նախկին տարիները բոլորովին անհնար է եղել գետի վարար միջոցին անցնելը: Այժմ սայլ քանում է, ավերված կամրջի հանելեալ աջ ափին պահականոց կա, որին Քեռորդի Գեռզ են ասում, իսկ ներքև ձախ կողմում ընկնում են Շամլու և Աղ-դարա ձորերը»¹:

¹ ԳԱԱԹ, Ս. Քամայյանի ք., տեսոր № 1, VI-11, թ. 34-35:

МОСТ ЧАНАХЧУДЗОР (КЕПРИ ГЕЗИ)

Находится близ села Ахбашлар провинции Закам (ныне - Тоузский район), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха.

Точное время строительства неизвестно, однако наиболее вероятно, что это имело место до 17-го века. Мост был разрушен еще до 1890 года, ибо очевидец Саргис Камалян в указанном году видел лишь его обе опоры: “Идя вниз от Атти-Булаха, по левую сторону реки — ущелье Мхарлу, у входа в ущелье несколько домов, ниже этого места — за правым берегом — ущелье Чанахчи, потом — развалины моста, части которой сохранились, за исключением средней. Придя в непригодность, он остался наполовину незавершенным на дороге, которую должны построить. Сказав проводнику, что нынче пройти по этому ущелью нетрудно, а вот в иные годы, во время разлива реки было совсем невозможно пройти. Нынче телеги проходят, напротив моста на правом берегу есть сторожевое помещение, которое называется Керпи Гез, а ниже, левее начинаются ущелья Шамлут и Аг-дара”¹.

¹ МЛИ, ф. С. Камаляна, тетрадь № 1, VI-11, л. 34-35 (на арм. яз.).

BRIDGE OF CHANAGHCHUDZOR (KYOPRI GYOZ)

The bridge of Chanaghchudzor is located near Aghbashlar Village in present-day Touz District (Zakam District of Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then). The exact time of its construction remains unknown, but most probably, it was erected prior to the 17th century. The bridge was destroyed earlier than 1890, as in the same year, Sargis Kamalian found only its two piers: “Down Atti-Bulagh, on the left bank of the river is [situated] the gorge of Meharlu, at the beginning of which, several people live. Farther downwards is the gorge of Chanaghchi, on the right side of which can be seen the ruins of a bridge, with all its sections preserved except its middle part. The bridge getting destroyed, the road remained incomplete. As my companion told me, nowadays this gorge is not difficult to cross—there is a cart-road here—whereas in the years bygone, this was something absolutely impossible when the river was especially abundant in water. Opposite the ruined bridge, on the right bank [of the river], there is a watch-house called Kyopri Gyoz; downwards on the left, the gorges of Shamlut and Agh-dara lie.”¹

¹ Yeghishe Charents Art and Literature Museum: Sargis Kamalian Fund, copy-book No. 1, VI-11, pp. 34-35 (the original in Armenian).

ՎԵՐԻՆ ՔԱՐՀԱՏԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբավի Քարհատի (Դաշկեսանի) շրջանի Վերին Քարհատ գյուղի արևմտյան եզրին՝ Արթինաջոր գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 1485 մ: Ժամանակը՝ Ժ-Ժ-Ժ դարեր: Թոփքի երկարությունը 6,92 մ է, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 5,10 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 40°29'59.81", E 46°04'53.01":

39

МОСТ ВЕРИН (верхний) КАРХАТА

Находится на западной окраине села Верин Кархат (армянское население было насильственно изгнано в 1988 году) района Кархат (Дашкесан), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Артинаджур. Расположен на высоте 1485 м над уровнем моря. Время строительства — 16-17 века. Длина пролета — 6,92 м; высота над уровнем воды — 5,10 м. Географические координаты: N 40°29'59.81", E 46°04'53.01".

39

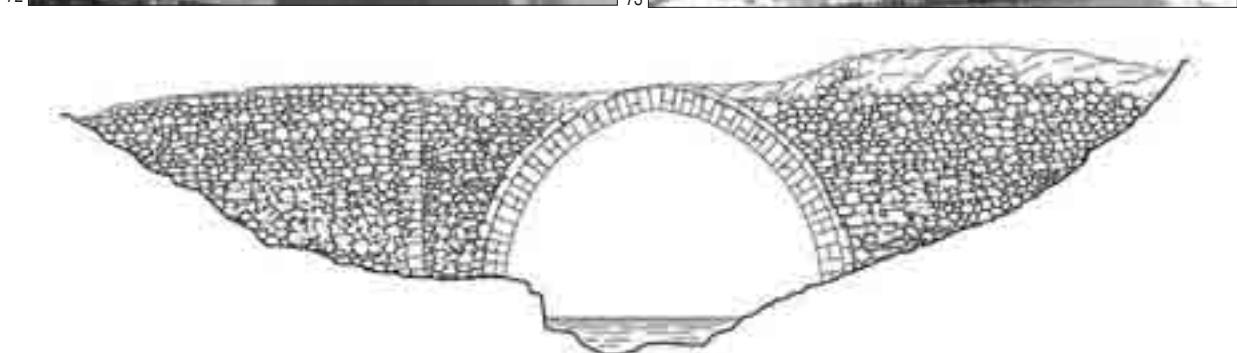
BRIDGE OF VERIN (UPPER) KARHAT

The bridge (16th to 17th centuries) lies across the river Artinajoor, at the western end of Verin (Upper) Karhat Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then—at an altitude of 1,485 metres above sea level.

Span length: 6.92 metres; height above water level: 5.10 metres; geographical coordinates: N 40°29'59.81", E 46°04'53.01."



67



0 1 2 3 4 5
m

15

65

Ւ

ԹՈՓԻ ԿԱՍՊԻՌՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Թոփի գյուղատեղիի արևմտյան եզրով հոսող Ծավ գետի աջ վտակի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 780 մ: Կառուցման հավանական ժամանակաշրջանը՝ ԺԶ-ԺԷ դարեր: Միարոիչք է, կառուցված անմշակ քարով, կրաշաղախով: Թոփի երկարությունը 5 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,55 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 4,90 մ:

40

МОСТ ТОПА

Находится на правом притоке реки Цав, протекающей по западной окраине селища Топ района Кашатах Республики Арцах (НКР). Расположен на высоте 780 м над уровнем моря. Вероятное время строительства – 16-17 века. Мост однопролетный, построен из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 5 м, ширина – 3,55 м; высота над уровнем воды – 4,90 м.

40

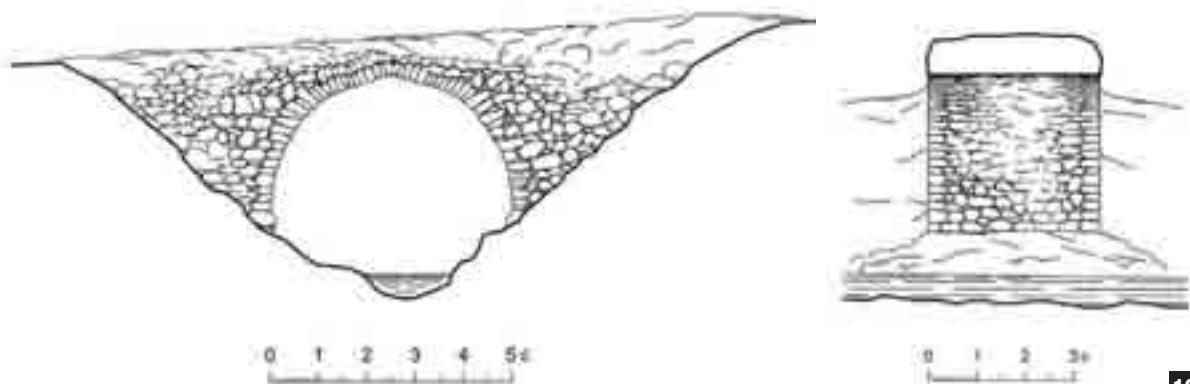
BRIDGE OF TOP

The bridge (16th to 17th centuries) is located across the right tributary of the river Tzav running at the western extremity of Top Village Site, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 780 metres above sea level. It is single-span, built of undressed stone and mortar.

Span length: 5 metres; passage width: 3.55 metres; height above water level: 4.90 metres.



74



16



ԶԱՍԱՏԻ (ԴԱՎԹԻ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբրեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Զակամ գավառում՝ ներկայիս Թոուզի շրջանի Աղբաշլար գյուղի մոտ: Կառուցվել է 1607 թ.: Քանդվելու ստույգ ժամանակն անհայտ է, սակայն դա տեղի է ունեցել նախքան 1890 թ., եթե ականատես Սարգիս Քամալյանը նկատել է միայն աջակինյա կամրջախելլ և մոտակա ժայռին խաչքանդակի ներքո կամրջի շինարարական արձանագրությունը. «...նշնարեցի բնութիւնից տաշած քարագրուն, որի հարավային երեսին մեծ խաչաձև է նկարած ու մոտը գրած „*Ս(որ)ք խաչ քարեխոս է քարեմիտ Դաւթին, որ շինեաց Զասատի կամու(ր)ճն յիշատակ հոգոյ իւրոյ. թվ(ին) ՈԾԶ (1607)*»: Այդ գրութիւնը կարդալուց յետ դիտեցի, երևաց ինն կամրջի խելի մնացորդը աջ ափին»¹:

¹ ԳԱՄԹ, Ս. Քամալյանի Փ., տեսոր № 1, VI-11, թ. 34:

МОСТ ДЖАСАТА (ДАВИДА)

Находится в провинции Закам, аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, близ села Ахбашлар нынешнего Тоузского района. Построен в 1607 году. Время обрушения моста неизвестно, однако это имело место до 1890 года, когда очевидец Саргис Камалян увидел правобережную опору и в нижней части крестообразного изваяния на ближайшей скале — строительную надпись моста (см. текст надписи в армянском варианте): “...приметил я отесаную природой каменную глыбу, на южной поверхности которой изваян крест, а рядом — надпись: *Святой крест сей во ходатайстве о добромысленном Давиде, который построил мост Джасата в память души моей, в году 1607-ом*”. После прочтения сей надписи я стал рассматривать и увидел остатки опоры старого моста на правом берегу”¹.

¹ МЛИ, ф. С. Камаляна, тетрадь № 1, VI-11, л. 34 (на арм. яз.).

BRIDGE OF JASAT (DAVID)

The bridge (1607) used to stretch near Aghbashlar Village in present-day Touz District (Zakam District of Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then). The exact time of its destruction remains unrevealed; supposedly, this must have happened earlier than 1890, when Sargis Kamalian found only its right-bank pier and construction inscription engraved below a cross relief on a nearby rock: “...I noticed a natural block of stone whose southern face bore a big cruciform [relief], with the following words carved near it: ‘*May the Holy Cross protect gracious David, who built the bridge of Jasat in memory of his soul in the year 1056 (1607)*’ [see the original in the Armenian text]. Having read this piece of writing, I looked back and saw the remains of the pier of an old bridge on the right bank [of the river].”¹

¹ Yeghishe Charents Art and Literature Museum: Sargis Kamalian Fund, copy-book No. 1, VI-11, p. 34 (the original in Armenian).



ԱՎԵՏԱՐԱՆՈՅԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Համբարձության Ասկերանի շրջանի Ավետարանոց գյուղում՝ Կուսանաց վանքի ստորոտով հոսող վտակի վրա: Պահպանվել է աջակինյա խելի մնացորդը՝ կառուցված անմշակ քարով և կրաշաղախով: Ժամանակը՝ ԺԷ դար:

75

МОСТ АВЕТАРАНОЦА

Находится в селе Аветараноц Аскеранского района Республики Арцах (НКР), на речке, протекающей по подножию монастыря Кусанац. Сохранились остатки правобережной опоры. Мост был построен из необработанного камня, на известковом растворе. Время строительства — 17-ый век.

BRIDGE OF AVETARANOTS

This 17th-century bridge extends over a tributary flowing down Koosanats Monastery, in Avetaranots Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK). Its vestiges comprise the remnants of its right-bank pier built of unfinished stone and mortar.



49

ՍԱՀՏԵՍԻ ԱՐԱՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Ասկերանի շրջանի Ավետառանց գյուղի հարավարևելյան եզրին՝ Զաղացներ գյուղ տանող ճանապարհի սկզբնամասում՝ ծովի մակերևույթից 1023 մ բարձրության վրա: Համաձայն կամքջի հոսքը բարդ պահպանված քառատող շինարարական արձանագրության (42x30 սմ)՝ կառուցվել է 1663 թ..

Ցիշ(ատակ) է այս / կարմուճս / մահտեսի Արանին, թվ(ին) ՌՃԺԲ (1663):

Հրատ. առաջին անգամ:

Թոփչքի երկարությունը 6 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,10 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 4,35 մ: Կոորդինատներն են՝ N 39°42'13.73", E 46°50'21.57":

43

МОСТ MAXTECA АРАНА

Находится на юго-восточной окраине села Аветараноц Аскеранского района Республики Арцах (НКР), у начала дороги, ведущей к селу Джахацнер. Расположен на высоте 1023 м над уровнем моря. Согласно поныне сохранившейся четырехстрочной строительной надписи (42 x 30 см) на потоконаправленном фасаде (см. текст надписи в армянском варианте), мост построен в 1663 году:

Пер. В память сей мост паломника Арана, в году 1663-ем.

Изд. впервые.

Длина пролета – 6 м, ширина проезжей части – 3,10 м; высота над уровнем воды – 4,35 м. Координаты: N 39°42'13.73", E 46°50'21.57".

47

BRIDGE OF MAHTESY ARAN

The bridge is found at the south-eastern extremity of Avetaranots Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK), at the beginning of a road leading to Jaghatsner Village, at an altitude of 1,023 metres above sea level.

According to its construction inscription (42 x 30 centimetres), it was erected in 1663.

Four lines in the Armenian original (see it in the Armenian text):

Transl.: This bridge is in memory of Mahtesy Aran, in the year 1112 (1663).

Published for the first time.

Note: *Mahtesy* is a title used with reference to Christian believers who are known to have gone to Jerusalem on pilgrimage.

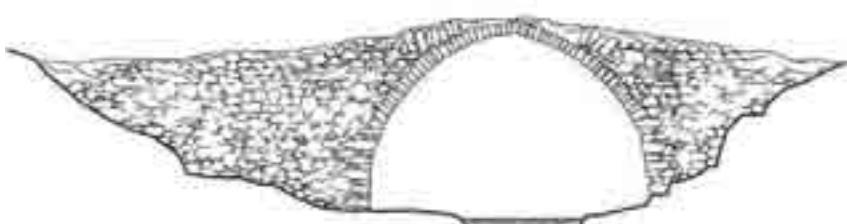
Span length: 6 metres; passage width 3.10 metres; height above water level: 4.35 metres; geographical coordinates: N 39°42'13.73," E 46°50'21.57."



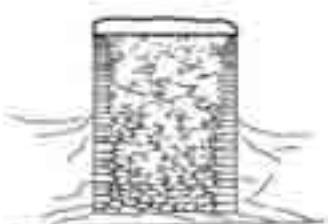
76



77



17



78



0 10 20 30 cm

69

ԱԿՆԱՂԲՅՈՒՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Ասկերանի շրջանի Ավետարանոց գյուղի հյուսիսարևելյան կողմում: Անմշակ քարով, կրաշաղախով կառուցված միաբռիչ կամուրջ է: Թռիչքի երկարությունը 6,21 մ է, անցուրությունը՝ 2,80 մ: Ժամանակը՝ ԺԷ դար: Կոորդինատներն են՝ N 39°42'06.30", E 46°50'59.53":

МОСТ АКНАХБЮРА

Находится на северо-восточной стороне села Аветараноц Аскеранского района Республики Арцах (НКР). Это однопролетный мост, построенный из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 6,21 м; ширина проезжей части – 2,80 м. Время строительства – 17-ый век. Координаты: N 39°42'06.30", E 46°50'59.53".

BRIDGE OF AKNAGHBYOOR

In the north-east of Avetaranots Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK) can be seen another single-span bridge (17th century) built of undressed stone and mortar.

Span length: 6.21 metres; passage width: 2.80 metres; geographical coordinates: N 39°42'06.30," E 46°50'59.53."



79



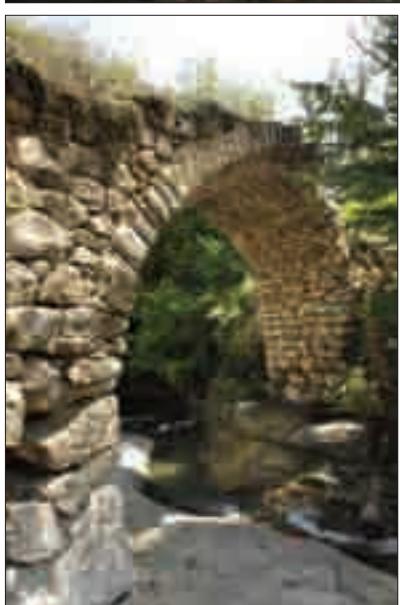
80



81



82



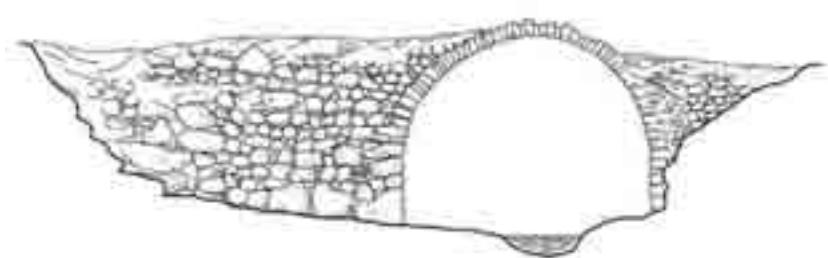
83



84



85



18



71

71

Խ

ԲԱՆԱՑԻ ՄԵԾ (ՀԻՆ) ԿԱՍՊՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբափ Բանանց գյուղի հարավարևելյան եզրին՝ Արքինաջուր գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 916 մ: Սիարռիչը է: Բացասությամբ քաղակիր կամարի անկյունաքարերի, որոնք սրբատաշ են, կամրջի մնացած մասերը շարված են անմշակ քարով, կրաշաղախով: Ուշագրավ են կամրջի մեջ՝ երկու կողմերում առկա մեկական քաղակապ սենյակները, որոնք ծառայել են իրեն պահակատուն, հյուրատուն կամ մաքսատուն: Կամրջի բոլոր կազմում է 9,25 մ, անցուղու լայնությունը՝ 4,90 մ: Շինարվեստն ու կառուցղական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺԷ դարին: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 40°33'08.70", E 46°09'04.99":

45

МОСТ БАНАНЦА МЕЦ (большой), ХИН (старый)

Находится на юго-восточной окраине села Бананц (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Артинаджур. Расположен на высоте 916 м над уровнем моря. Кроме гладко тесанных краеугольных камней несущей свод арки, остальные части моста построены из необработанного камня, на известковом растворе. Примечательны в обеих частях моста сводчатые помещения, которые служили в качестве караульных, стоянок или таможен. Длина пролета моста составляет 9,25 м; ширина проезжей части – 4,90 м. Строительные и конструктивные особенности характерны для 17-го века. Географические координаты: N 40°33'08.70", E 46°09'04.99".

45

METZ (HIN) BRIDGE OF BANANTS

Metz (Greater) Bridge, which is also known as Hin (Older) Bridge, lies over the river Artinajoor, at the south-eastern extremity of Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then—at an altitude of 916 metres above sea level. All its parts are built of undressed stone and mortar, except the cornerstones of the vault-bearing arch, which are finely-finished. Special mention should be made of two vaulted inner rooms—one on either side of the bridge—that used to serve as guardrooms, guest chambers or a custom house. The building peculiarities of this single-span bridge are typical of the 17th century.

Span length: 9.25 metres; passage width: 4.90 metres; geographical coordinates: N 40°33'08.70," E 46°09'04.99."



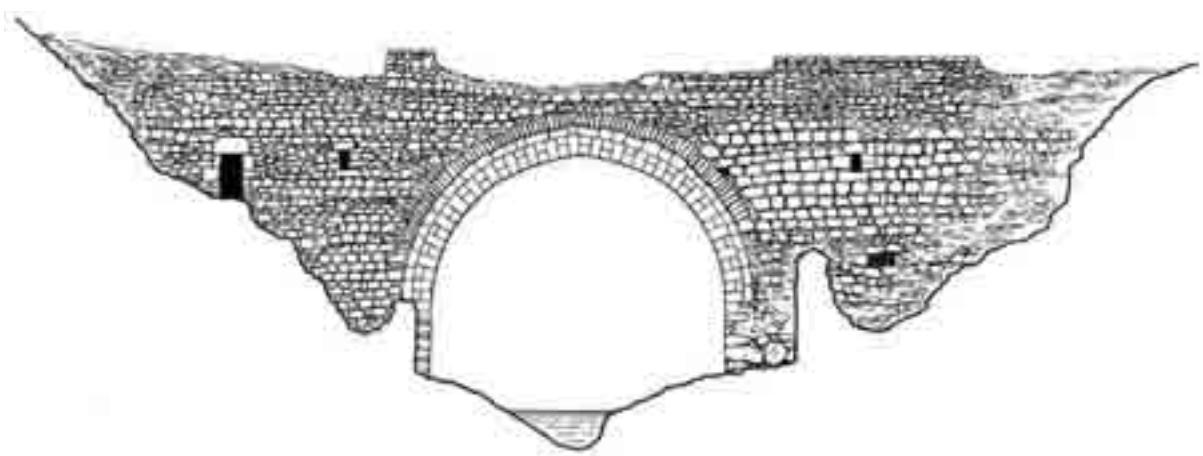
86



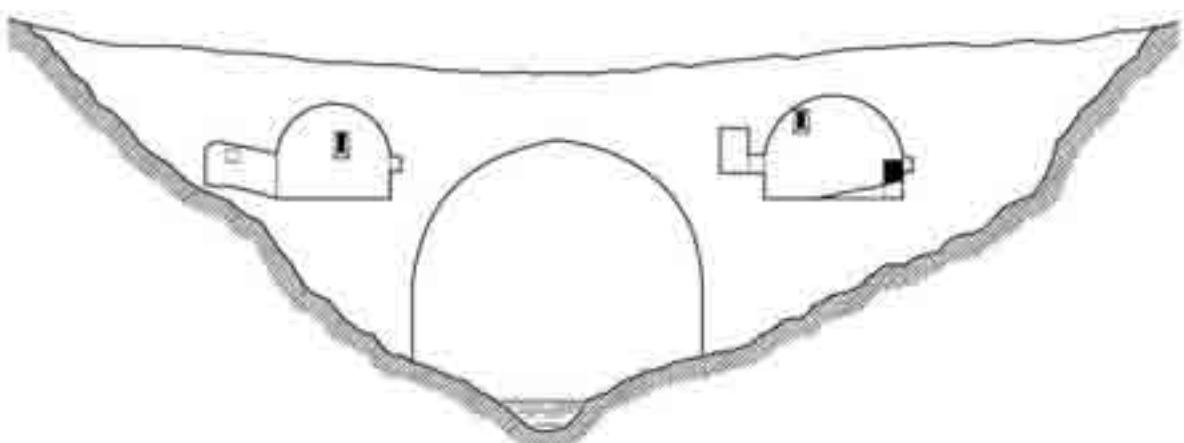
87



88



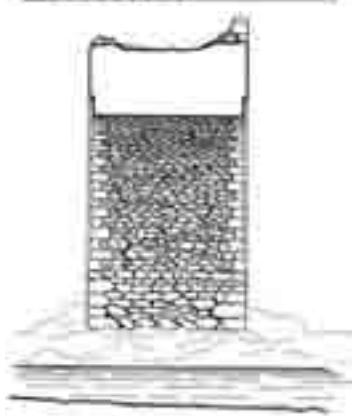
0 1 2 3 4 5 10m



0 1 2 3 4 5 10m



0 1 2 3 4 5 10m



0 1 2 3 4 5 10m

19

ԲՈԼՈՐԱՆՑԻ ԿԱՍՈՒԻՇ

Գտնվում է Աղբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբափ Բանանց գյուղի հարավարևելյան եզրին՝ Արքինաջոր գետի աջ վտակ Բոլորանցի վրա։ Կառուցվել է ԺԷ դարում։ Եղել է միաբորբոք, թաղակապ շինություն։ Պահպանվել են միայն կամրջախելքը՝ շարված անմշակ քարով, կրաշաղախով։ Անկյունաքարերը եղել են սրբատաշ։ Ազնիայտ է, որ կամրջի անցողին ուշ միջնադարում լայնացվել է։ Թռիչքի երկարությունը 9,20 մ է։ Ի սկզբանե ունեցել է 2,50 մ, լայնացվելուց հետո՝ 4,50 մ լայնություն։ Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 40°33'08.77", E 46°09'12.68".

МОСТ БОЛОРАНЦА

46 Находится на юго-восточной окраине села Бананц (армянское население в 1988 году было насилиственно изгнано), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на правом притоке Болоранц реки Артинаджур. Построен в 17-ом веке. Он был однопролетным, сводчатым сооружением. Сохранились лишь опоры моста, возведенного из необработанного камня, на известковом растворе. Краяугольные камни были гладко тесанными. Очевидно, что проезжая часть была расширена в позднем средневековье. Длина пролета — 9,20 м. В самом начале ширина проезжей части составляла 2,50 м; после расширения — 4,50 м. Географические координаты: N 40°33'08.77", E 46°09'12.68".

BRIDGE OF BOLORANTS

This single-span bridge used to extend over the Bolorants—the right tributary of the river Artinajoor—at the south-eastern edge of Banants Village, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. A monument of the 17th century, it represented a vaulted structure of finely-finished cornerstones, its present-day vestiges comprising its piers that are laid with undressed stone and mortar. It is evident that the passage of the bridge was widened in the late Middle Ages.

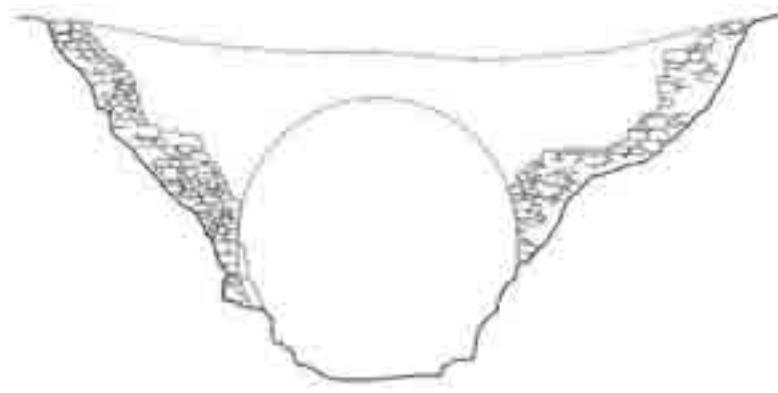
Span length: 9.20 metres; original passage width: 2.50 metres, and 4.50 metres after its widening; geographical coordinates: N 40°33'08.77", E 46°09'12.68".



89



90



20

104



ԳՈՂԹԱՆԻԿԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Գողթանիկ գյուղից 1 կմ արևելք՝ Հակարի (Հազարի) գետի վրա: Բացառությամբ թաղակիր կամարի սրբատաշ քարից կերտված անկյունաքարերի՝ կամքջի մնացյալ հատվածները կառուցված են անմշակ քարով, կրաշաղախով: Ընդհանուր երկարությունը 11,95 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,25 մ: Ավերվել է Արցախյան ազատամարտի ընթացքում տեղի ունեցած մարտական գործողությունների ժամանակ:

47

МОСТ ГОХТАНИКА

Находится в 1 км восточнее села Гохтаник района Кашатах Республики Арцах (НКР), на реке Акари (Агари). Кроме гладко тесаных краеугольных камней несущей свод арки, остальные части моста построены из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 11,95 м; ширина проезжей части – 3,25 м. Мост разрушился во время военных действий освободительных боев за Арцах.

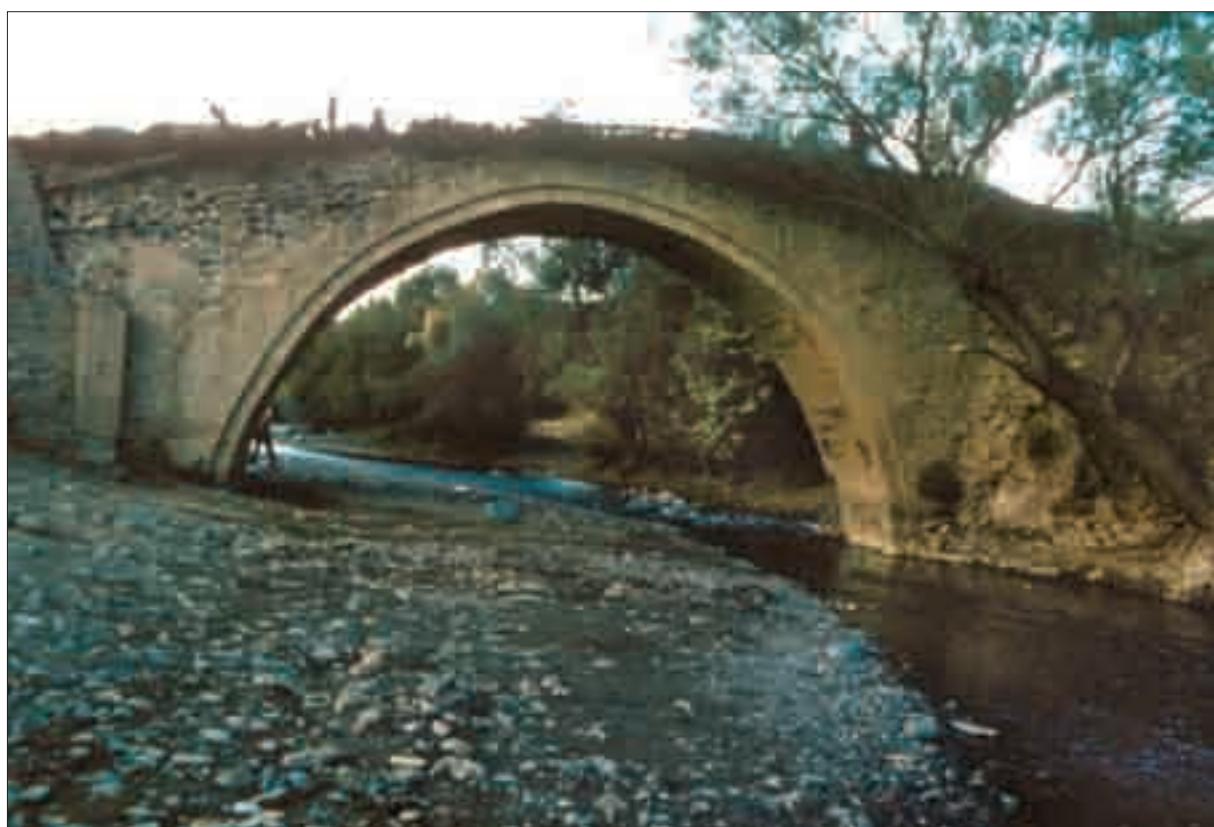
47

BRIDGE OF GOGHTANIK

The bridge used to lie over the river Hakari, a kilometre east of Goghtanik Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK). Except for the finely-finished cornerstones of the vault-bearing arch, all its other parts are laid with undressed stone and mortar. The bridge of Goghtanik was destroyed in the aftermath of military operations during the liberation struggle of Artsakh.

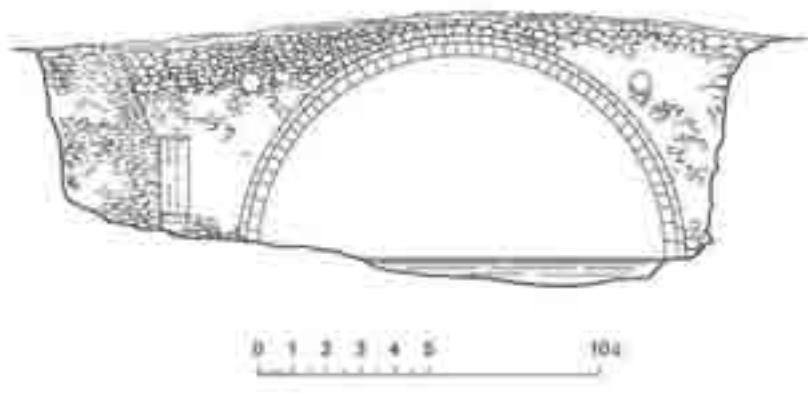
Span length: 11.95 metres; passage width: 3.25 metres.

91





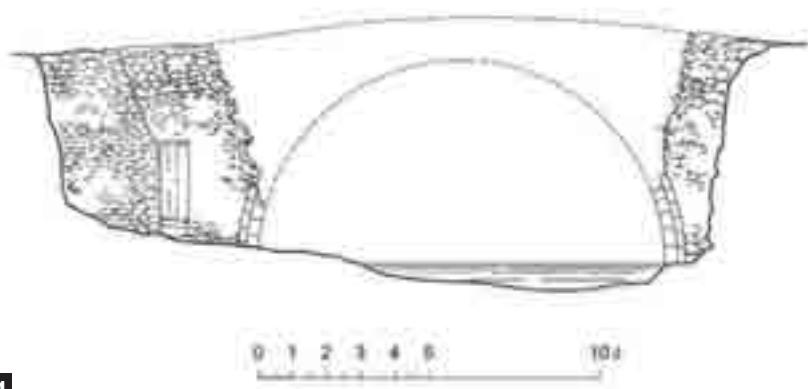
92



0 1 2 3 4 5 104

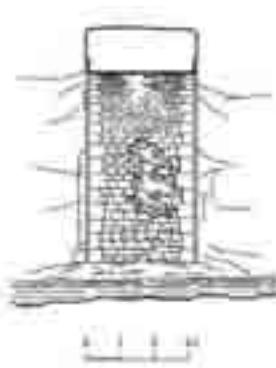


93



0 1 2 3 4 5 104

21



0 1 2 3 4 5 104

77

ՀՂՅՈՒՏԻ ԿԱՌՈՒՋ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Ասկերանի շրջանի Ավետառանոց գյուղից 200 մ հարավ-արևմուտք՝ Հղցկոտ գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 1075 մ:

ԺԷ-ԺԸ դարերին բնորոշ միարոիչը կամուրջ է՝ կառուցված անմշակ գետաքարով, կրաշաղախով: Սրբատաշ են թաղակիր կամարի անկյունաքարերը: Թոփշը երկարությունը 5,50 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,35 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 4,25 մ: Կոորդինատներն են՝ N 39°41'51.06", E 46°09'43.48":

МОСТ ХГЦКОТ

Находится в 200 м юго-западнее села Аветараноц Аскеранского района Республики Арцах (НКР), на реке Хгцкот. Расположен на высоте 1875 м над уровнем моря.

Это характерный для 17-18 веков однопролетный мост, построенный из речного булыжника, на известковом растворе. Краевогольные камни несущей свод арки гладко тесаны. Длина пролета – 5,50 м; ширина проезжей части – 4,35 м; высота над уровнем воды – 4,25 м. Координаты: N 39°41'51.06", E 46°09'43.48".

BRIDGE OF HEGHETSKOT

The bridge is located across the river Heghetskot, 200 metres south-west of Avetaranots Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 1,075 metres above sea level.

A single-span structure typical of the 17th to 18th centuries, it is built of undressed pebble and mortar; the cornerstones of its arch are finely-finished.

Span length: 5.50 metres; passage width: 4.35 metres; height above water level: 4.25 metres; geographical coordinates: N 39°41'51.06," E 46°09'43.48."

94





95



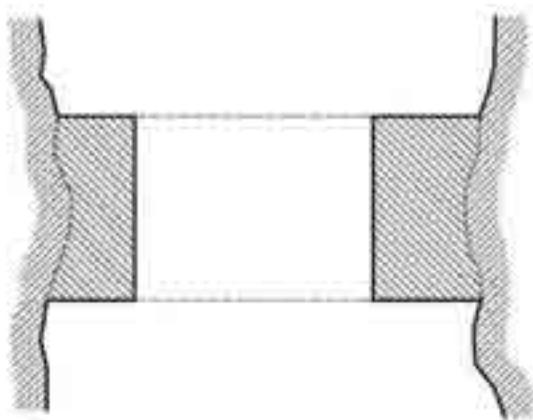
96



მასშტაბი



98



0 1 2 3 4 5 6

22

79

49

ԽՈՎԱՅ ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ 1992 թ.-ից Ադրբեյջանին բռնակցված և հայաքափ Շահումյանի շրջանի Վերիշեն ավանից արևելք՝ Սևզոր գետի ափից շուրջ 50 մ հեռավորության վրա՝ գետի հին հունի տեղում: Ծովի մակերևույթից բարձր է 965 մ: 1992 թ. դրությամբ տակավին կանգուն էր: Կառուցված է գետաքարով և թերթաքարով, կրաշաղախով: Կամրջի թոփշը 7 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,40 մ: Կամուրջը հայտնի է «Անջոր» կամ «Խովայ» անուններով: Հարկ է նշել, որ գետի հունը փոխվելու հետևանքով այս կամուրջն իր նպատակին չի ծառայել արդեն ԺՄ դարի սկզբներից ի վեր: Կառուցման հավանական ժամանակը՝ ԺԷ-ԺԲ դարեր:

МОСТ ХРОВАЦ

Находится восточнее поселка Веришен (армянское население в 1992 году было насилиственno изгнано) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР), на расстоянии 50 м от берега реки Севджур, на месте старого русла реки. Расположен на высоте 965 м над уровнем моря. По состоянию на 1992 год был в сохранном состоянии. Построен из речного булыжника и сланца, на известковом растворе. Длина пролета — 7 м, ширина проезжей части — 3,40 м. Мост известен под названиями “Анджур” (“Бездонный” - на арм.) или “Хроватц” (“Обиженный” - на арм.). Следует отметить, что из-за изменения русла реки, этот мост бездействует еще с начала 19-го века. Вероятное время строительства — 17-18 века.

50

KHROVATZ (INDIGNANT) BRIDGE

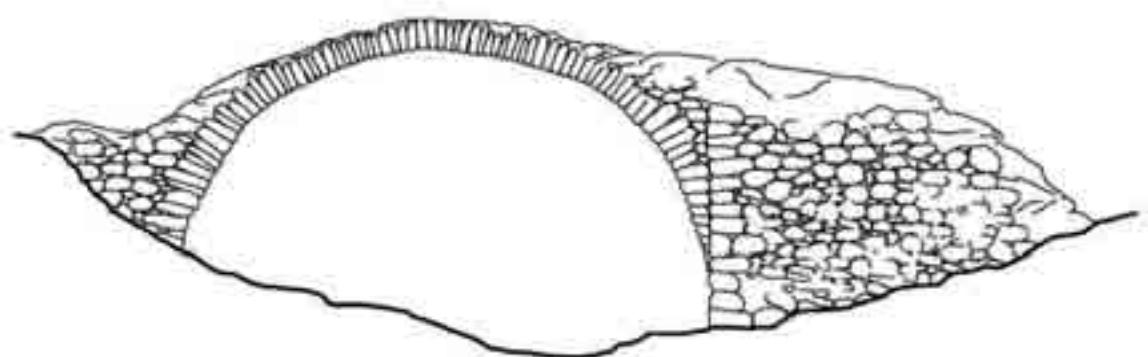
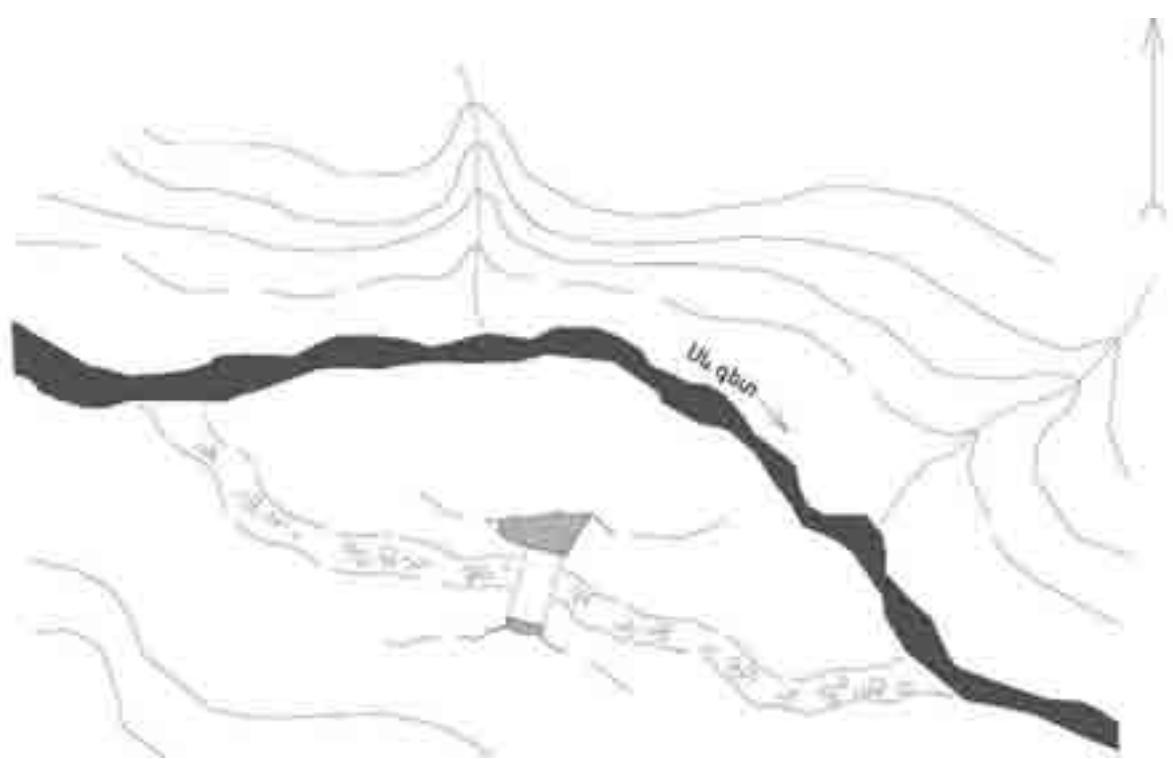
The bridge is found in the area of the original channel of the river Sevjoor, within around 50 metres of the bank, east of the township of Verishen, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 965 metres above sea level. It is built of pebble and slate, and is known by the names *Anjoor*, i.e. *Waterless*, or *Khrovatz*, i.e. *Indignant*. Although still preserved standing as of 1992, the bridge has not fulfilled its function since the early 19th century due to the deviation in the river channel.

Span length: 7 metres; passage width: 3.40 metres. Khrovatz Bridge may be traced back to the period between the 17th and 18th centuries.

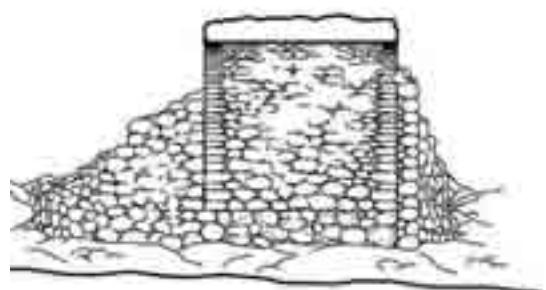
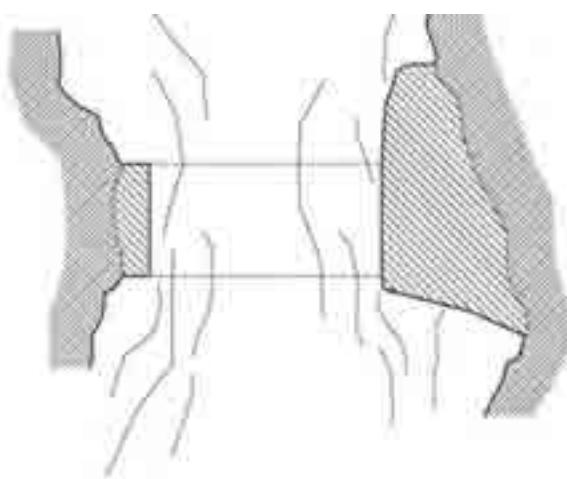


99

80



0 1 2 3 4 50
1 mm



0 1 2 3 m

Ծ

ՆԵՐՋԻՇԵՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ 1992 թ.-ից Ադրբեյջանին բռնակցված և հայաբափ Շահումյանի շրջանի շրջկենտրոն Ներքիշեն (Շահումյան) ավանում՝ Սևզոր գետի վրա: Պահպանվում է միաբանչ կամրջի աշակեմյա խելի՝ անմշակ գետաքարով և կրաշաղախով կառուցված մնացորդը: Ունի ԺԷ-ԺԸ դարերին բնորոշ կառուցողական առանձնահատկություններ:

50

МОСТ НЕРКИШЕНА

Находится в поселке Неркишен или Шаумян (армянское население в 1992 году было насильственно изгнано) — районном центре Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном, на реке Севджур. Сохранились руины правобережной опоры (построенной из речного булыжника, на известковом растворе) однопролетного моста. Строительные особенности моста характерны для 17-18 веков.

50

BRIDGE OF NERKISHEN

This single-span bridge extends over the river Sevjoor in Nerkishen (Shahumian) Township, the centre of Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK). Its remnants comprise the remains of its right-bank pier built of undressed pebble and mortar. The building peculiarities of the monument trace it back to the period between the 17th and 18th centuries.

100



82



ՆԵՐՔԻ ԻԳՅԱԿՈՒՅԱՍՈՒՐ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուքի շրջանի Տումի գյուղից 1,5 կմ հյուսիս՝ Հայկազն գետի վրա: Պահպանվում են միարոդք կամրջի գույզ խելերը՝ շարված անմշակ գետաքարով և կրաշաղախով: Թռչքի երկարությունը 4,50 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 2,20 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 3 մ: Ունի ԺԷ-ԺԸ դարերին բնորոշ կառուցողական առանձնահատկություններ: Տեղացիների ջանքերով կամրջի քանդված քաղցր փոխարինվել է գերանակապով:

51

МОСТ НЕРКИ ИГЯКУЦ

Находится в 1,5 км севернее села Туми Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Айказн. Сохранились обе опоры (построенные из речного булыжника, на известковом растворе) однопролетного моста. Длина пролета – 4,50 м; ширина проезжей части – 2,20 м; высота над уровнем воды – 3 м. Строительные особенности характерны для 17-18 веков. Усилиями местных жителей разрушенный свод был перекрыт затянутыми бревнами.

51

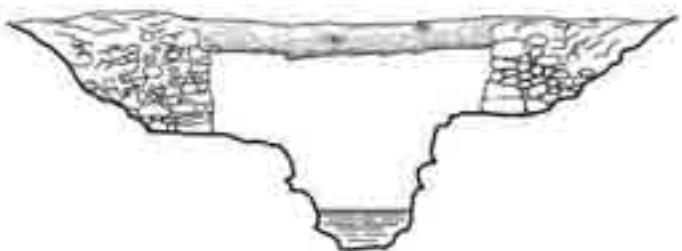
BRIDGE OF NERKI IGYAKOOTS

This is a single-span bridge over the river Haykazn, 1.5 kilometre north of Tumi Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK). Its vestiges constitute two piers of unfinished cobblestone and mortar. The building peculiarities of the bridge trace it back to the 17th to 18th centuries. The local inhabitants have replaced its ruined vault with a structure of beams.

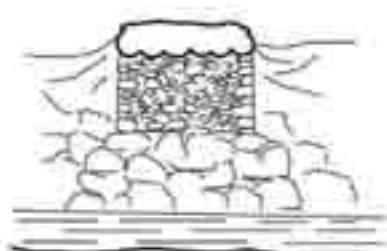
Span length: 4.50 metres; passage width: 2.20 metres; height above water level: 3 metres.



101



24



ԻՆՉ ՍԱՍԱՆՑ ԱՆԱՊԱՏԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Մոխրաբաղ և Կուսապատ գյուղերի միջակայքում՝ Ինը Մասանց անապատի հարավարևմտյան եզրով հոսող վտակի վրա: Կառուցված է անմշակ քարով, կրաշաղախով: Թողիչքի երկարությունը 4,46 մ է, լայնությունը 3 մ: Ժամանակը՝ ԺԷ-ԺԸ դարեր:

52

МОСТ ИНН МАСАНЦ АНАПАТИ

Находится между селами Мохратах и Кусапат Мартакертского района Республики Арцах (НКР), на речке, протекающей по юго-западной окраине пустыни Инн Масанц. Построен из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета – 4,46 м; ширина – 3 м. Время строительства 17-18 века.

52

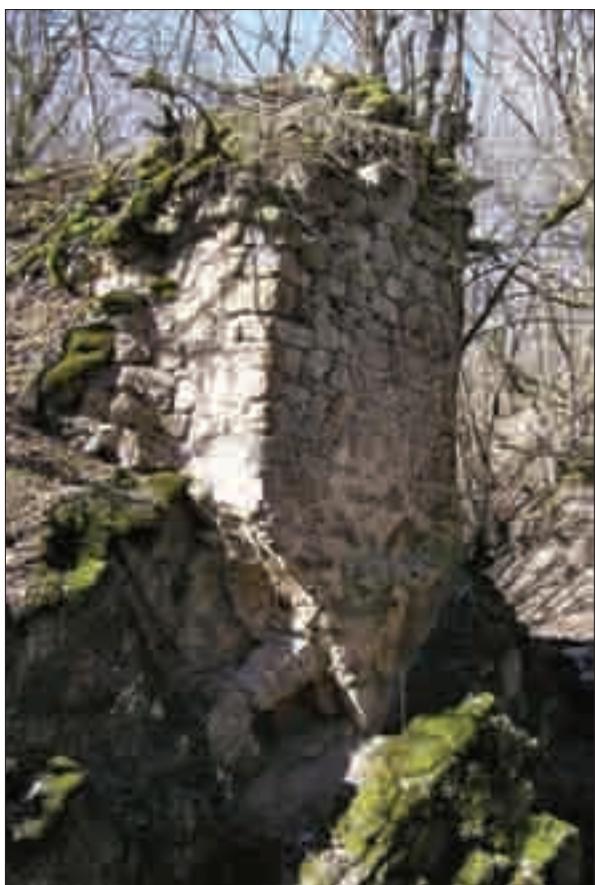
BRIDGE OF THE CLOISTER OF INN MASANTS

The bridge (17th to 18th centuries) lies over a stream flowing on the south-western edge of the cloister of Inn Masants, in the area between Mokhratagh and Koosapat Villages, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK). It is built of undressed stone with mortar.

Span length: 4.46 metres; passage width: 3 metres.

102

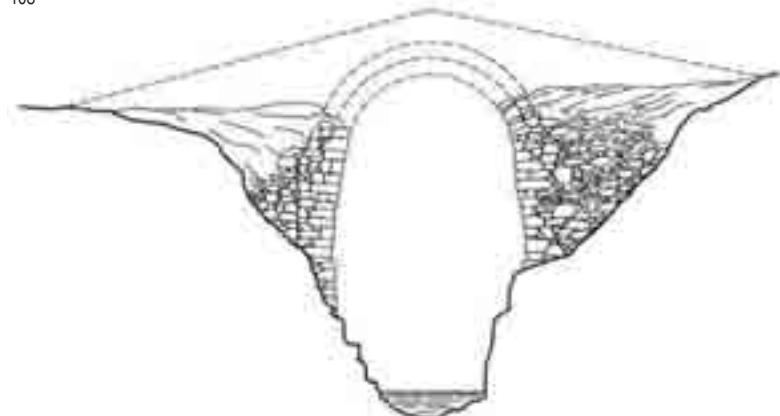




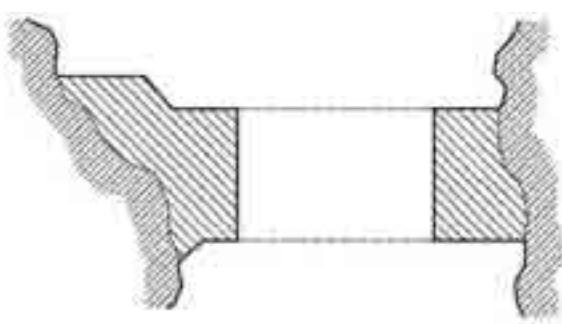
103



104

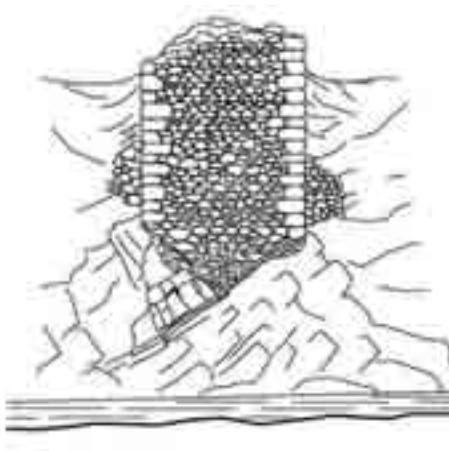


0 1 2 3 4 5 6



0 1 2 3 4 5 6

25



0 1 2 3 4

85

59

ԶԱԽԼԻԿ (ՃՐՂԱՑԱՋՈՐԻ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Ասկերանի շրջանի Շոշ գյուղից 1 կմ արևմուտք՝ Կարկառ գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 885 մ: Կամրջի բաղի անկյունաքարերից զատ՝ մնացյալ հատվածները շարված են անմշակ քարով, կրաշաղախով: Թաղի ճնշումը թերևացնելու նպատակով ունի կրկնակամար: Թողիքը 8,07 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,06 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 5,75 մ: Կառուցման ժամանակը՝ ԺԷ-ԺԸ դարեր: Աշխարհագույն կողոդիմատներն են՝ N 39°46'20.82", E 46°46'16.92":

53

МОСТ ДЗАХЛИК (ЧРХАЦАДЗОРА)

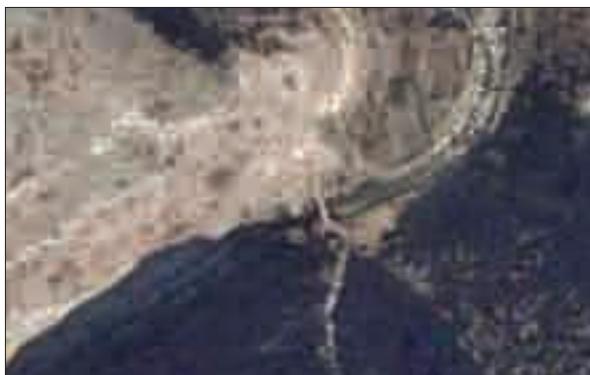
Находится в 1 км западнее села Шош Аскеранского района Республики Арцах (НКР), на реке Каркар. Расположен на высоте 885 м над уровнем моря. Кроме краеугольных камней несущей свод арки, остальные части построены из необработанного камня, на известковом растворе. Для облегчения нагрузки свода он обеспечен двойной аркой. Длина пролета – 8,07 м; ширина проезжей части – 3,06 м; высота над уровнем воды – 5,75 м. Время строительства 17-18 века. Географические координаты: N 39°46'20.82", E 46°46'16.92".

53

DZAKHLIK (JERGHATSADZOR) BRIDGE

The bridge of Jerghatsadzor (17th to 18th centuries) extends over the river Karkar, a kilometre west of Shosh Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 885 metres above sea level. Except for the cornerstones of its vault, its other parts are built of undressed stone and mortar. The arch of the bridge has a double row of stonework to be able to bear the weight of its massive vault.

Span length: 8.07 metres; passage width: 3.06 metres; height above water level: 5.75 metres; geographical coordinates: N 39°46'20.82," E 46°46'16.92."



105

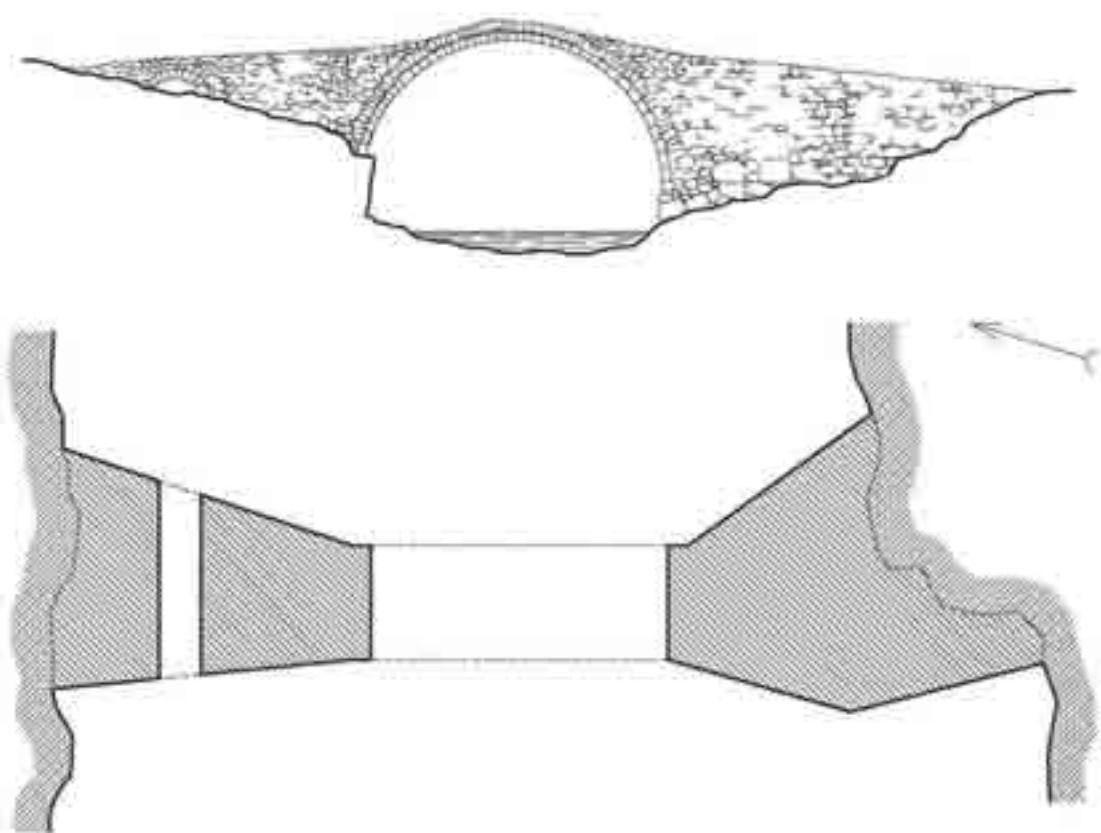
106



107



108



26

0 1 2 3 4 5
108

87

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Ասկերանի շրջանի Խնձրիստան գյուղի հարավարևմտյան թաղամասով հոսող վտակի վրա: Կառուցել է Խաչենի մելիք Միրզախանը ԺՀ դարի կեսերին: Թռիչքի երկարությունը՝ 5,15 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,80 մ: Կառուցվել է անմշակ քարով, կրաշաղախով: Խորհրդային տարիներին անցուղին 130 սմ-ով լայնացվել է: Բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 7,80 մ է: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°58'08.90", E 46°40'59.80":

54

МОСТ МЕЛИКА

Находится на речке, протекающей по юго-западной части села Хнձристан Аскеранского района Республики Арцах (НКР). Мост построен Мирзаханом — меликом Хачена, в середине 18-го века. Длина пролета — 5,15 м; ширина проезжей части — 4,80 м. Построен из необработанного камня, на известковом растворе. В советские годы проезжая часть была расширена на 130 см. Высота над уровнем воды — 7,80 м. Географические координаты: N 39°58'08.90", E 46°40'59.80".

54

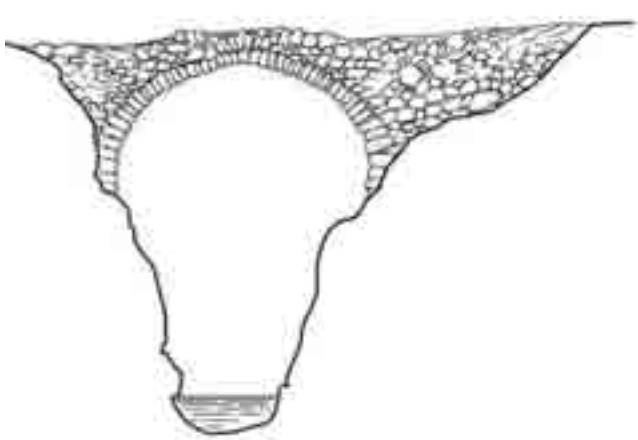
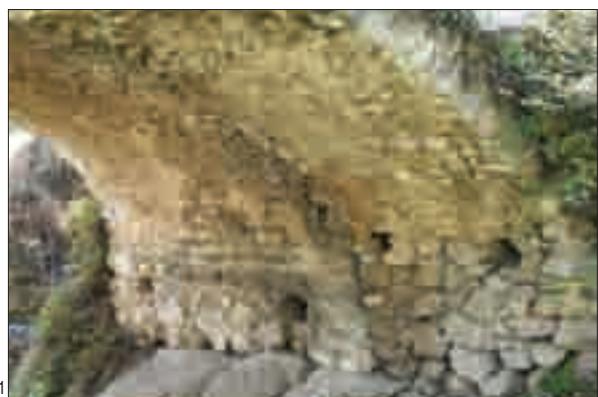
BRIDGE OF MELIK

The bridge of Melik [*Melik is a hereditary Armenian noble title in various Eastern Armenian principalities known as Melikdoms*] is situated over a stream flowing through the south-western quarter of Khendzristan Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK). It was erected by Melik of Khachen Mirzakhan in the mid-18th century, the main building material used comprising undressed stone and mortar. In the Soviet years, the passage of the bridge was widened by 130 centimetres.

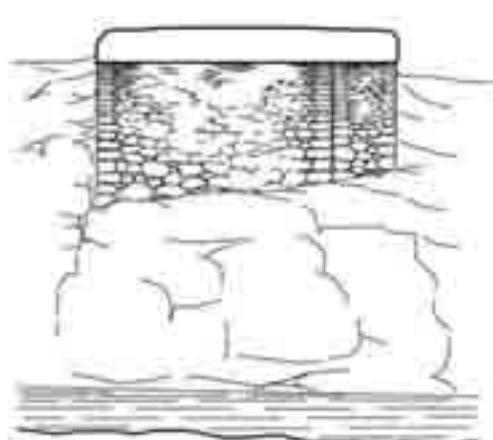
Span length: 5.15 metres; passage width: 4.80 metres; height above water level: 7.80 metres; geographical coordinates: N 39°58'08.90," E 46°40'59.80":



109



0 1 2 3 4 5m



0 1 2 3 4 5m

Ծ

ՀԻՆ ԹԱՂԱՍԵՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հադրութի շրջանի Վրդնաշտ գյուղից 1,5 կմ հյուսիս-արևելք՝ Հին Թաղասեր կամ Հինգշեն (Հինշեն) գյուղատեղիի արևմտյան եզրով հոսող Պրզագետի վրա:

Համաձայն կամրջի ծախսակողմյան խելի հոսքընթաց ճակատին ազուցված սրբատաշ զույգ քարերին (130 x 44 սմ) փորագրված հնգատող արձանագրության՝ կառուցվել է 1763 թ.:

Յիշատակ է զար/մուճ Յապոն / Եկանի որդի Պաղտ(աս)/արին, կողազից Փերսի. մէկ քերան / ա(ստուա)ծ ողորմի, (ք)վին ՌՄՃԲ (1763)-ուն:

Հրատ. Դիվան հայ վիմագրության, պր. V, Երևան, 1982, էջ 190:

Մոնիշը երկարությունը 3,68 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 2,90 մ:

55

МОСТ ХИН (старый) ТАГАСЕРА

Находится в 1,5 км северо-восточнее села Врднашат Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на речке Прзагет, протекающей по западной окраине селища Хин Тагасер или Хингшен (Хиншен). Согласно пятистрочной надписи, высеченной на двух гладко тесанных камнях (130 x 40 см), встроенных в левостороннюю опору потоконаправленного фасада (см. текст надписи в армянском варианте), мост построен в 1663 году:

Пер. *Во память мост сей об Япон Екане сыне Пахтасара, супруга Перс: словом единым господи помилуй, в году 1763-ем.*

Изд. Свод армянской эпиграфики, ч. V, Ереван, 1982, с. 190 (на арм. яз.).

Длина пролета – 3,68 м; ширина проезжей части – 2,90 м.

55

BRIDGE OF HIN TAGHASER

The bridge (span length: 3.68 metres; passage width: 2.90 metres) stretches over the Przaget flowing at the western extremity of the village site of Hin Taghaser (Hingshen, Hinshen), 1.5 kilometre north-east of Verdnashat Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK).

According to an inscription (see it in the Armenian text), carved on two finely-dressed stones (130 x 44 centimetres) set in the downstream-looking face of the left pier of the bridge, it goes back to the year 1763.

Five lines in the Armenian original:

Transl.: This bridge is in memory of Yapon Yekan's son Paghtasar, Pers's spouse. May you pray for his soul just once. In the year 1212 (1763).

The Armenian original published in: Corpus Inscriptionum Armenicarum, part 5, Yerevan, 1982, p. 190 (the original in Armenian).

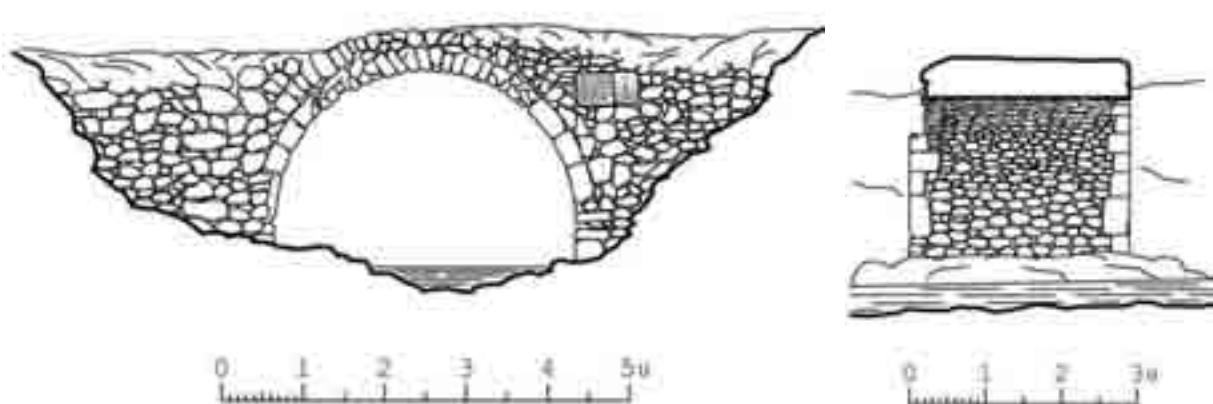
113



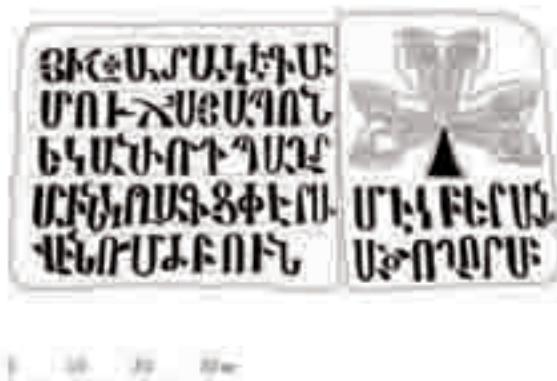
90



114



115



28

91

ՀՈՆՈՒՏԻ ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Շուշի շրջանում՝ Շուշի քաղաքից 1 կմ հյուսիս-արևելք՝ Հոնուտ գյուղատեղիի արևելյան եզրով հոսող Կարկառ գետի վրա: Համաձայն շինարարական առանձնահատկությունների՝ կառուցվել է ժը դարում:

Բացի քաղակիր կամարի անկյունաքարերից, որոնք սրբատաշ են, կամրջի մնացած հատվածները շարված են գետաքարով, կրաքարով և կրաշաղախով:

Խորհրդական կողմանական կողմինատներն են՝ N 39°45'40.45", E 46°45'56.78":

МОСТ ХОНУТА

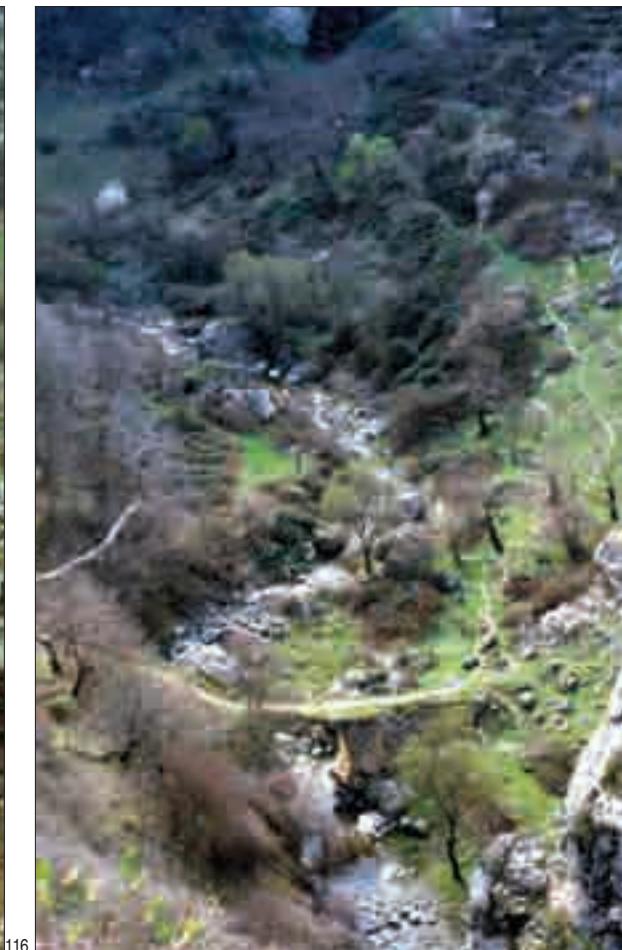
Находится в районе Шуши Республики Арцах (НКР), в 1 км северо-восточнее города Шуши, на реке Каркар, протекающей по восточной окраине селища Хонут. Согласно строительным особенностям, мост построен в 18-ом веке.

Кроме гладко тесаных камней несущей свод арки, остальные части построены из речного булыжника и известняка, на известковом растворе. Длина пролета — 5,87 м; ширина проезжей части — 4,05 м; высота над уровнем воды — 8,10 м. Координаты: N 39°45'40.45", E 46°45'56.78".

BRIDGE OF HONUT

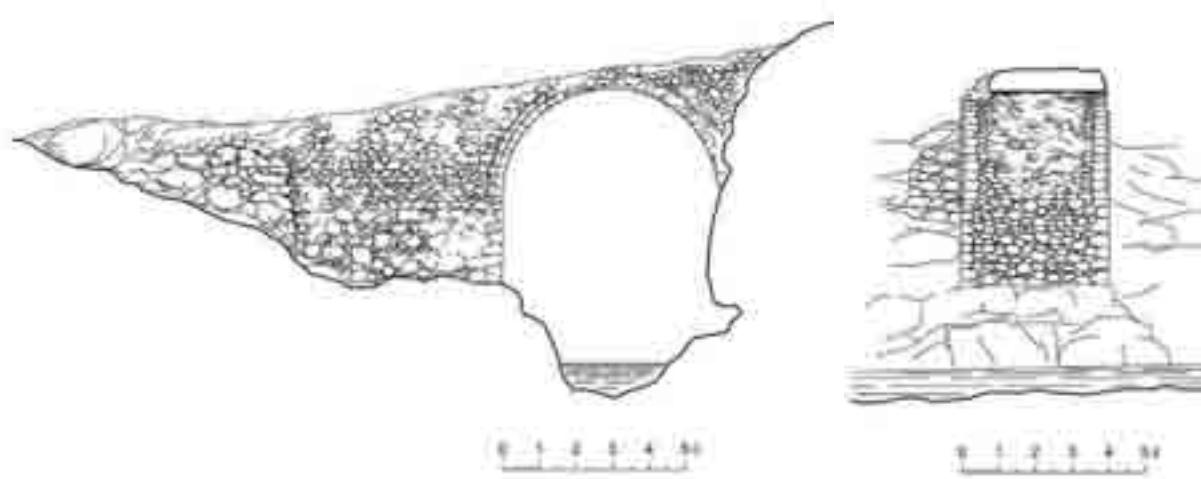
The bridge is located across the river Karkar running on the eastern edge of the village site of Honut, a kilometre north-east of Shooshi Town, Shooshi District, Republic of Artsakh (RMK). Judging by its building peculiarities, it was erected in the 18th century, the main building material used comprising pebble, limestone and mortar—finely-dressed are only the cornerstones of its vault-bearing arch.

Span length: 5.87 metres; passage width: 4.05 metres; height above water level: 8.10 metres; geographical coordinates: N 39°45'40.45," E 46°45'56.78."





118



29

ԳՅՈՒԼԻՍՏԱՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբքաջանին բռնակցված Շահումյանի շրջանի՝ 1992 թ.-ից հայաբափ Գյուլիստան գյուղից դեպի Գյուլիստանի բերդ տանող ճանապարհին՝ Խնջա գետի վրա: Գետի երկու ափերին պահպանվում են ԺԷ-ԺՀ դարերին հատուկ կառուցողական ու ոճական առանձնահատկություններով (անմշակ գետաքար, կրաշաղախ) միարժիք կամրջի զույգ խելերը:

МОСТ ГЮЛИСТАНА

57 Находится на дороге из села Гюлистан (армянское население было насильственно изгнано в 1992 году) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР), по направлению в Гюлистанскую крепость, на реке Инджа. На обоих берегах сохранились опоры однопролетного моста, строительные и стилистические особенности которого характерны для 17-18 веков. Стойматериал — необработанный речной булыжник и известковый раствор.

BRIDGE OF GYULISTAN

The bridge is situated over the river Inja, on the road leading from Gyulistan Village, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK) to the castle of Gyulistan. The two piers of this single-span bridge, erected in accordance with the building and stylistic peculiarities of the 17th to 18th centuries (undressed cobblestone and mortar), are still preserved on the river banks.



119



120



121

Ծ

ՔԱՐԱՂՅՈՒՐԻ ԿԱՍՈՒՐ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուրքի շրջանի Մոխրենիս գյուղից 1,5 կմ հարավ-արև-մուտք՝ Սլդախանց գետակի վրա: Կառուցված է կոփածո և անմշակ քարով, կրաշաղախով: Կառուցման հավանական ժամանակը՝ ԺՀ դար: Խորհրդական 4,60 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 2,70 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 2,90 մ:

58

МОСТ КАРАХБЮР

Находится в 1,5 км юго-западнее села Мохренис Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на речке Слдаханц. Сооружен из тесаного и необработанного камня, на известковом растворе. Вероятное время строительства – 18-ый век. Длина пролета – 4,60 м; ширина проезжей части – 2,70 м; высота над уровнем воды – 2,90 м.

58

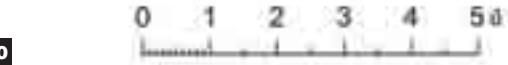
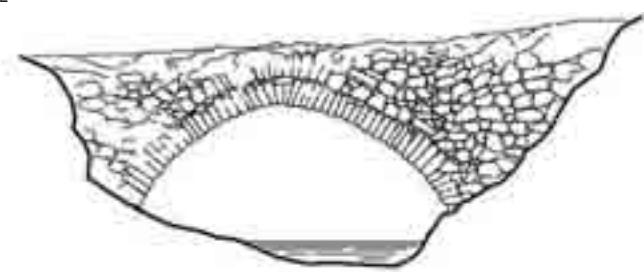
BRIDGE OF KARAGHBYOOR

The bridge which presumably goes back to the 18th century lies over the stream Seldakhants, 1.5 kilometre south-west of Mokhrenis Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK). It is built of undressed and hewn stone with mortar.

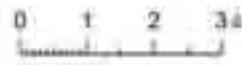
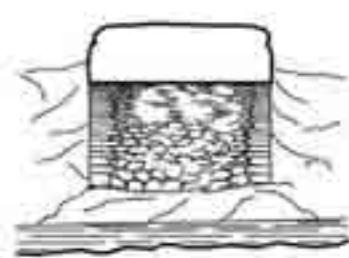
Span length: 4.60 metres; passage width: 2.70 metres; height above water level: 2.90 metres.



122



30



ՔԱՐԵ ԿԱՍՈՒԻՉ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբքեջանին բռնակցված Շահումյանի շրջանի՝ 1992 թ.-ից հայաբափ Բուզլուկի գյուղից 1,5 կմ հյուսիս-արևելք՝ «Գյունե» տեղամասում պահպանված գերեզմանցից շուրջ 300 մ հյուսիս՝ Փոքր Կուրակ գետի խոր ու խիստ նեղ մասում՝ ձորի երկու ափերին ցցված ժայռերին: Տեղաբնիկները կամուրջը կոչում են «Քարե» անվամբ: Կառուցողական առանձնահատկությունները բնորոշ են ԺԷ դարին: Ավանդաբար վկայվել է, որ կամուրջը կառուցել է մանաշիղի Փուլու Թյունին¹: Թյունի երկարությունը 3,4 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,7 մ, իսկ բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 8,7 մ: Կամրջի բաղակիր կամարի երկու շարք անկյունաբարերը սրբատաշ են, մնացած հատվածները կառուցված են անմշակ և կիսամշակ քարով: Թաղը կիսաշրջանաձև է:

¹ Ղահրամանյան Կ., Օջախի գիրք. Նշանաբեր, Երևան, 2002, էջ 45:

МОСТ КАРЭ (каменный)

Находится в 1,5 км северо-восточнее села Бузлух (армянское население было насильственно изгнано в 1992 году) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР) и в 300 м к северу от сохранившегося кладбища на участке “Гюнэ” — на скалах, торчащих по оба края глубокого и узкого ущелья реки Покр Курак. Местные старожилы мост называют “Карэ” (“Каменный” — на арм. яз.). Строительные особенности характерны для 18-го века. Согласно традиции, мост был построен манашидцем Пуллу Тюни¹. Длина пролета — 3,4 м; ширина проезжей части — 3,7 м; высота над уровнем воды — 7,7 м. Два ряда краеугольных камней несущей свод арки гладко тесаны, а остальные участки построены из необработанного и полуобработанного камня. Свод моста полукруглый.

¹ Կագրամանյան Կ., Կнига очага, Ереван, 2002, с. 45 (на арм. яз.).

KARE (STONE) BRIDGE

The bridge (*Kare*, i.e. *built of stone*, is the name with which the local people used to refer to it) extends in quite a deep and extremely narrow section of the river Pokr Kurak, close to prominent rocks towering on both sides of the gorge, 1.5 kilometre north-east of Buzlukh Village, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—around 300 metres north of a cemetery preserved in a site called Gyune. Its building peculiarities trace it back to the 18th century, its construction being traditionally ascribed to Pullu Tiuny from Manashid.¹ The cornerstones of the vault-bearing arch—the vault is semi-circular—that stretch in two rows are finely-finished, but the stones used in the other parts of the bridge are either totally undressed, or semi-finished.

Span length: 3.4 metres; passage width: 3.7 metres; height above water level: 8.7 metres.

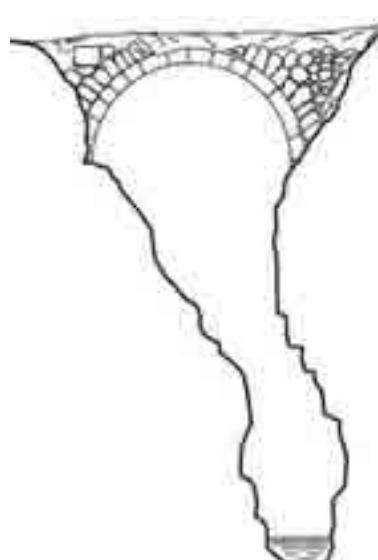
¹ Ghahramanian, K. A Home Book. Relics. Yerevan, 2002, p. 45 (the original in Armenian).



123



0 1 2 3



0 1 2 3

31

ՄԵԼԻՔ ՄՆԱՑԱԿԱՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբքեջանին բռնակցված Շահումյանի շրջանի՝ 1991 թ.-ից հայաբափ Գետաշեն գյուղի հյուսիսարևելյան կողմում՝ գյուղամիջով հոսող Կուրակ գետի վրա: Կառուցվել է ԺՀ դարում Գետաշենի մելիքների նախաձեռնությամբ:

МОСТ МЕЛИКА МНАЦАКАНА

Находится в северо-восточной стороне села Геташен (армянское население было насилиственно изгнано в 1991 году) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР), на реке Курак, протекающей через село. Мост построен в 18-ом веке по инициативе меликов Геташена.

BRIDGE OF MELIK MNATSAKAN

The bridge is found over the river Kurak in the north-east of Getashen Village—stripped of its Armenian population and occupied by Azerbaijan since May 1991—Shahumian District, Republic of Artsakh (RMK). It was built in the 18th century on the initiative of the meliks of Getashen.



124



125



126

ԵԿԵՂԵՅԱՋՈՐԻ (ՔԻԼԻՍԱԴԱՐԱ) ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայարավի Բանանց գյուղից 6,5 կմ հարավ-արևմուտք՝ Եկեղեցաձորի ջուր գետակի վրա: Միաքոիչք, քաղակապ շինություն է: Կառուցվել է ԺՀ դարում: 1932 թ. կամուրջը նորոգել է Հովհաննես Գյուրջյանը (Գյուրջունց Հովհանը): Թոփիքի երկարությունը 5,50 մ է:

МОСТ ЕКЕХЕЦАДЗОР (КИЛИСАДАРА)

Находится в 6,5 км юго-западнее села Бананц (армянское население было насильственно изгнано в 1988 году), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на речке Екехецадзори-джур. Это — однопролетное, сводчатое сооружение. Построено в 18-ом веке. В 1932 году мост был отремонтирован Ованныесом Гюрджяном (Гурдженц Ован). Длина пролета — 5,50 м.

BRIDGE OF YEKEGHETSADZOR (KILISADARA)

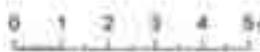
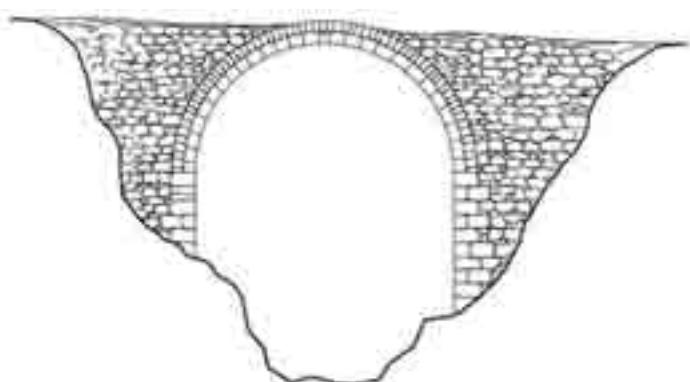
The bridge (span length: 5.50 metres) lies over a stream named Yekeghetsadzori Joor (i.e. *River of the Church Gorge*), 6.5 kilometres south-west of Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. It represents a single-span vaulted structure dating back to the 18th century. In 1932 the bridge was repaired by Hovhannes Gyurjian (Gurjunts Hovhan).



127



128



32

ԵՍԱՅԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Արցախի Հանրապետության Հաղբուրի շրջանի՝ այն ժամանակ թքարնակ Սալաբյարին գյուղի մոտ՝ Խշխանագետի վրա: Ժը դ. Վերջերին կառուցել էին սողեցիներ Բարա-բեկ Մելիք-Բախտամյանցի հայրը և մոր հայրը՝ Խսայ դային: Հայտնի է, որ 1842 թ. այս կամուրջը քանդել էին մերձակա թքարնակ Սալաբյարին գյուղի բնակիչներ ոմն Զեհնալի և Մեծնուն¹: Նույն թվականին կատարվածի մասին Բարա-բեկ մելիք Բախտամյանցը տեղեկացրել էր նաև Ազանբեկ Աքաբեկյանցին²:

¹ Հայաստանի ազգային դիվան (ՀԱԴ), ֆ. 57, գ. 1, գ. 3, թ. 79:

² Թօփմեան Յ. Յակոբ. Ցուցակ ժողովածուաց Դադեան Խաչիկ Վարդապետի, մասն Բ, Վաղարշապատ, 1900, էջ 27:

МОСТ ЕСАЙЯ

Мост находился возле татаронаселенного в то время села Салакятин Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Ишханагет. Был построен в конце 18-го века тохцами: отцом Баба-бек Мелик-Бахтамянца и дедом по материнской линии Исайем-даи. Известно, что в 1842 году мост был разрушен жителями ближайшего татаронаселенного села Салакятин — некими Зехнали и Межнуном¹. В том же году о происшествии Баба-бек Мелик-Бахтамянца проинформировал также Асланбека Аatabekianца².

¹ Национальный Архив Армении (НАА), ф. 57, оп. 1, д. 3, л. 79.

² Топчян А., Список сборников архимандрита Хачика Дадяна, ч. 2, Вагаршапат, 1900, с. 27 (на арм. яз.).

BRIDGE OF YESAYI

The bridge of Yesayi, which goes back to the late 18th century, used to extend across the river Ishkhanaget in the vicinity of Salakyatin Village—formerly populated by Turks—Hadrut District, Republic of Artsakh (RMK). Its builders were Baba Bey Melik-Bakhtamants's father and his grandfather on maternal line, Isay Dayi, both of them from Togh Village in origin. In 1842 a certain Zehnali and Mezhnu from the adjacent Turkish village of Salakyatin destroyed the monument¹ (in the same year, Baba Bey Melik Bakhtamants informed Aslan Bey Atabekiants about this).²

¹ National Archives of Armenia, fund 57, list 1, file 3, p. 79 (the original in Armenian).

² Father Topchian H. List of the Collections by Archimandrite Khachik Dadian, part 2, Vagharshapat, 1900, p. 27 (the original in Armenian).

Կ

ԱՎՋԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության մայրաքաղաք Ստեփանակերտի հարավարևմտյան եզրին՝ Կարկան գետի ձախակողմյան վտակի վրա: Միաբռիչը է, կառուցված անմշակ քարով, կրաշաղախով (քաղակիր կամարի անկյունաքարերը սրբատաշ քարից են): Համաձայն գետի հոսքընդդեմ ճակատի սրբատաշ կամարի կողպեք քարին փորագրված արձանագրության՝ կառուցվել է 1825 թ.

Թշիմ Ռ-ԱՇԴ (1825):

Հրատ. առաջին անգամ:

Թուիչքի երկարությունը 4,13 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 7,68 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°48'27.39", E 46°46'02.98":

63

МОСТ МАЗИ

Находится на юго-западной окраине города Степанакерт – столицы Республики Арцах (НКР), на левом притоке реки Каркар. Мост – однопролетный, построен из необработанного камня, на известковом растворе (краеугольные камни несущей свод арки гладко тесаны). Согласно надписи (см. текст надписи в армянском варианте), высеченной на замковом камне гладко тесаной арки потокопротивного фасада, мост построен в 1825 году:

Пер. В 1825-ом году.

Изд. впервые.

Длина пролета – 4,13 м; ширина проезжей части – 7,68 м. Координаты: N 39°48'27.39", E 46°46'02.98".

63

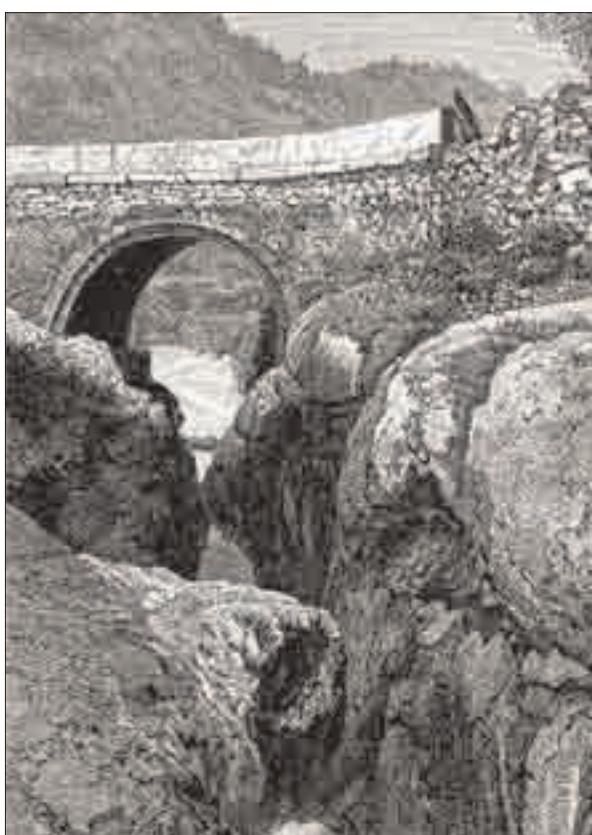
MAZI BRIDGE

Mazi Bridge is located across one of the left tributaries of the river Karkar, at the south-western extremity of Stepanakert, the capital of the Republic of Artsakh (RMK). It represents a single-span structure of undressed stone and mortar (the cornerstones of the vault-bearing arch are finely-finished). According to an inscription (see it in the Armenian text) engraved on the capstone of the finely-finished arch of the current-resisting facade [namely the facade looking up-stream] of the bridge, it was erected in 1825.

Transl.: In the year 1274 (1825).

Published for the first time.

Span length: 4.13 metres; passage width: 7.68 metres; geographical coordinates: N 39°48'27.39," E 46°46'02.98."



129

130



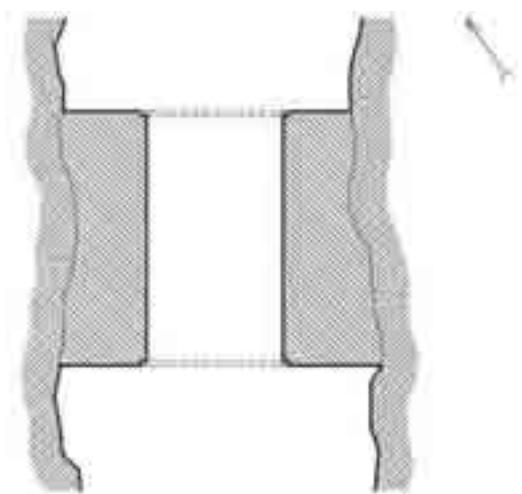
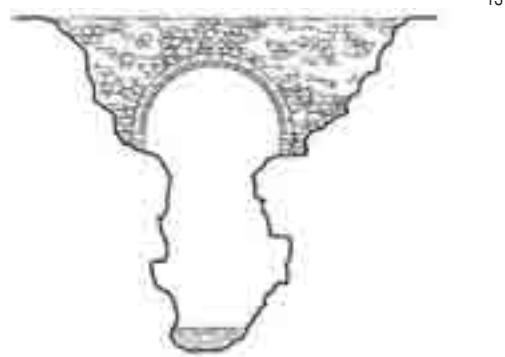
131



132



133



33

101

ՅԱՆՑԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բրնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաքափ Բանանց գյուղի հարավարևմտյան եզրին՝ Արքինաջոր գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 930 մ: Բանանցի Մեծ կամ Հին կամքջից հետո Յանցի կամուրջն իր նշանակությամբ 2-րդն էր: Միաբնիչը է, բաղը՝ կիսաշրջանաձև: Կամքջի հոսքընքաց ճակատին՝ կամարի կողպեք քարին, պատկերված է ձիու գլուխ, որը, ամենայն հավանականությամբ, տոհմական զինանշան է: Ժմ՛ դարում Յանցի կամուրջը նորոգել է Շամի Սարին: Թողքի երկարությունը 10,70 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,90 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 7,25 մ: Կառուցղական առանձնահատկությունները հարազատ են Ժմ՛ դարի համանման այլ կառույցներին:

Կամքջի հոսքընդդեմ ճակատի կենտրոնում՝ կամարի գագարին ագուցված սպիտակ մարմարե քարին, փորագրված է 1918 թ. կատարված նորոգության մասին պատմող արձանագրությունը:

«Յանցի» կամուրջ. մարմարե սալիկին (60 x 40 սմ)` 5 տող.

Կամուրջու այս վերանորոգեց / Սարգիս Վիրաբեան / Յակոբէանց, անմահ / յիշատակ իր / ծնողաց,

9.6.1918 թ.:

Հրատ. Կարապետյան Ս., Հյուսիսային Արցախ, Բեյրութ, 2004, էջ 157:

Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 40°32'59.66", E 46°08'50.43":

МОСТ ЯНЦИ

Находится на юго-западной окраине села Бананц (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Артинаджур. Расположен на высоте 930 м над уровнем моря. По своему значению мост Янци был вторым после Большого или Старого (Бананци Мец или Хин) моста. Мост – однопролетный, свод полукруглый. На замковом камне арки потоконаправленного фасада изображена голова коня, которая, по всей вероятности, является родовым гербом. В 19-ом веке мост отремонтировал Шами Саки. Длина пролета – 10,70 м; ширина проезжей части – 4,90 м; высота над уровнем воды – 7,25 м. Строительные особенности моста характерны для других подобных мостов 19-го века. На встроенным белом мраморном камне на вершине арки, в самом центре потокопротивного фасада высечена надпись (см. текст надписи в армянском варианте), повествующая о ремонте моста в 1918 году.

Мост “Янци”: на мраморной плите (60 x 40 см), 5 строк (см. текст надписи в армянском варианте):

Пер. *Мост сей отремонтировал Саргис Вирабян Акобянц, в память о своих родителях,*

9.6.1918 г.

Изд. *Карапетян С.*, Северный Арцах, Бейрут, 2004, с. 197 (на арм. яз.).

Географические координаты: N 40°32'59.66", E 46°08'50.43".

YANTS BRIDGE

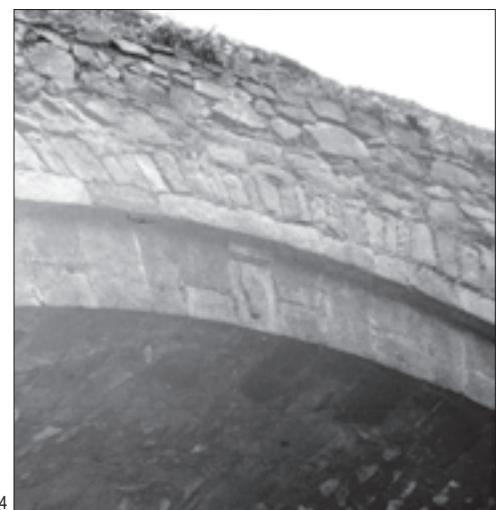
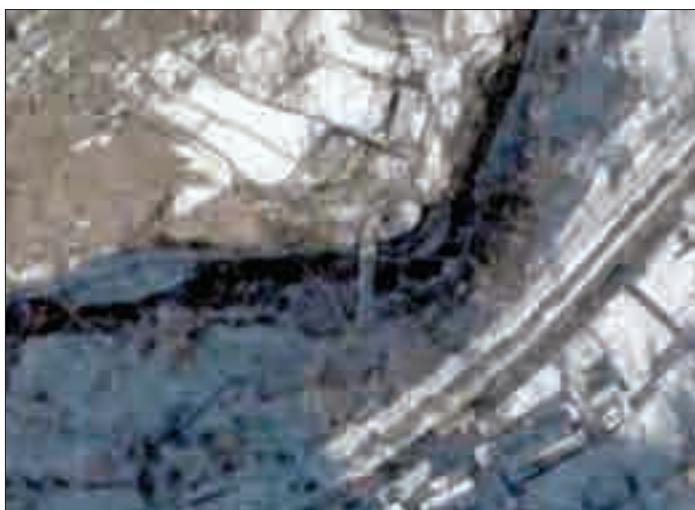
Yants Bridge is situated over the river Artinajoor at the south-western extremity of Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then—at an altitude of 930 metres above sea level. Ranking second in significance among the bridges in Banants after Metz (Hin) Bridge, it represents a single-span structure of a semi-circular vault and shares the building peculiarities of other similar monuments of the 18th century. In its facade looking downstream, the capstone of the arch is carved with a relief representing a horse head—most probably, the emblem of an outstanding family. In the 19th century, Yants Bridge was repaired by Shami Saki.

Span length: 10.70 metres; passage width: 4.90 metres; height above water level: 7.25 metres; geographical coordinates: N 40°32'59.66," E 46°08'50.43."

The bridge also underwent overhaul in 1918, a five-line inscription (see it in the Armenian text) carved on a white marble stone (60 x 40 centimetres), set at the top of the arch in the centre of the current-resisting facade [the facade looking up-stream] of the bridge, commemorating this event.

Transl.: This bridge was repaired by Sargis Virabian Hakobians in perpetual memory of his parents, 9 June 1918.

Published in: *Karapetian, S.* Northern Artsakh. Yerevan, 2007, p. 82.

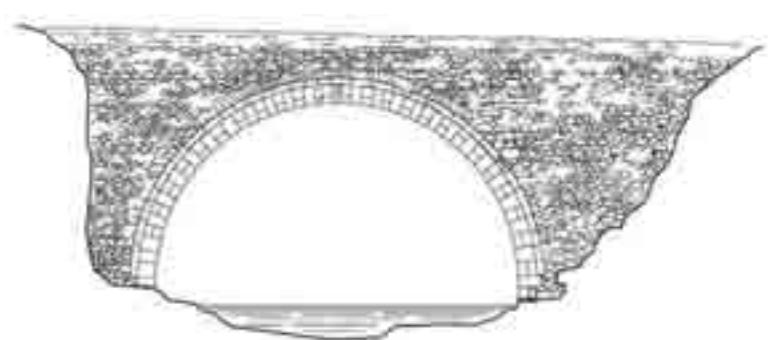


134

135



136



34

0 1 2 3 4 5 6
m0 1 2 3 4 5 6
m

103

Կ

ՀԱԼԻՎՈՐԻ ԿԱՄՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուրի շրջանի Սեծ թաղը գյուղից 2 կմ հարավ-արևմուտք՝ Իշխանագիտի վրա: Համաձայն կամրջի հոսքընթաց ճակատին ազուցված քարի վրա փորագրված (42x30 սմ) և ցարդ պահպանված շինարարական 7 տողանի արձանագրության՝ կառուցվել է 1835 թ.

Յիշատակ է / կարմուջը Յարութիւն որդի Գեվորգի, շինեցի իմ / ծնօղաց, օվ անցնի / աստուած ողորմի ասի, / ՈՒԶԴ (1835):

Հրատ. առաջին անգամ:

Խորիչի երկարությունը 5,50 մ է, անցույուն լայնությունը՝ 3,0 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°36'39.26", E 46°56'01.40":

65

МОСТ ХАЛИВОР

Находится в 2 км юго-западнее села Мец Тахк Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Ишханагет. Согласно по-ныне сохранившейся 7-строчной строительной надписи (см. текст надписи в армянском варианте), высеченной на камне (42 x 30 см) потоконаправленного фасада, мост построен в 1835 году:

Пер. В память мост сей Арутюн сын Геворка, построил моим родителям, кто пройдет господи помилуй да скажет, 1835.

Изд. впервые.

Длина пролета – 5,50 м; ширина проезжей части – 3,0 м. Географические координаты: N 39°36'39.26", E 46°56'01.40".

65

BRIDGE OF HALIVOR

The bridge of Halivor lies over the river Ishkhanaget, 2 kilometres south-west of Metz Taghk Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK). According to its construction inscription (42 x 30 centimetres)—seven lines in the Armenian original—preserved on its facade looking downstream, it was built in 1835 (see the inscription in the Armenian text).

Transl.: This bridge is in memory of Gevorg's son Harutjun. I built it for my parents. May passers-by pray for their souls, 1284 (1835).

Published for the first time.

Span length: 5.50 metres; passage width: 3.0 metres; geographical coordinates: N 39°36'39.26," E 46°56'01.40."



137

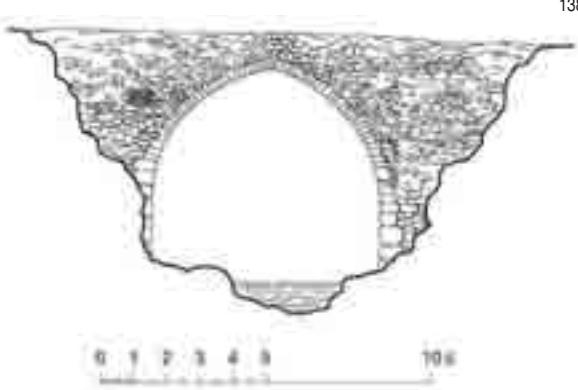


138



139

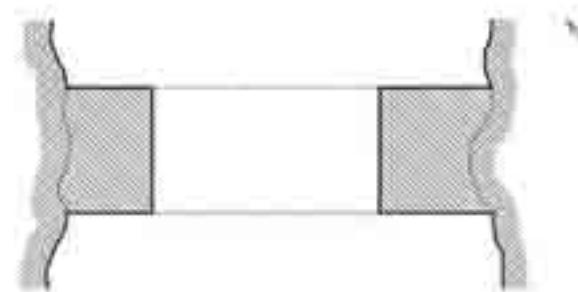
Budapest



0 1 2 3 4 5 10 m

Budapest

140



35

0 1 2 3 4 5 10 m

105

ՍԻՄՈՆԵՆՑ ԿԱՍՊՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Շոշիի շրջանի Քարինտակ գյուղում՝ Կարկառ գետի վրա: Ծովի մակերևույթից բարձր է 1085 մ: Համաձայն շինարարական արձանագրության՝ կառուցվել է 1838 թ. Հակոբ Սիմոնյանի կողմից:

Այս կարմունճն / շինել տիի / Քրիստոսի ծառ/ա Հակոբ Սիմոնով. 1838 թին:
Հրատ. առաջին անգամ:

Թոփքի երկարությունը 6,25 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,30 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 5,40 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°44'23.62", E 44°44'58.71":

МОСТ СИМОНЕНЦ

Находится в селе Каринтак Шушинского района Республики Арцах (НКР), на реке Каркар. Расположен на высоте 1085 м над уровнем моря. Согласно строительной надписи (см. текст надписи в армянском варианте), мост построен в 1838 году Акобом Симоняном:

Пер. Сей мост [я] дал построить слуга Христа Акоб Симонов в 1838 году.
Изд. впервые.

Длина пролета – 6,25 м; ширина проезжей части – 3,30 м; высота над уровнем воды – 5,40 м. Географические координаты: N 39°44'23.62", E 44°44'58.71".

SIMONENTS BRIDGE

Simonents Bridge is situated over the river Karkar in Karintak Village, Shooshi District, Republic of Artsakh (RMK), at an altitude of 1,085 metres above sea level.

Span length: 6.25 metres; passage width: 3.30 metres; height above water level: 5.40 metres; geographical coordinates: N 39°44'23.62," E 44°44'58.71."

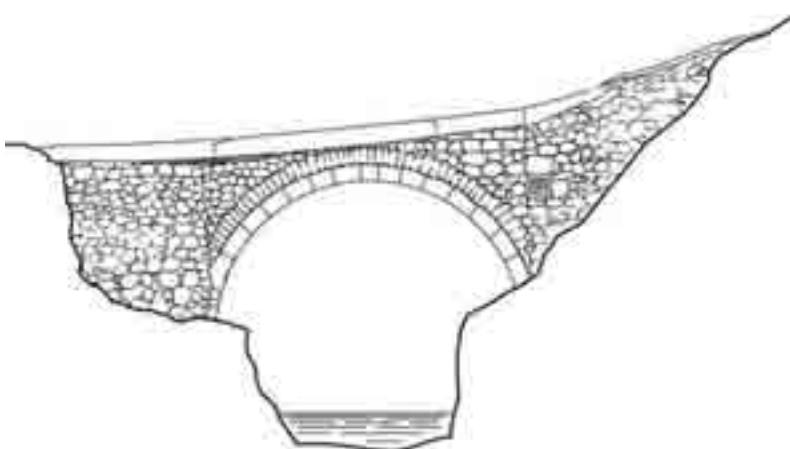
As attested by the construction inscription of the bridge (see it in the Armenian text), it was founded in 1838 by Hakob Simonian:

*Transl.: I had this bridge built. Servant of Christ Hakub Simonov, in the year 1838.
Published for the first time.*





142



36



0 1 2 3 m



143



107

Կ

ԹԱԴԵՈՍԻ ԿԱՍՏՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Ասկերանի շրջանի Քարաշեն (Դաշուշեն) գյուղից 0,8 կմ հարավ-արևմուտք՝ Կարկան գետի վրա: Տեղացիների վկայության համաձայն՝ կառուցել է գյուղի տանուտեր Թաղենու Առաքելյանը ժմթ դարի 40-ական թվականներին: Երկրորդը է: Բացառությամբ կամարի անկյունաքարերի, որոնք իրականացված են սրբատաշ կրաքարով, կամրջի մնացած հատվածները շարված են անմշակ քարով, կրաշաղախով: Կամրջի մեծ բուիչը 6,44 մ է, փոքրը՝ 3,03 մ, անցուղու լայնությունը՝ 3,53 մ, բարձրությունը՝ 6,30 մ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°47'44.09", E 46°46'28.77":

67

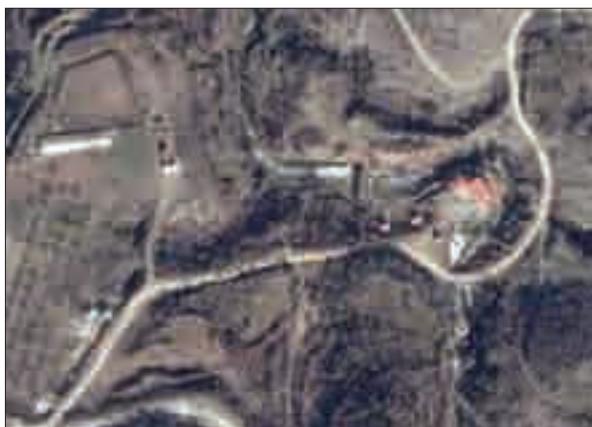
МОСТ ТАДЕОСА

Находится в 0,8 км юго-западнее села Карапен (Дашушен) Аскеранского района Республики Арцах (НКР), на реке Каркар. Согласно свидетельству местных жителей, мост построен в 40-ые годы 19-го века старостой села Тадевосом Аракеляном. Мост – двухпролетный. Кроме гладко тесаных краеугольных камней арки, остальные части сложены из необработанного камня. Длина большого пролета – 6,44 м; малого – 3,03 м; ширина проезжей части – 3,53 м. Высота над уровнем воды – 6,30 м. Географические координаты: N 39°47'44.09", E 46°46'28.77".

67

BRIDGE OF TADEVOS

The bridge extends over the river Karkar, 0.8 kilometre south-west of Karashen (Dashushen) Village, Askeran District, Republic of Artsakh (RMK). As reported by the local people, it was built by Village Head Tadevos Arakelian in the '40s of the 19th century. It represents a double-span bridge of undressed stone and mortar, with the cornerstones of its arch laid with finely-finished limestone. The larger span of the bridge is 6.44 metres in length, and the smaller one 3.03 metres. Passage width: 3.53 metres; height above water level: 6.30 metres; geographical coordinates: N 39°47'44.09," E 46°46'28.77."



144

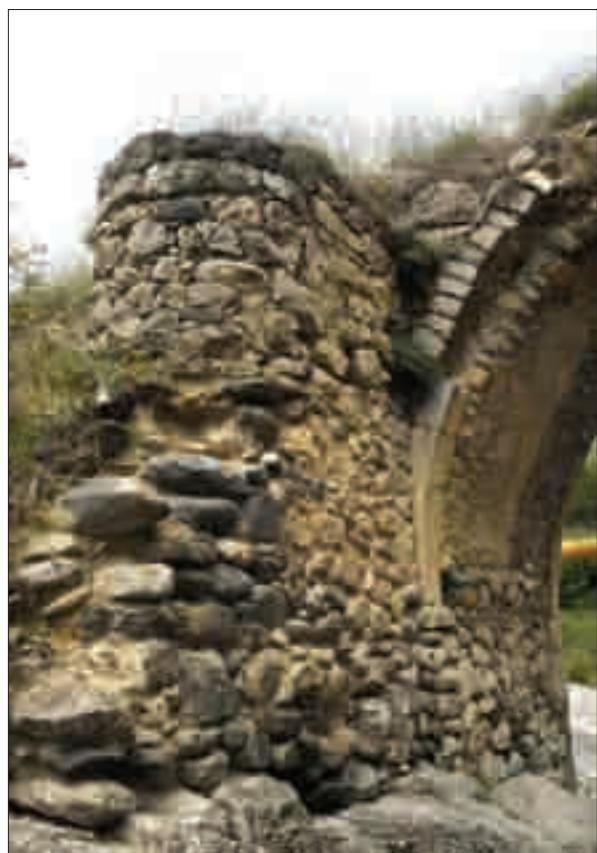
145



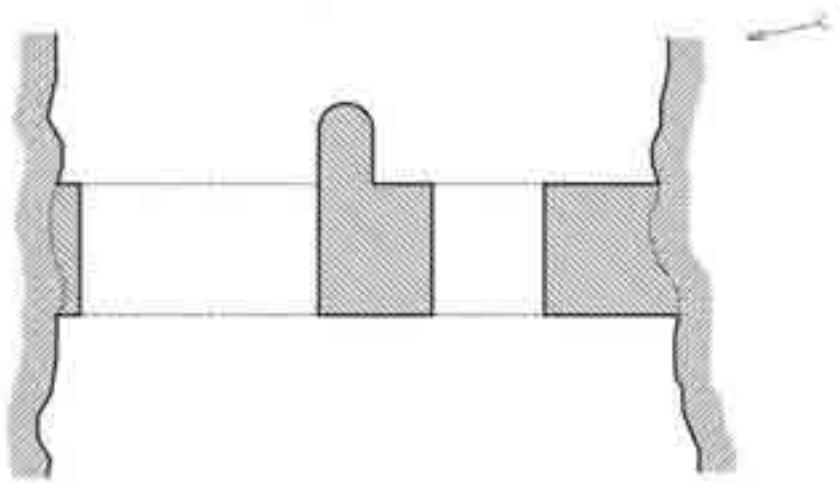
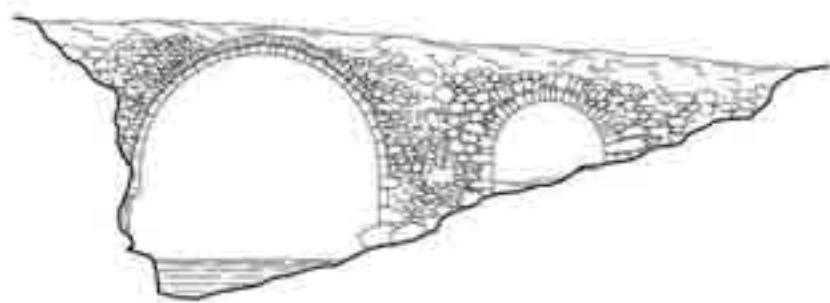
146



147



148



0 1 2 3 4 5 10a

37

109

ԼԱԼԱԶԱՐԻ ԿԱՍՏԻՌ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարադի շրջանում՝ Որտսան գետի (այս մասում գետն ավելի հայտնի է Բարգուշատ անվամբ) ստորին հոսանքի շրջանում: Կառուցել է խնձորեսկի Հովակիմ Լալազարյանցը 1867 թ., իսկ 1900-1902 թթ. նորոգել է որդին՝ Արմենի Ամենանոր «Խնձորեսկ գիւղացի Յովակիմ Լալազարեանցի՝ 1860-ական թուականներին Բարգուշատ գետի վրա կառուցած քարե կամուրջը քայրայված էր, անպէտքացած: Այժմ նա վերանորոգված է և արդեն համարեա պատրաստ է: Վերանորոգողը հանգուցեալի որդի Ամենանոր է. նրա ծախսով ճիշտ տարի ու կես է, ինչ աշխատանքներ էին կատարվում կամուրջի վերանորոգութեան վրա: Ինքը, Արմեն Լալազարեանցը, անձամբ հսկում էր այդ գործի վրա»¹: Կամրջի հիմնադրման և նորոգության տարեթվերը տակավին ընթերցվում են նաև ծախսավիճայ խելից վեր՝ գետի հոսքը ազուցված 10 տողանոց շինարարական արձանագրության մեջ, որը դեռևս խորհրդային տարիներին աղբեջանական վանդալները միտումնավոր կերպով քերել են (հայաշեն կամուրջը վայելելը, սակայն միաժամանակ կառուցողի հիշատակագիրը ոչնչացնելը աղբեջանա-թուրքական միջավայրին այնքան հարազատ և ծանր ձեռագիր է. հմնտ. Շամախու, Վաղարշավանի, Մոլու, Շատախ և այլ կամուրջները): Կամրջի զույգ քոփչքներն ունեն 13,84 և 12,66 մ երկարություն, 4,31 մ անցուղու լայնություն և ջրի մակարդակից 9,10 մ բարձրություն: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°26'27.66", E 46°27'45.90":

¹ «Մշակ», 1902, № 161, էջ 2:

МОСТ ЛАЛАЗАРА

Находится в районе Кашатах Республики Арцах (НКР), в области нижнего течения реки Воротан (в этом месте река более известна под названием Баргушат). Мост был построен в 1867-ом году хндзорескцем Овакимом Лалазарянцем, а в 1900-1902 годах отремонтирован его сыном – Симеоном. “Каменный мост, построенный в 1860 годах на реке Баргушат жителем села Хндзореск Овакимом Лалазарянцем, был расшатан и стал непригоден. Ныне он отремонтирован и уже почти готов. Инициатор ремонта сын покойного – Симеон. На его средства уже год с половиной, как проводились работы по ремонту моста. Сам Симеон Лалазарянц лично наблюдал за этим делом”¹. Даты основания и ремонта прочитываются также в 10-и строчной строительной надписи на камне, встроенным на потоконаправленном фасаде в верхней части левобережной опоры, которую еще в советские годы азербайджанские варвары умышленно стерли (это такой родной и знакомый почерк для азеротурецкой среды – пользоваться армянским мостом и в то же время, уничтожать памятную надпись строителя; срав. например мосты в Шамахе, Вагаршаване, Моксе, Шатаке и т.д.). Мост – двухпролетный. Длина одного пролета – 13,84 м; другого – 12,66 м; ширина проезжей части – 4,31 м; высота над уровнем воды – 9,10 м. Географические координаты: N 39°26'27.66", E 46°27'45.90".

¹ “Մշակ”, 1902, № 161, с. 2 (на арм. яз.).

BRIDGE OF LALAZAR

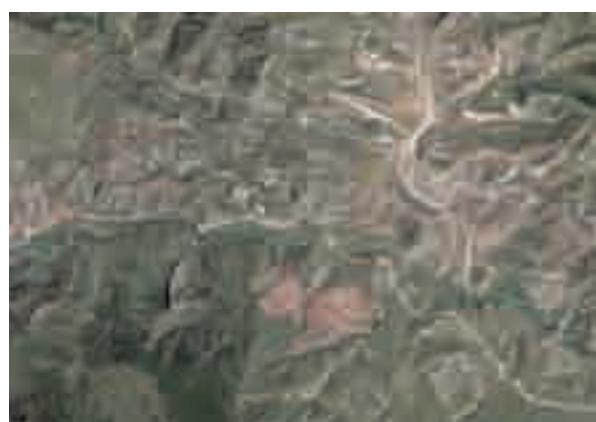
The bridge of Lalazar stretches over the river Vorotan—in the area of its lower course, where it is more known by the name Bargushat—in Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK). Built by Hovakim Lalazarians from Khendzoresk in 1867, it was later repaired by his son Simeon between 1900 and 1902: “The stone bridge over the river Bargushat, erected by Hovakim Lalazarians from Khentzoresh Village in the 1860s, used to be in a state of dilapidation; now it has undergone overhaul and is almost ready [for further use]. The renovation was conducted by the deceased Lalazarians’s son Simeon; thanks to his financial assistance, the bridge was under repairs for exactly a year and a half, he himself supervising the work.”¹

The years marking the foundation and renovation of the bridge of Lalazar can still be read in its construction inscription (10 lines in the Armenian original) once engraved above its left-bank pier, on its facade looking downstream. In the Soviet years, this inscription was deliberately scraped away by the Azeri vandals. To enjoy using a bridge built by the Armenians, at the same time obliterating the words of commemoration left by its founders—a mode of behaviour so typical of Azeris and Turks (cf. the bridges of Shamakhi, Vagharshavan, Moks, Shatakh and many other places). The spans of the bridge are 13.84 and 12.66 metres in length. Passage width: 4.31 metres; height above water level: 9.10 metres; geographical coordinates: N 39°26'27.66", E 46°27'45.90."

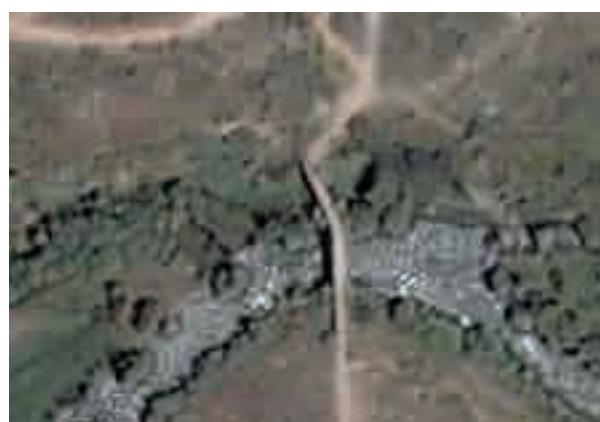
¹ Mshak, 1902, No. 161, p. 2 (the original in Armenian).



149



150



151



152



153



154



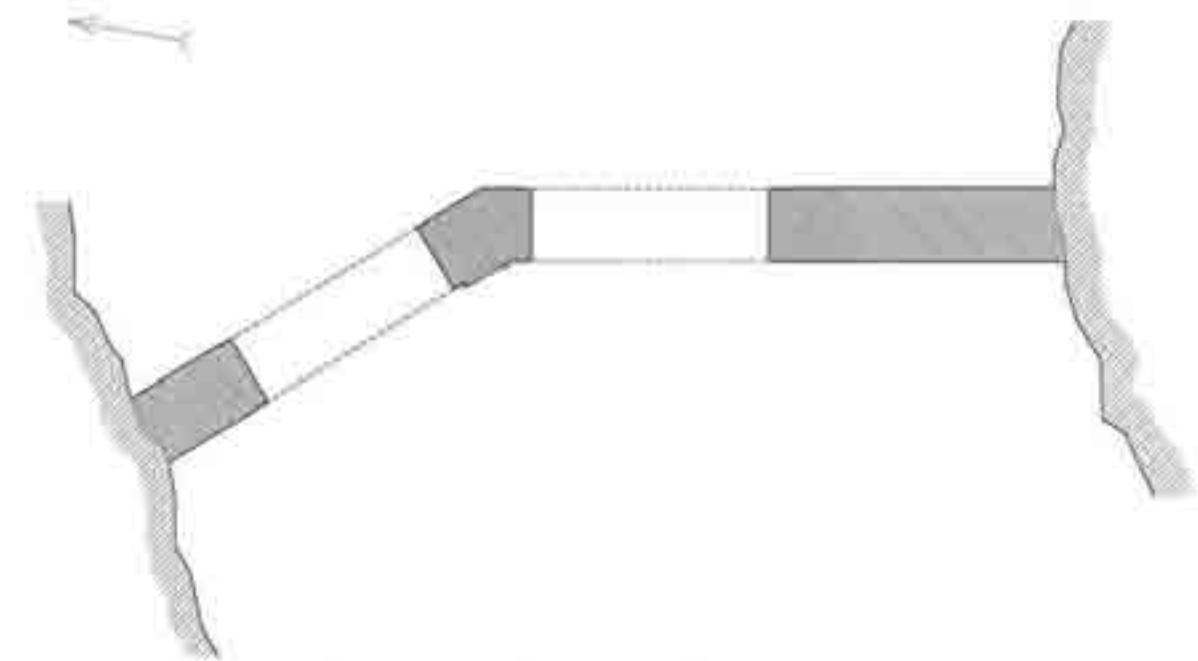
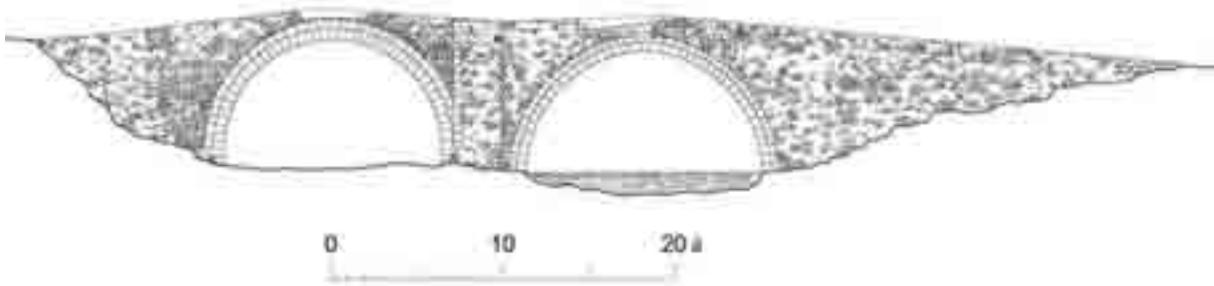
155



156



157



38

ԾԵՆԻ ԿԱՍՈՒԻՇ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հադրութի շրջանի Մարիամաձոր գյուղում՝ գյուղամիջուկ հոսող վտակի վրա՝ «Ծենի» աղբյուրի հարևանությամբ:

Երեք քարերին փորագլված արձանագրությունների համաձայն՝ կառուցվել է 1869 թ.:

Կամրջի՝ գետի հոսքընդուն ճակատին՝ 6 տող.

Այս աղբուրս եւ կարմունճս / յիշա/տակ է ծնողաց / մերոց, Դաւիթիս եւ Գրիգորիս / Ասրիեան, 1869 ամի:

Կամրջի կամարի կողմեր քարին.

Գրիգոր Ասրիեան Հո.../...սեց: / Ծինեցի / ուստա...:

Կամրջի հյուսիսարևելյան մասում.

...ակաւոր / ...ուստ Շատի / Դաւիթ կա....:

Հրատ. առաջին անգամ:

МОСТ ШЕНА

Находится в селе Мариамадзор Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на протекающей по селу притоке, близ родника “Шен”.

Согласно высеченным на трех камнях надписям (см. тексты надписей в армянском варианте), мост построен в 1869 году. На потокопротивном фасаде моста – 6 строк:

Пер. *Сии родник и мост в память о родителях наших, Давида и Григора Асриянов, 1869 году.*
На замковом камне арки моста:

Пер. *Григор Асриян Хо... Построил мастер...*

В северо-восточной части моста:

Пер. *...ный... Шати, Давид...*

Изд. впервые.

BRIDGE OF SHEN

The bridge of Shen is situated over a tributary in the vicinity of a spring called *Sheni*, in Mariamadzor Village, Hadrut District, Republic of Artsakh (RMK).

The bridge bears three inscriptions carved on separate stones (see the originals in the Armenian text). One of them reports the year of its construction, i.e. 1869.

Six lines in the Armenian original carved on the current-resisting facade (the facade looking up-stream) of the bridge:

Transl.: This spring and bridge are in memory of our parents, David and Grigor Asriyan, 1869.

Engraved on the capstone of the arch:

Transl.: Grigor Asriyan ... I, usta, built...

Carved on the north-eastern part of the bridge:

Transl.: ...Shati David...

Published for the first time.



ԳԱՆԴԶԱԿԻ ՆՈՐ ԿԱՍՊԻՇՉ

Գտնվում է Հյուսիսային Արցախի Գանձակ քաղաքում՝ համանուն գետի վրա: Հայտնի է, որ 1870 թ. հունիսի 26-ին Գանձակ գետի վարարման հետևանքով վնասվել էր քաղաքի ճախափնյա քաղաքնայի բաղի հետ կապող փայտե կամուրջը¹: Մինչ այդ՝ նոյն թվականի վեստրվարի վերջերին, սկսվել էին նոր կամրջի շինարարական աշխատանքները, ընդ որում, կառուցման համար կառավարությունը հատկացրել էր 70.000 ռուբլի, որից մոտ 20.000-ը՝ քարե հատվածի համար: Կառույցը, որը հունիսի վերջերին արդեն գրեթե պատրաստ էր, աչքի էր ընկել իր հետաքրքիր հորինվածքով. «...կամրջակաները կամրջայուներից գտնվում էին 12 սաժեն հեռավորության վրա, սակայն չնայած այդքան մեծ տարածությանը, կամրջը պետք է ունենար ոչ թե սովորական կամարներ, այլ երկար վանդակավոր հեծաններ»²:

1880 թ. նոյն կամրջի մասին «Կովկասի» թոթակիցը նշել է. «Գանջինկայի կամրջը՝ երկար, ...քարե կամրջակալներով, հոյակապ կառույց է...»³:

¹ “Կավկազ”, 1870, № 76, ս. 2.

² Նոյն տեղում (բնագրում) “...устои моста отстоять отъ быка въ 12 саженяхъ, но несмотря на такое большое разстояние, мостъ будетъ не на обыкновенныхъ сводахъ, а на железныхъ, решеточныхъ балкахъ”:

³ **Иксъ**, Губернский город Елисаветополь, “Կավկազ”, 1880, № 243, с. 1-2.

70

МОСТ ГАНДЗАКА НОР (новый)

Находится в городе Гандзак Северного Арцаха, на одноименной реке. Известно, что 26-го июня 1870 года из-за разлива реки Гандзак был поврежден деревянный мост, связывавший левобережные кварталы с правобережным кварталом Килисакянд¹. До этого, в конце февраля было начато строительство нового моста, причем, на его постройку правительством было выделено 70 000 рублей, из которых 20 000 – на постройку каменной части. Сооружение, которое в конце июня было почти готово, отличалось своей интересной композицией: “...устои моста отстоять отъ быка въ 12 саженяхъ, но несмотря на такое большое расстояние, мостъ будетъ не на обыкновенныхъ сводахъ, а на железныхъ, решеточныхъ балкахъ”².

В 1880 году корреспондент “Кавказа” писал: “Мост Ганджинки, с железными, ...каменными устоями, великолепное сооружение...”³.

¹ “Կավկազ”, 1870, № 76, ս. 2.

² Там же.

³ **Иксъ**, Губернский город Елисаветополь, “Կավկազ”, 1880, № 243, с. 1-2.

70

NEW BRIDGE OF GANDZAK

This bridge lies over the river Gandzak, in the town of the same name in Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. On 26 June 1870, the river overflowed its banks and damaged the wooden bridge connecting the left-bank quarters of the town with Kilisakyand Quarter located on its right side.¹ Prior to that, late in February of the same year, the construction of a new bridge had started in Gandzak with a budget of 70,000 roubles allocated by the Government, including 20,000 roubles for the stone part of the future monument. By the end of June, the bridge was almost completed, representing a structure of quite a remarkable composition: “...the foundations of the bridge were within 12 sazhens of its piers, but despite that long distance, it was to have lattice girders of iron and not ordinary arches.”²

In 1880 a correspondent of the *Kavkaz* wrote: “The iron bridge of Ganjinka... is a magnificent structure of stone piers...”³

¹ *Kavkaz*, 1870, No. 76, p. 2 (the original in Russian).

² Ibid. (see the quotation in the Russian text).

³ **Иксъ**. The Principal Town of the Province: Yelisavetpol. In: *Kavkaz*, 1880, No. 243, pp. 1-2 (the original in Russian).

ՆԵՐՁԻ ՀԱՆԴԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբափ Բանանց գյուղի 3,5 կմ հյուսիս-արևելք՝ Արդինաջոր գետի վրա: Հայտնի է, որ այս քարաշեն կամուրջը կառուցվել է 1870 թ. Բանանց-Գանձակ ճանապարհահաստվածի շինարարության հետ մեկտեղ¹: Քանդվել է 1945 թ. Գանձակ-Քարհաս երկարութագծի շինարարության ժամանակ կատարված պայթեցումների հետևանքով:

1 «Նոր-Դար», 1887, № 113, էջ 3:

МОСТ НЕРКИ ХАНД

Находится в 3,5 км северо-восточнее села Бананц (армянское население было насилиственно изгнано в 1988 году), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Артинаджур. Известно, что этот каменный мост был построен в 1870 году одновременно со строительством участка дороги Бананц—Гандзак¹. Мост был разрушен в 1945 году в результате взрывных работ на строительстве железнодорожного пути Гандзак—Кархат.

1 “Нор-Дар”, 1887, № 113, с. 3 (на арм. яз.).

BRIDGE OF NERKI HAND

The stone-built bridge of Nerki Hand is situated over the river Artinajoor, 3.5 kilometres north-east of Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. Erected in 1870 parallel with the construction of the road Banants-Gandzak,¹ it was ruined in the aftermath of explosion during the building of the railway line of Gandzak-Karhat in 1945.

1 *Nor-Dar*, 1887, No. 113, p. 3 (the original in Armenian).

ՇԱՄԿՈՐԻ ՆՈՐ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Աղբեջանին բնակցված Հյուսիսային Արցախի Շամքոր քաղաքատեղի հին կամրջի հարևանությամբ: Քարաշեն նոր կամրջի շինարարությունն իրականացվել է Ժմ՛ դարի կեսին գանձակեցի Ալրունյանցի ծախսով և բնակիչների օժանդակությամբ, ընդ որում, միայն շինանյութի փոխադրման համար գործածվել է 3.000 սայլ¹:

1 “Акты собранные Кавказскою археографическою комиссию”, том XI, Тифлис, 1888, с. 817 (բնագիրը տեսնութեան բաժնում):

МОСТ ШАМКОРА НОР (новый)

Находился по-соседству со старым мостом городища Шамкор Северного Арцаха, аннексированного Азербайджаном. Строительство этого каменного моста было осуществлено в середине 19-го века: “Строит Елизаветопольский житель милиции шт.-ротм. Алтунов, на собственный счет, с нарядом от жителей 3000 ароб для перевозки материалов”¹.

1 “Акты собранные Кавказскою археографическою комиссию”, том XI, Тифлис, 1888, с. 817.

NEW BRIDGE OF SHAMKOR

The new bridge of Shamkor Town Site, Shamkor District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then—which is located close to an older bridge, goes back to the mid-19th century. It was built of stone under the patronage of Altuniants from Gandzak, with the support of the local inhabitants (3,000 carts were used for only the transportation of building material).¹

1 Collected Acts of the Caucasian Archaeological Commission, vol. 11, Tiflis, 1888, p. 817 (see the quotation in the Russian text).

ԹԱՐԳՄԱՆՉԱՑ ՎԱՆՔԻ ԿԱՄՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Քարհատի (Դաշկեսան) շրջանի՝ 1988 թ.-ից հայարափ Խաչակապ գյուղի Թարգմանչաց վանքի հյուսիսարևելյան կողմում՝ դեպի Խաչակապ ձգվող ճանապարհին: Թաղակապ միարժիք կամուրջը կառուցվել է հայտնի բարեգործ Ալեքսանդր Թայրյանի միջոցներով 1880-1883 թթ.: Ունեցել է շինարարական հետևյալ արձանագրությունը.

Ծինեցաւ կամուրջս, երկու վերստ ճանապարհն սուրբ վանուց ծախսիք երևանցի Աղքասանդր Սկրտչևան Թայրեանցի, 1880-1883:

Հրատ. Կարապետյան Ս., Հյուսիսային Արցախ, Բեյրութ, 2004, էջ 233:

Կամրջի կառուցման մասին հիշատակվել է նաև եկեղեցու մուտքին¹:

1 «Արձագանք», 1886, № 21, էջ 309:

МОСТ МОНАСТЫРЯ ТАРГМАНЧАЦ

73 Находится на северо-восточной стороне монастыря Таргманчац села Хачакап (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано) района Кархат (Дашкесан), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, по дороге в Хачакап. Однопролетный, сводчатый мост был построен в 1880-1883 годы на средства известного мецената, ереванца Александра Таирянца. Присутствовала строительная надпись (см. текст надписи в армянском варианте), повествующая о строительстве моста:

Пер. Построен сей мост, двухверстная дорога из святой обители на средства ереванца Александра Мкртычевича Таирянца, 1880-1883.

Изд. Карапетян С., Северный Арцах, Бейрут, 2004, с. 233 (на арм. яз.).

О строительстве моста упоминалось, также, над входом в церковь¹.

1 “Ардзаганк”, 1886, № 21, с. 309 (на арм. яз.).

BRIDGE OF TARGMANCHATS CLOISTER

The bridge stretches on a road leading to Khachakap Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then—in the north-east of Targmanchats Cloister. A single-span vaulted structure, it was erected through prominent benefactor Alexandre Tayiriants’s means between 1880 and 1883. Its construction inscription (see the original in the Armenian text) reads:

Transl.: This bridge [and] two-verst road [leading] to the holy monastery were built under the patronage of Alexandre Mkrtychian Tayiriants from Yerevan, 1880 to 1883.

Published in: Karapetian, S. Northern Artsakh. Yerevan, 2007, p. 195.

Another inscription commemorating the foundation of the bridge is preserved on the entrance to the church of the cloister.¹

1 Ardzagank, 1886, No. 21, p. 309 (the original in Armenian).

ԳՅՈՒՐԳՅՈՒ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբեջանին բռնակցված և 1992 թ.-ից հայարավի Շահումյանի շրջանի Ղարաչինար գյուղի հյուսիսային եզրին՝ Սևջոր գետի վրա։ Կամքջի հոսքընթաց ճակատին մինչև 1992 թ. պահպանվում էր շինարարական հետևյալ արձանագրությունը։

Ղարայիշինար գլեղջ. / 1885 ամի. յիշատակ է կամուրջս Միրապին, Պետրոսին, Աւագեանց / Յօհան-Աէսին և իր / որդուոյն երից։

Հրատ. առաջին անգամ։

Միաբղյակը է։ Շարպածքն իրականացված է հանակ սրբատաշ և կոպտատաշ քարով, կրաշաղախով։ Թռիչքը 6,18 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 5,20 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 5,60 մ։

МОСТ ГЮРГЮР

74 Находится на северной окраине села Гарачинар (армянское население было насилиственно изгнано в 1992 году) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР), на реке Севджур. На потоконаправленном фасаде моста до 1992 года сохранилась строительная надпись (см. текст надписи в армянском варианте):

Пер. *Село Гарачинар год 1885 в память сей мост о Мирапе, Петросе, Авагянце Ованнесе и его сыновьях трех.*

Изд. впервые.

Мост — однопролетный. Кладка осуществлена целиком из гладко и грубо тесаного камня, на известковом растворе. Длина пролета — 6,18 м; ширина проезжей части — 5,20 м; высота над уровнем воды — 5,60 м.

BRIDGE OF GYURGYUR

74 The bridge extends across the river Sevjoor at the northern extremity of Gharachinar Village, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK). Until 1992, its construction inscription (see it in the Armenian text) was preserved on its facade looking downstream:

Transl.: Gharachinar Village, 1885. This bridge is in memory of Mirap, Petros, Avagiants Hovhannes and his three sons.

Published for the first time.

The bridge of Gyurgyur represents a single-span structure of entirely finely-finished and roughly-dressed stones with mortar.

Span length: 6.18 metres; passage width: 5.20 metres; height above water level: 5.60 metres.





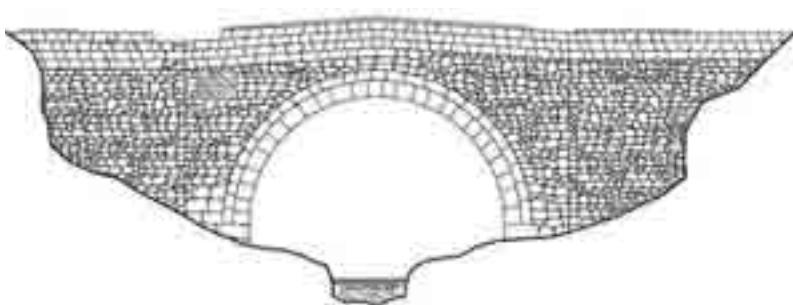
162



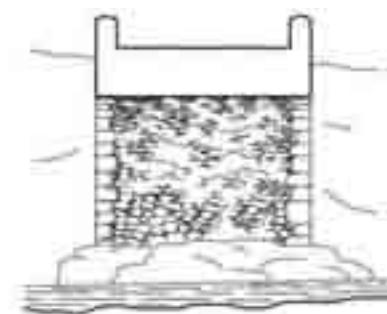
163



0 30 100 m



39



119

Հ

ՀԵԼԵՆԵՆԴՈՐՓԻ ԿԱՍՏԻՌՁ

Գտնվում է Աղբեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբափ Ոսկանապատ գյուղից 5 կմ հյուսիս-արևելք՝ Գանձակ գետի վրա: Եռաթռիչը կամուրջը կառուցվել է ժմ՛ դարում մերձակա հայաբնակ զյուկերից հրավիրված վարպետների ձեռքով տվյալ վայրում ակնհայտորեն դեռևս միջնադարում գոյություն ունեցած կամքջի տեղում:

75

МОСТ ХЕЛЕНЕНДОРФА

Находится в 5 км северо-восточнее села Восканапат (армянское население в 1988 году было насилиственно изгнано), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Гандзак. Этот трехпролетный мост был построен в 19-ом веке руками армянских мастеров из окрестных сел на месте старого моста—явно существовавшего еще со средневековья.

75

BRIDGE OF HELENENDORF

The bridge of Helenendorf is situated over the river Gandzak, 5 kilometres north-east of Voskanapat Village, Khanlar District, Northern Artsakh, a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. It represents a three-span structure of the 19th century that was erected in the site of an older bridge—most presumably, still standing as of the Middle Ages—by masters invited from the neighbouring Armenian-inhabited villages.

163



120

79

ԳԱՐԻ (ԳԱՐԻՆԻ, ԳԱՐԵԳԻՆԻ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբքաջանին բռնակցված Շահումյանի շրջանի՝ 1991 թ.-ից հայարափ Գետաշեն գյուղի միջով հոսող Կուրակ գետի վրա (Տերի կամ Տերունց կամրջից ավելի ցած): Գարի կամուրջը կառուցել է Դուլունց Գարեգինի հայրը՝ Զորին, 1880-ական թվականների սկզբներին: Եղել է քարաշեն, միաբղիչք, քաղաքապ կամուրջ:

76

МОСТ ГАРИ (ГАРИНА, ГАРЕГИНА)

Находится в селе Геташен (армянское население в 1991 году было насильственно изгнано) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР), на реке Курак, протекающей по селу (ниже мост Тери или Терунц). Мост был построен Зорием, отцом Гарегина Дулунца, в начале 1880 годов. Это было каменное, однопролетное сводчатое сооружение.

76

BRIDGE OF GAR (GARIN, GAREGIN)

The vaulted single-span bridge of Gar is located over the river Kurak (farther downward the bridge of Ter or Terunts) flowing through Getashen Village, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1991—Republic of Artsakh (RMK). It was built of stone by Garegin Dulunts's father Zori in the early 1880s.

77

ՍԵՓԱՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբքաջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայարափ Բանանց գյուղում՝ Արդինաջոր գետի վրա: Կառուցվել է 1886 թ.՝ մեկ տարվա ընթացքում, գյուղի տանուտեր Ստեփան Հովհաննիսյանցի նախաձեռնությամբ գյուղացիների ծախսով (2 000 ռ.):¹

¹ «Նոր-Դար», 1887, № 113, էջ 3:

МОСТ СТЕФАНА

Находится в селе Бананц (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на реке Артинаджур. Мост был построен в течение одного, 1886 года, по инициативе Стефана Ованисянича на средства сельчан (2 000 руб.)¹.

¹ “Нор-Дар”, 1887, № 113, с. 3 (на арм. яз.).

77

BRIDGE OF STEPAN

This is another bridge lying over the river Artinajoor in Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. It was erected within a year (1886) on Village Head Stepan Hovhannissiants's initiative and through the local people's means (2,000 roubles).¹

¹ *Nor-Dar*, 1887, No. 113, p. 3 (the original in Armenian).

78

ԲԱՂԵՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում էր Աղբքաջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայարափ Բանանց գյուղի «Բաղեր» տեղամասում: Կառուցվել է 1886 թ. Արդինաջոր գետի վրա՝ «Քուրդունց ձորի դիսում»¹: Եղել է միաբղիչք, շարված անմշակ քարով, կրաշաղախով:

¹ «Նոր-Դար», 1887, № 113, էջ 3:

78

МОСТ БАГЕРА

Находился на участке “Багер” села Бананц (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха. Построен на реке Артинаджур, на месте, которое называется “Курдунц дзори рхум”¹. Мост был однопролетным, построенным из необработанного камня, на известковом растворе.

¹ “Нор-Дар”, 1887, № 113, с. 3 (на арм. яз.).

78

BRIDGE OF BAGHER

This single-span bridge, which goes back to 1886, extended over the river Artinajoor, “at the edge of Kurdunts Gorge,”¹ in a site called *Bagher* in Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. The building material used in its construction comprised undressed stone and mortar.

¹ *Nor-Dar*, 1887, No. 113, p. 3 (the original in Armenian).

78

ԲԱՐՍՈՒՄՇԵՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբքեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Շամխորի շրջանի՝ մինչև 1988 թ. բռնակադրը գուտ հայարնակ Բարսումշեն գյուղի հարևանությամբ՝ Շամքոր գետի վրա: Կառուցումը սկսվել է 1884 թ. գյուղի բահանա Եփրեմ Մելիք-Առուստամյանցի նախաձեռնությամբ և պրիհատավ Զավադ-բեկ Մելիք-Շահնազարյանցի նյութական օժանդակությամբ¹: Գետաքարով և կրաշաղախով իրականացված կամրջի շինարարական աշխատանքներն ավարտվել են 1893 թ.-ին²: Երկրորդ կամրջի բաղերը, սակայն, տասնամյակներ անց քանդվել են, ուստի տեղացիներն այն փոխարինել են գերանակապով:

1 «Նոր-Դար», 1884, № 121, էջ 2:

2 «Նոր-Դար», 1893, № 47, էջ 3:

79

МОСТ БАРСУМШЕНА

Находится по соседству с селом Барсумшен (до насильственного изгнания населения в 1988 году село было полностью армянским) района Шамхор, аннексированного Азербайджаном, Северного Арцаха, на реке Шамкор. Строительство моста было начато в 1884 году по инициативе сельского священника Ефрема Мелик-Арустамянца и при материальной поддержке пристава Джавад-бек Мелик-Шахназарянца¹. Строительные работы, осуществленные речным булыжником и известковым раствором, были завершены в 1893 году². Своды этого двухпролетного моста спустя десятилетия обрушились, поэтому местными жителями они были заменены затянутыми бревнами.

1 “Нор-Дар”, 1884, № 121, с. 2 (на арм. яз.).

2 “Нор-Дар”, 1893, № 47, с. 3 (на арм. яз.).

80

BRIDGE OF BARSUMSHEN

The bridge is situated over the river Shamkor in the neighbourhood of Barsumshen Village—purely Armenian-inhabited until 1988—Shamkor District, Northern Artsakh, a region that suffered deportation of its Armenian population in the same year and has been annexed to Azerbaijan since then. Its construction began in 1884 on Priest Yeprem Melik-Arustamants's initiative financially supported by Police Officer Javad Bey Melik-Shahnazariants.¹ Upon the completion of the work in 1893,² it represented a double-span bridge of pebble and mortar. Within several decades, however, its vaults were reduced to ruins so that the local people had to replace them with a structure of logs.

1 *Nor-Dar*, 1884, No. 121, p. 2 (the original in Armenian).

2 *Nor-Dar*, 1893, No. 47, p. 3 (the original in Armenian).

81

ԱՍԼԱՆԱՆՑ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբքեջանին բռնակցված և 1992 թ.-ից հայարափ Շահումյանի շրջանի Վերիշեն ավանում¹: Ժամանակը՝ ԺԹ դար:

1 Ղահրամանյան Կ., Օջախի գիրք. Նշխարմներ, Երևան, 2002, էջ 58-59:

82

МОСТ АСЛАНАНЦ

Находится в поселке Веришен (армянское население в 1992 году было насильственно изгнано) Шахумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР)¹. Время строительства — 19-ый век.

1 Каграмянин К., Книга очага, Ереван, 2002, с. 58-59 (на арм. яз.).

83

ASLANANTS BRIDGE

This 19th-century bridge is located in the township of Verishen, Shahumian District—stripped of its Armenian population and annexed by Azerbaijan since 1992—Republic of Artsakh (RMK).¹

1 Ghahramanian, K. A Home Book. Relics. Yerevan, 2002, pp. 58-59 (the original in Armenian).

2||

ՄԱԿՈՒՆ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուրի շրջանի Մեծ Թաղը գյուղի հարավային եզրին՝ Իշխանագետի՝ գյուղամիջով հոսող ձախ կտակի վրա: Թոփչի երկարությունը 5,15 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,50 մ: Համաձայն կամրջի հոսքընթաց ճակատից արդեն վայր ընկած սրբատաշ քարարելորին (33 x 30 x 13 սմ) փորագրված շինարարական քառասող արձանագրության՝ կառուցվել է 1890 թ:

Յիշատակն / և Ղազար Յարութիւն Բէջանեանց, 1890:

Հրատ. առաջին անգամ:

МОСТ МАКУН

Находится на южной окраине села Мец Тахк Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на притоке реки Ишханагет. Длина пролета моста – 5,15 м; ширина проезжей части – 3,50 м. Согласно четырехстрочной надписи (см. текст надписи в армянском варианте), высеченной на гладко тесаном камне, уже выпавшем с потоконаправленного фасада, мост был построен в 1890 году:

Пер. В память о Казаре Арутюне Беджанянце, 1890.

Изд. впервые.

8||

MAKUN BRIDGE

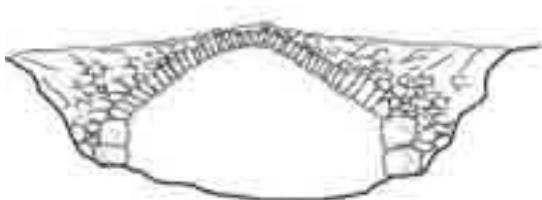
Makun Bridge (span length: 5.15 metres; passage width: 3.50 metres) lies over a tributary flowing through Metz Taghk Village towards the river Ishkhanaget, at the southern extremity of the same village (Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK)). According to its four-line construction inscription (see it in the Armenian text) on a finely-finished piece of stone (33 x 30 x 13 centimetres)—once set in the facade of the bridge looking downstream, but at present fallen off its original place—it dates back to 1890.

Transl.: In memory of Ghazar Harutiun Bejanants, 1890.

Published for the first time.



164



0 1 2 3 4 5 6

40



0 1 2 3 4



0 1 2 3 4

21

ԱՌԱՋԱՋՈՐԻ ԿԱՄՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Առաջաձոր գյուղի հյուսիսարևելյան եզրին՝ գյուղամիջով հոսող Խաչեն գետի ձախ վտակի վրա: Թոփշը երկարությունը 4,30 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 3,20 մ, լայնացնելուց հետո՝ 4,27 մ: Ժամանակը՝ ժթ դար:

82

МОСТ АРАЧАДЗОРА

Находится на северо-восточной окраине села Арачадзор Мартакертского района Республики Арцах (НКР), на левом притоке текущей по селу реки Хачен. Длина пролета — 4,30 м; ширина проезжей части до расширения — 3,20 м; после — 4,27 м. Время строительства — 19-ый век.

82

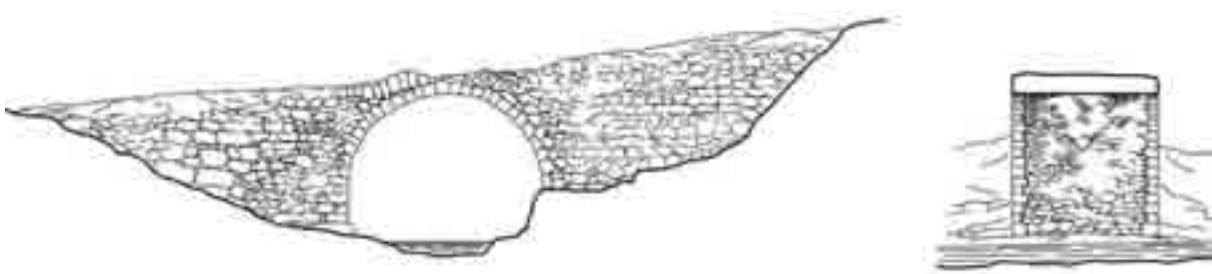
BRIDGE OF ARAJADZOR

This is another 19th-century bridge situated across one of the left tributaries of the river Khachen, at the north-eastern edge of Arajadzor Village, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK).

Span length: 4.30 metres; original passage width: 3.20 metres, and 4.27 metres after its widening.



165



41

124

29

ԾԵՆԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հադրութի շրջանի Ծամձոր գյուղում: Թռիչքը 5,20 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,06 մ: Կառուցված է կոփած և անմշակ քարով, կրաշաղախով: Ժամանակը՝ Ժթ-ի դարերի սահմանագլուխ: Աշխարհագրական կոորդինատներն են՝ N 39°29'44.76", E 46°57'58.26":

30

МОСТ ШЕНА

Находится в селе Цамдзор Гадрутского района Республики Арцах (НКР). Длина пролета – 5,20 м; ширина проезжей части – 4,06 м. Построен из грубо тесаного и необработанного камня, на известковом растворе. Время строительства – рубеж 19-20 веков. Географические координаты: N 39°29'44.76", E 46°57'58.26".

31

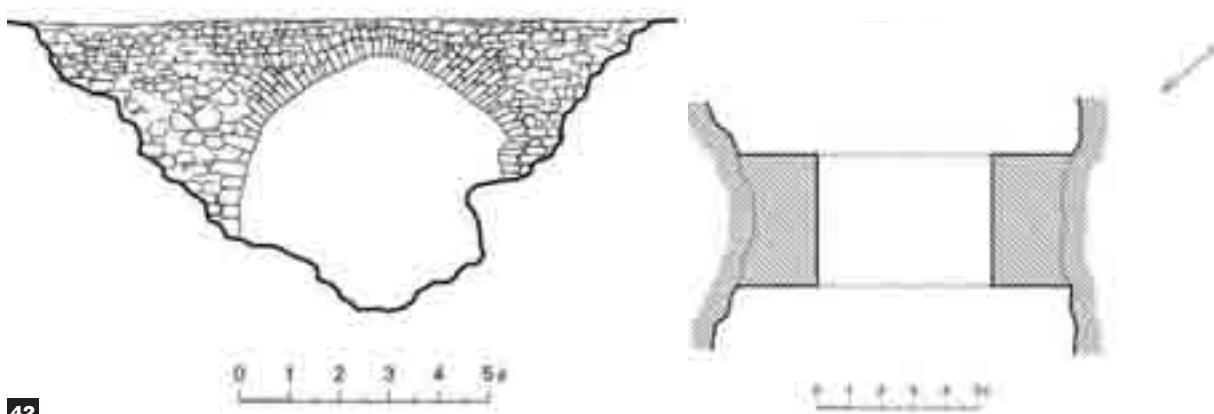
BRIDGE OF SHEN

The bridge is located in Tzamdzor Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK). A structure of hewn and undressed stone with mortar, it dates back to the period between the late 19th and early 20th centuries.

Span length: 5.20 metres; passage width: 4.06 metres; geographical coordinates: N 39°29'44.76," E 46°57'58.26."



166



42

125

21

ՏԵՐԻ (ՏԵՐՈՒՆՑ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության՝ Աղբքեջանին բռնակցված Շահումյանի շրջանի՝ 1991 թ.-ից հայարափ Գետաշեն գյուղում՝ Կուրակ գետի վրա: Կառուցվել է ժմ՛ դարավերջին կամ Ի դարավզրին Գետաշենի տանուտեր Առստամ Եպիսկոպոսյանի նախաձեռնությամբ կարգավանց համագյուղացիներից իրեն սուրանք գանձված գումարների հաշվին¹: Կամրջախելերը եղել են քարաշեն, իսկ բոիչքը՝ փայտից:

¹ «Նոր-Դար», 1887, № 127, էջ 3: Տես նաև «Մշակ», 1913, № 123, էջ 2:

84

МОСТ ТЕРИ (ТЕРУНЦ)

Находится в селе Геташен (армянское население в 1991 году было насильственно изгнано) Шаумянского района, аннексированного Азербайджаном Республики Арцах (НКР). Мост построен в конце 19-го или начале 20-го веков по инициативе старости Геташена — Арстама Епископоясина, за счет суммы, вычтенной в качестве штрафа с односельчан, нарушивших порядок¹. Опоры моста были построены из камня, а пролет — из дерева.

¹ “Нор-Дар”, 1887, № 127, с. 3. См. также “Мшак”, 1913, № 123, с. 2 (на арм. яз.).

84

BRIDGE OF TER (TERUNTS)

The bridge of Ter stretches across the river Kurak in Getashen Village—stripped of its Armenian population and occupied by Azerbaijan since May 1991—Shahumian District, Republic of Artsakh (RMK). It was erected either in the late 19th, or early 20th, century on the initiative of Village Head of Getashen Arstam Yepiskopossian with an amount of money accumulated on account of the fines paid by the local disobedient inhabitants.¹ The bridge piers were built of stone, and the span of wood.

¹ *Nor-Dar*, 1887, No. 127, p. 3; *Mshak*, 1913, No. 123, p. 2 (the originals in Armenian).

22

ՔԱՐԵ (ՀԱԹԱՄԻ, ՄՈՒՐՈՒԹԱՆՑ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուրի շրջանի Դրախտիկ գյուղից 2,4 կմ հարավ՝ Իշխանագետի վրա: Ժամանակը՝ ժմ՛ դար:

85

МОСТ КАРЭ (ХАТАМИ, МУРУТАНЦ)

Находится в 2,4 км южнее села Драхтик Гадрутского района Республики Арцах (НКР), на реке Ишханагет. Время строительства — 19-ый век.

85

KARE (HATAM's, MURUTANTS) BRIDGE

This bridge (19th century) lies over the river Ishkhanaget, 2.4 kilometres south of Drakhtik Village, Hadrut District, Republic of Artsakh (RMK).

22

ՔՉԱՂԲՅՈՒՐԻ ԿԱՍՊԻՇ

Գտնվում է Աղբբեջանին բոնակցված Հյուսիսային Արցախի՝ 1988 թ.-ից հայաբավի Քարիատի (Դաշկեսան) շրջանի Խաչակապ գյուղի հարավարևելյան եզրին: Սիարթիչը է, կամարակապ: Բացառությամբ քաղաքիր կամարի ամելյունաքարերի, որոնք սրբատաշ են, կառուցված է անմշակ քարով, կրաշաղախով: Կամրջի թռիչքը 3,95 մ է, անցողությունը՝ 4,05 մ: Հետազայում կամուրջը լայնացնելու նպատակով հավելվել է ևս 3 մ: Ժամանակը՝ Ժթ-ի դարերի սահմանագլուխ:

8/6

МОСТ КЧАХБЮР

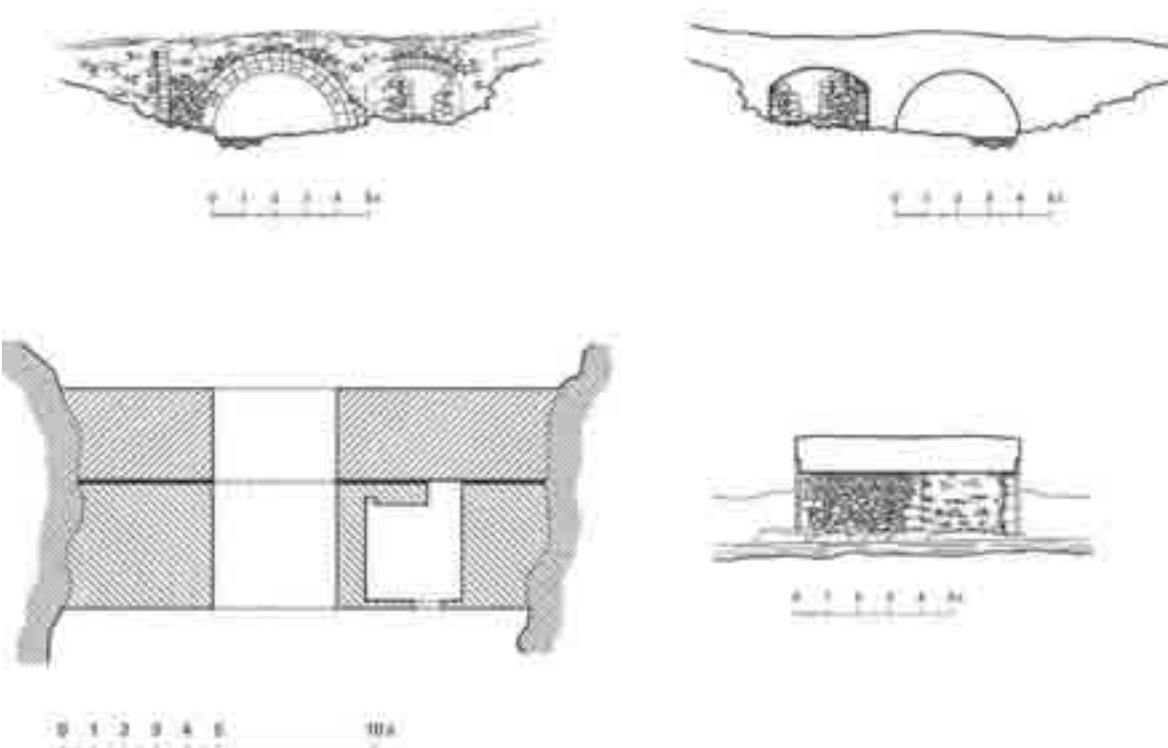
Находится на юго-восточной окраине села Хачакап (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано) района Кархат (Дашкесан), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха. Мост — однопролетный, арочный. Кроме гладко тесанных краеугольных камней несущей свод арки, остальные части построены из необработанного камня, на известковом растворе. Длина пролета — 3,95 м; ширина проезжей части — 4,05 м. В дальнейшем ширина моста была увеличена на 3 м. Время строительства — рубеж 19-20 веков.

8/6

BRIDGE OF KCHAGHBYOOR

The single-span, vaulted bridge of Kchaghbyoor (late 19th to early 20th centuries) is situated at the south-eastern extremity of Khachakap Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. Except for the cornerstones of the vault-bearing arch that are finely-finished, the other parts of the bridge are laid with undressed stone and mortar.

Span length: 3.95 metres; original passage width: 4.05 metres (subsequently widened by 3 metres).



ՀԵ-ՀՊ

ԲԱՆԱՆՑԻ ԿԱՍՈՒՐՁՆԵՐ

Գտնվում են Աղբբեզանին բռնակցված Հյուսիսային Արշախի Քարհատի (Դաշկեսան) շրջանի՝ 1988 թ.-ից հայարափ Բանանց գյուղում՝ գյուղամիջով հոսող Արքինաջուր գետի ձախակողմյան վտակի վրա: Ունեն միջինը 3 մ բռիչք, կիսաշրջանաձև քաղաք:

07-08

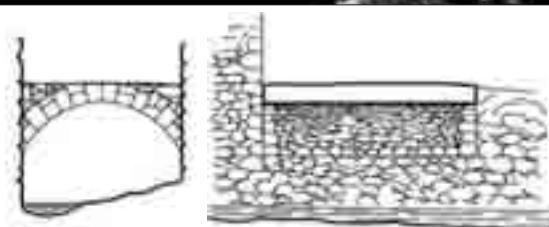
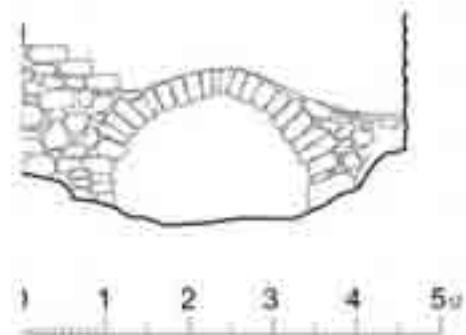
МОСТЫ БАНАНЦА

Находятся в селе Бананц (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано) района Кархат (Дашкесан), аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха, на левом притоке протекающей по селу реки Артинаджур. У мостов полукруглые пролеты, длина которых в среднем 3 м. Построены из необработанного камня, на известковом растворе.

07-08

BRIDGES IN BANANTS

These bridges extend over one of the left tributaries of the river Artinajoor flowing through Banants Village, Karhat (Dashkesan) District, Northern Artsakh—a region that suffered deportation of its Armenian population in 1988 and has been annexed to Azerbaijan since then. Each of them has a semi-circular vault with a span length of 3 metres on average. The main building material used in their construction comprises undressed stone and mortar.



44

0 1 2 3 4 5



45

ՀՊ-Դ

ՄԱԶԻ (ԳԵՏԻ ԳՈՄԵՐԻ) ԿԱՍՈՒՐՁՆԵՐ

Գտնվում են Արցախի Հանրապետության Մարտակերտի շրջանի Մեծշեն և Տոնաշեն գյուղերի միջա-սահմանին՝ Մատաղիսի Տրտու (Թարթառ) գետի հովտով դեպի Զրաբերդ ձգվող ճանապարհի միջնամա-սում, միմյանց կից: Համաձայն շինարարական արձանագրության՝ երկորդ կամուրջը կառուցվել էր 1902 թ. տոնաշենցի Հարություն Հայրապետյանցի նյութական օժանդակությամբ և վարպետ Արրահամ Քա-մալյանցի ջանքերով.

Հայս կամուրջս շինվեց 1902 թ. Տոնաշեն գյուղացի Հարություն Հայրապետյանի ծախսով: Այս գարմուրջին վարպետը է Գյունէ ճարտարեցի Արրահամ Քամալյանց, 1902 թ.:

Հրատ. առաջին անգամ:

Կամրջին կից առկա է ակնհայտորեն ավելի հին՝ հավանաբար միջին դարերից ավանդված և վստա-հարար շատ ավելի վաղ կործանված մեզ այլ կամրջի մնացորդներ (ավելի լավ է պահպանվել ձախակողմ-յան խելլ):

Արցախի ազատամարտի լինքացքում ծավալված ուազմական գործողությունների լինքացքում Մազի կամ Գյունէ կամուրջը, ցավոր, պայրեցվել է: Ոչնչացված կամրջի տեղում ներկայում ավելի բարձր դիրքում կառուցված է մետաղական կառուցվածքով նոր կամուրջ:

Կամուրջն ուներ 8,62 մ բոլորի երկարություն և 4,20 մ անցուղու լայնություն: Բարձրությունը ջրի մակարդակից 10,75 մ էր:

ՅՅ-ՅՅ

МОСТЫ МАЗИ (ГЕТИ ГОМЕРА)

Мосты находятся в середине между селами Мецшен и Тонашен Мартакертского района Республики Арцах (НКР), на полпути по дороге, ведущей по долине реки Трту (Тартар) в Джраберд. Мосты прилегают друг к другу. Согласно строительной надписи (см. текст надписи в армянском варианте), второй мост был построен в 1902 году на средства тонашенца Арутюна Айрапетяна и усилиями мастера Абраама Камалянца:

Пер. Сей мост построен в 1902 году на средства селянина Арутюна Айрапетяна. Мастер сего моста гюне-чартарец Абраам Камалянц, 1902 г.

Изд. впервые.

К мосту примыкают остатки другого, явно более древнего моста (лучше сохранилась левосторонняя опора), вероятно — средневекового, и видимо очень рано рухнувшего.

Во время освободительных боев за Арцах мост Маза (Гети гомер), к сожалению, был взорван. На месте уничтоженного моста в настоящее время на более высокой позиции сооружен новый мост с металлической конструкцией.

Длина пролета моста составляла 8,62 м; ширина проезжей части — 4,20 м; высота над уровнем воды — 10,75 м.

ՅՅ-ՅՅ

BRIDGES NAMED MAZI (GETI GOMERI)

This name is used with reference to two adjacent bridges lying in the middle of the road running from Mataghis towards Jraberd via the valley of the river Trtu (Tartar), on the border-line between Metzhen and Tonashen Villages, Martakert District, Republic of Artsakh (RMK). According to a preserved construction inscription (see it in the Armenian text), the second of these bridges was built in 1902 through master Abraham Kamaliants's efforts, with the financial assistance of Harutiun Hayrapetians from Tonashen:

Transl.: This bridge was erected in 1902 with the means of Harutiun Hayrapetian from Tonashen Village. The master of this bridge is Abraham Kamaliants from Gyune Jartar, 1902.

Published for the first time.

Adjoining this bridge are the remnants of another similar monument which is evidently older—probably, dating from the Middle Ages—and is certain to have been reduced to ruins much earlier (its left-bank pier is comparatively better preserved).

Unfortunately, the bridge known by the names *Mazi*, or *Geti Gomeri* was blown up in the aftermath of hostilities during the liberation struggle of Artsakh. At present the site is occupied by a new bridge of metal which is situated in a position higher than the annihilated one.

Mazi Bridge used to have a span length of 8.62 metres with a passage width of 4.20 metres, its height above water level amounting to 10.75 metres.



170



171



172

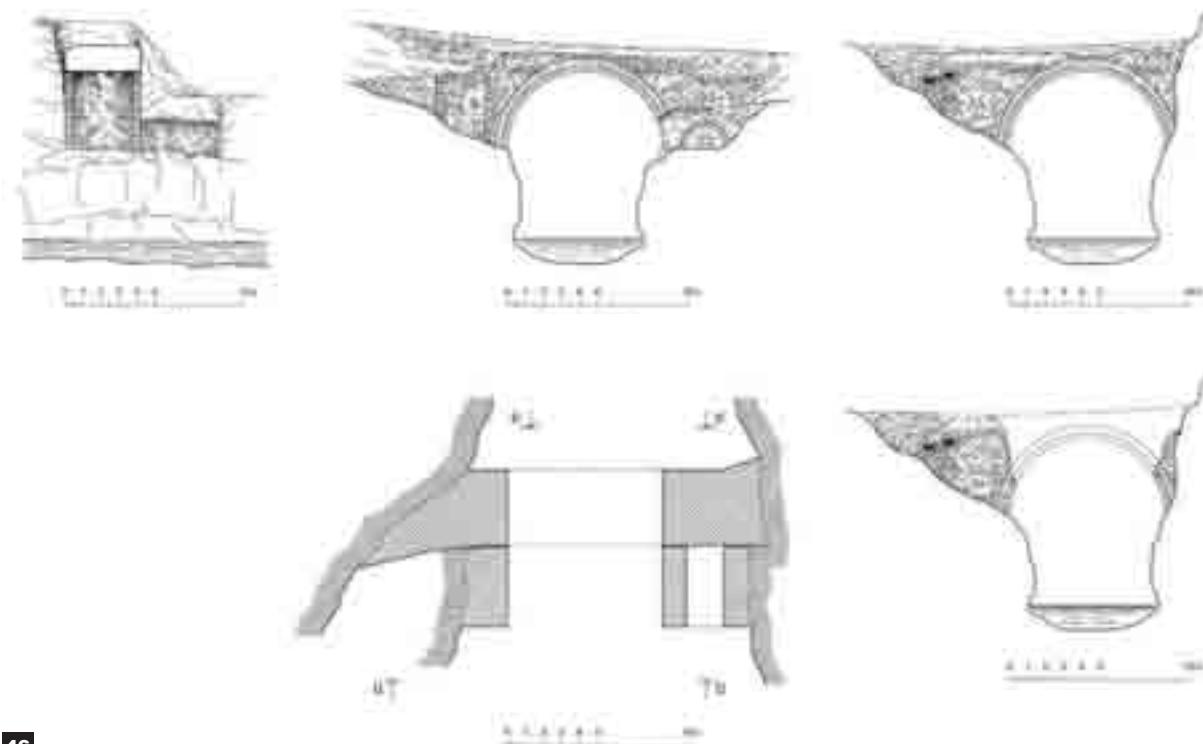


173



174

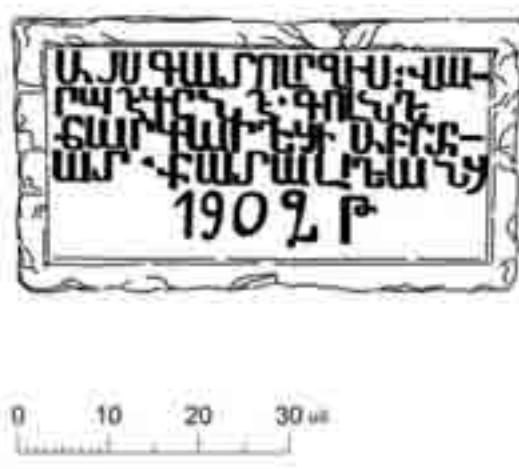
130



46



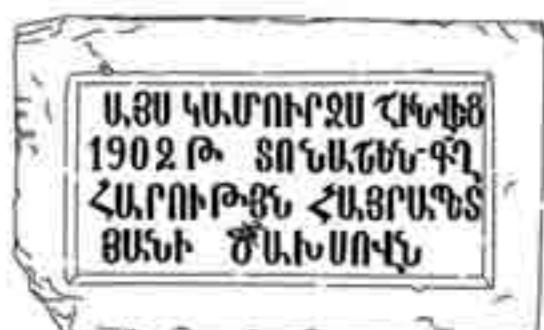
175



0 10 20 30 սմ



176



0 10 20 30 սմ

131

ԶԱՐԵ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբեզաջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Խանլարի շրջանի՝ 1988 թ.-ից հայաքափ Բրաջուր գյուղի արևելյան եզրին: Կառուցվել է 1910 թ. հասարակության միջոցներով¹:

¹ Գրիգորյան Բ., Բրաջուր, «Գարդմանք», 1996, № 1, էջ 3:

МОСТ КАРЭ (каменный)

Находится на восточной окраине села Браджур (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано) Ханларского района, аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха. Мост был построен в 1910 году на общественные средства¹.

¹ Григорян Б., Браджур, “Гардманк”, 1996, № 1, с. 3.

KARE (STONE) BRIDGE

This bridge is found on the eastern edge of Brajor Village, Khanlar District—stripped of its Armenian population and occupied by Azerbaijan since 1988—Northern Artsakh. It was erected with the local inhabitants' means in 1910.¹

¹ Grigorian, B. Brajor. In: *Gardmank*, No. 1, 1996, p. 3 (the original in Armenian).

ԵՐԿԱԹԱՎՈՐՁԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշարաղի շրջանի Երկաթավորձ կամուրջը կառուցված է անմշակ քարով, կրաշաղախով: Գետի հոսքը բարձր է ունի շինարարական արարերեն արձանագրություն, որտեղ լուրեցվում է կառուցող վարպետներից մեկի՝ Միքայելի անունը: Ընդհանուր 9,15 մ է, լայնությունը՝ 3,10 մ, բարձրությունը՝ ջրի մակարդակից՝ 5,50 մ: Կառուցվել է 1912-1913 թթ.: Կոորդինատներն են՝ N 39°18'51.72", E 46°36'11.46":

Արձանագրություն. արարերեն՝ 5 տող, ելեղագիր.

بانيه خير الحاج ماح | بد ابن صمي | د...ير ... الله | اجرا حسد(ا) مين | سنة ١٣٣١

Թարգմ. Կառուցվել է Սամայի որդի Մահ-Պետի բարերարությամբ..., Աստված լավությամբ վարձատրի, թվին 1331 (1912-1913):

Արձանագրություն. արարերեն՝ 6 տող, ելեղագիր.

قد اشتراك فيه | نوخية شـ.بيـق | من مـيكـائـيل | ... | ... | ...

Թարգմ. ...սրա մեջ մասնակցել է ընտրանի ..., որոնցից է Միքայելը...:

Հրատ. առաջին անգամ (ընթերցումները՝ Ռաֆֆի Քորտօշյանի):

МОСТ ЕРКАТАВОРКА

Находится в селе Еркаташорк района Кашатах Республики Арцах (НКР). Этот однопролетный мост сооружен из необработанного камня, на известковом растворе. На двух отдельных камнях потоконаправленного фасада имеется строительная надпись на арабском языке (см. тексты надписей в армянском варианте), на которой прочитывается имя одного из мастеров-строителей — Микаэл. Пролет моста — 9,15 м; ширина — 3,10 м; высота над уровнем воды — 5,50 м. Построен в 1912-1913 годы. Координаты: N 39°18'51.72", E 46°36'11.46".

Надпись на арабском: 5 строк, горельефная:

Пер. Построен на благотворительные средства Max-Peta, сына Самы... Да воздаст Бог добром, в году 1331 (1912-1913).

Надпись — на арабском: 6 строк, горельефная:

Пер. ...при сем участвовали избранные..., из коих — Микаэл...

Изд. впервые (прочтение — Раффи Кортօշյան):

BRIDGE OF YERKATAVORK

This is a single-span bridge (1912 to 1913) of undressed stone and mortar located in Yerkatavork Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK).

Span length: 9.15 metres; passage width: 3.10 metres; height above water level: 5.50 metres.

Its facade looking downstream bears a construction inscription in Arabic (see it in the Armenian text) carved on two separate stones (the inscription conveys the name of one of the builders of the bridge, Michael).

Five lines in the Arabic language engraved in embossed characters:

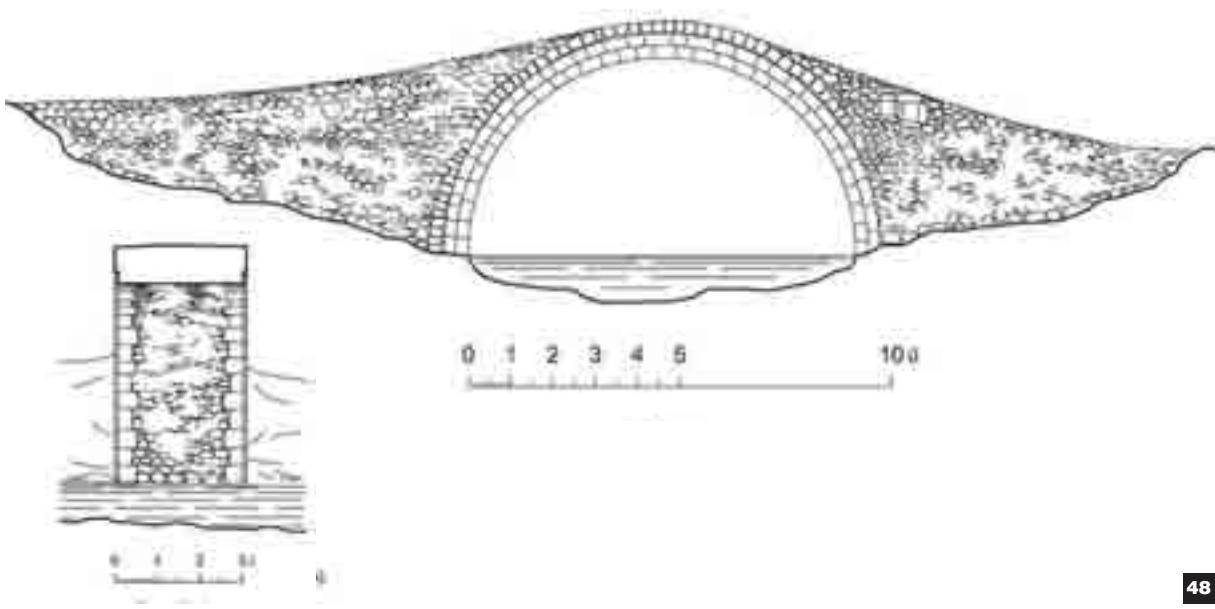
Transl.: *Built under the patronage of Sama's son Mah-Pet's..., may the Lord grant him a lot of blessings, in the year 1331 (1912 to 1913).*

Six lines in the Arabic language engraved in embossed characters:

Transl.: ...with the participation of a select group of..., one of whom is Michael...

Published for the first time (decipherment by Raffi Kortoshian).

Span length: 9.15 metres; passage width: 3.10 metres; height above water level: 5.50 metres; geographical coordinates: N 39°18'51.72", E 46°36'11.46".



19

ՍՈՒԼՈՒՔԻ ԿԱՍՏԻՐՁ

Գտնվում է Աղբքեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Խանլարի շրջանի՝ 1990 թ.-ից հայաբավ Ազատ գյուղի հարավային եզրին: Կամրջի թոփքը 3,61 մ է, անցուղու լայնությունը՝ 4,51 մ, բարձրությունը ջրի մակարդակից՝ 7,10 մ: Ժամանակը՝ 1900-ական թթ.:

93

МОСТ СУЛУКА

Находится на южной окраине села Азат (армянское население в 1990 году было насильственно изгнано) Ханларского района, аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха. Длина пролета моста – 3,61 м; ширина проезжей части – 4,51 м; высота над уровнем воды – 7,10 м. Время строительства – 1900-ые годы.

93

BRIDGE OF SULUK

The bridge of Suluk (1900s) stretches at the southern edge of Azat Village—stripped of its Armenian population and occupied by Azerbaijan since 1990—Khanlar District, Northern Artsakh.

Span length: 3.61 metres; passage width: 4.51 metres; height above water level: 7.10 metres.



180



47

11

ՍՄԲՈՏԱՆԻ (ՏՐԵԽՆԵՐԻ ԿԱՊ) ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հադրութի շրջանի Ծամձոր գյուղից 1,6 կմ հարավ: Թոփքի երկարությունը 4,15 մ է, լայնությունը՝ 3,28 մ: Ժամանակը՝ Ի դարի սկիզբ: Կոորդինատներն են՝ N 39°28'55.26", E 46°57'49.38":

94

МОСТ СМБОТАНА (ТРЕХНЕРИ КАП)

Находится в 1,6 км южнее села Цамдзор Гадрутского района Республики Арцах (НКР). Длина пролета – 4,15 м; ширина – 3,28 м. Время строительства – начало 20-го века. Координаты: N 39°28'55.26", E 46°57'49.38".

94

BRIDGE OF SMBOTAN (BAST SHOE STRINGS)

The bridge of Smbotan, which traces back to the early 20th century, extends 1.6 kilometre south of Tzamdzor Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK).

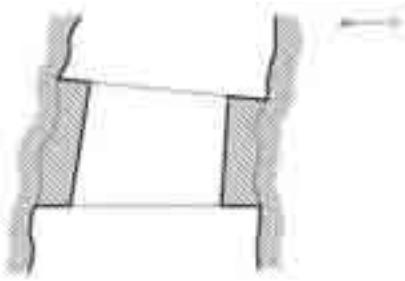
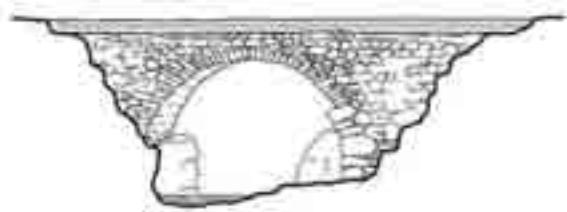
Span length: 4.15 metres; passage width: 3.28 metres; geographical coordinates: N 39°28'55.26," E 46°57'49.38."



181



182



49

ԶՈՐԻՆ ԽԱՉԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Հաղբուքի շրջանի Ծամձոր գյուղի հարավային եզրին: Համաձայն կամրջի աջափնյա խելի հոսքընթաց ճակատին ագուցված շինարարական արձանագրության՝ կառուցվել է 1913 թ. հասարակության միջոցներով.

*Այս Սուրեկան (կամուրջը) / յիշատ(ակ է) պօլօր / Ծամձոր ժողովություն, 1913 (ա)մ(ի):
Հրատ. առաջին անգամ:*

Թռիչքի երկարությունը 4,96 մ է, լայնությունը՝ 4,72 մ: Կոորդինատներն են՝ N 39°29'37.02", E 46°57'49.20":

95

МОСТ ДЗОРИН ХАЧ

Находится на южном краю села Цамдзор Гадрутского района Республики Арцах (НКР). Согласно строительной надписи (см. текст надписи в армянском варианте) на потоконаправленном фасаде правобережной опоры, мост построен в 1913 году на общественные средства:

Пер. *Сей мост Святого Ущелья в память о всем Цамдзорском народе, году 1913.*

Изд. впервые.

Длина пролета – 4,96 м; ширина – 4,72 м. Координаты: N 39°29'37.02", E 46°57'49.20".

95

BRIDGE OF DZORIN KHACH (CROSS OF THE GORGE)

The bridge is located at the southern extremity of Tzamdzor Village, Hadрут District, Republic of Artsakh (RMK). According to its construction inscription (see it in the Armenian text), set in the right-bank pier of its facade looking downstream, it was erected through the local people's means in 1913:

Transl.: *This (bridge) of Sourb Tzor is in memory of all the people of Tzamdzor, 1913.*

Published for the first time.

Span length: 4.96 metres; passage width: 4.72 metres; geographical coordinates: N 39°29'37.02," E 46°57'49.20."



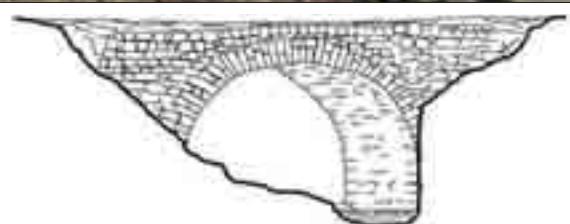
183



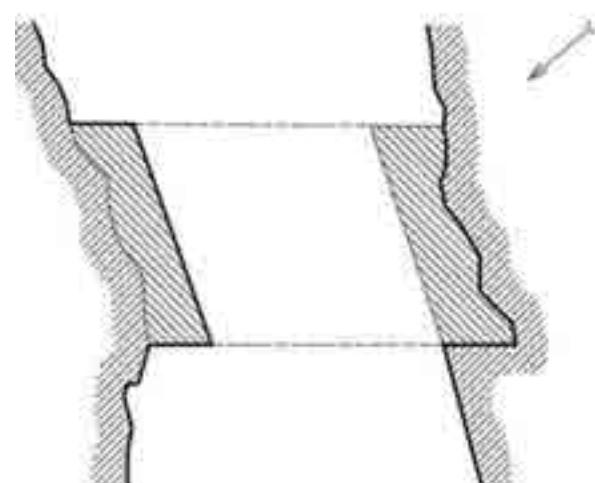
184



185



0 1 2 3 4 5a



0 1 2 3 4 5a

50

137

10

ՀԱԿԻ ԿԱՍՊԻՐՁ

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Քաշաբաղի շրջանի Հակ գյուղի հարավային եզրին՝ Աղավճ գետի ծախ վտակի վրա: Կառուցվել է 1900-ական թվականներին: Երկրորդ է, կառուցված սրբատաշ և անմշակ քարով, կրաշաղախով:

16

МОСТ ХАКА

Находится на южной окраине села Хак района Кашатах Республики Арцах (НКР), на левом притоке реки Агавно. Построен в 1900-ые годы. Мост – двухпролетный. Построен из гладкого и нетесаного камня, на известковом растворе.

16

BRIDGE OF HAK

The bridge of Hak (1900s) is situated over one of the left tributaries of the river Aghavno, at the southern extremity of Hak Village, Kashatagh District, Republic of Artsakh (RMK). It represents a double-span structure of finely-finished and undressed stone with mortar.



186



187

Ա

ՀՈՎՍԵՓԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Գտնվում է Աղբքեջանին բռնակցված Հյուսիսային Արցախի Խանլարի շրջանի՝ 1988 թ.-ից հայաբափ Բրաջոր գյուղի հարավարևելյան կողմում: 1927 թ. կառուցել է բրաջորի Հովսեփի Գրիգորյանը¹:

¹ Գրիգորյան Բ., Բրաջոր, «Գարդմանք», 1996, № 1, էջ 3:

МОСТ ОВСЕПА

97

Находится в юго-восточной стороне села Браджур (армянское население в 1988 году было насильственно изгнано) Ханларского района, аннексированного Азербайджаном Северного Арцаха. Мост построен в 1927 году браджурцем Овсепом Григоряном¹.

¹ Григорян Б., Браджур, “Гардманк”, 1996, № 1, с. 3 (на арм. яз.).

BRIDGE OF HOVSEP

97

The bridge extends in the south-east of Brajoor Village, Khanlar District—stripped of its Armenian population and occupied by Azerbaijan since 1988—Northern Artsakh. It was built by an inhabitant of the village named Hovsep Grigorian in 1927.¹

¹ Grigorian, B. Brajoor. In: *Gardmank*, 1996, No. 1, p. 3 (the original in Armenian).

ԲԵՐԴԱԶՈՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ

Ա

Գտնվում է Արցախի Հանրապետության Շուշիի շրջանի Մեծշեն գյուղի 1 կմ հյուսիս-արևելք՝ Հակարիի (Հագարի) ձախ վտակ Բերդազոր գետի վրա: Սիարովիչք է, երկարությունը՝ 5,30 մ, լայնությունը՝ 5,05 մ: Կառուցվել է 1920-ական թթ.: Կոորդինատներն են՝ N 39°40'17.28", E 46°36'05.64":

МОСТ БЕРДАДЗОРА

98

Находится в 1 км северо-восточнее села Мецшен Шушинского района Республики Арцах (НКР), на реке Бердадзор — левом притоке реки Акари (Агари). Мост — однопролетный, длина пролета — 5,30 м; ширина — 5,05 м. Построен в 1920-ые годы. Координаты: N 39°40'17.28", E 46°36'05.64".

BRIDGE OF BERDADZOR

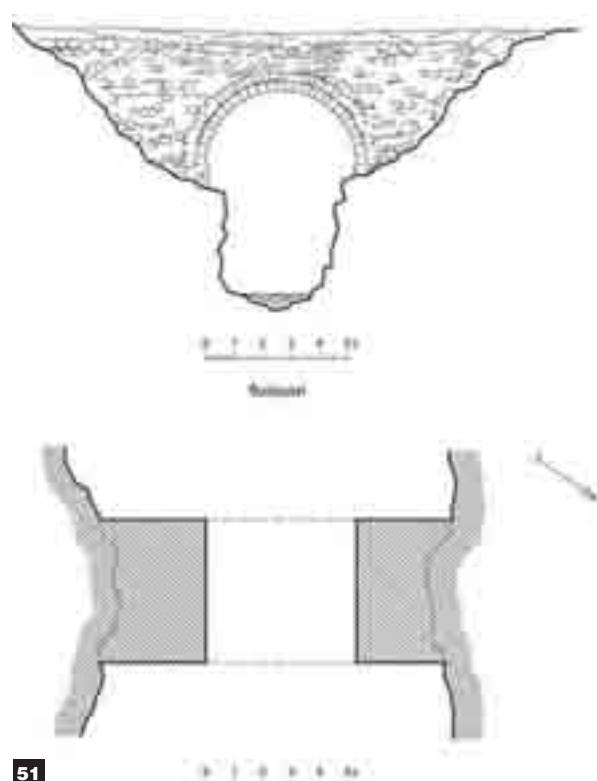
98

This is a single-span bridge (1920s) lying over the Berdadzor—the left tributary of the Hakari—a kilometre north-east of Metzhen Village, Shooshi District, Republic of Artsakh (RMK).

Span length: 5.30 metres; passage width: 5.05 metres; geographical coordinates: N 39°40'17.28," E 46°36'05.64."



188



51

139

ԱՐՑԱԽԻ ԿԱՍՈՒՐՁՆԵՐԸ
МОСТЫ АРЦАХА
THE BRIDGES OF ARTSAKH

Համառոտ տվյալների աղյուսակ

Տаблица кратких данных

Table of Reference

| N | Դար Bek Century | Թոփքմերի քանակը ¹ Количество пролетов Number of Spans | Թոփք Пролет Span | Լայնը ² Ширина Width | Աշխ. կոորդինատներ Геогр. координаты Geographical Coordinates |
|----|-----------------------|--|------------------------|---------------------------------------|--|
| 1 | IV-III | | | | |
| 2 | I-V | 3 | 8,80 | 4,23 | N 40°49'59.18", E 45°40'40.49" |
| 3 | V-VII | 16 | | 4,0 | |
| 4 | V-VII | 11 | | 6,0 | N 39°09'25.39", E 46°56'15.17" |
| 5 | VI-VII | | | | |
| 6 | X-XI | 1 | | | |
| 7 | X | 1 | | | |
| 8 | IX-XI | 1 | | | N 39°46'26.63", E 46°19'59.21" |
| 9 | XII | | | | |
| 10 | XII-XIII | | | | |
| 11 | XII-XIII | 15 | 5,80-8,80 | | N 39°09'02.01", E 46°56'24.01" |
| 12 | XII-XIII | | | 4,0 | |
| 13 | XII-XIII | 1 | 6,0 | 3,30 | |
| 14 | XII-XIII | 1 | 7,77 | 3,25 | N 39°34'02.04", E 46°34'08.46" |
| 15 | 1259 | | | | |
| 16 | XII-XIII | 1 | | 4,10 | N 40°13'41.46", E 46°09'57.25" |
| 17 | XII-XIII | 1 | 8,40 | 2,80 | |
| 18 | XII-XIII | | | 6,70 | |
| 19 | XII-XIII | | | | |
| 20 | X-XIII | 1 | | 5,46 | |
| 21 | X-XIII | 1 | | 4,40 | |
| 22 | X-XIII | 1 | | | |
| 23 | 1301 | 1 | | | |
| 24 | XIII-XIV | 1 | | | |
| 25 | XIII-XIV | 1 | | | |
| 26 | XIII-XIV | 1 | | 3,0 | N 40°08'53.40", E 46°17'14.07" |
| 27 | XII-XIII | 1 | 10,15 | 3,0 | |
| 28 | XIII | 1 | 7,10 | 2,05 | |
| 29 | XIII | 1 | 5,30 | 3,01 | N 39°36'11.98", E 46°55'18.38" |
| 30 | XIII-XIV | 1 | 12,40 | 3,70 | N 39°46'49.52", E 46°17'32.19" |
| 31 | XV-XVI | 1 | 6,95 | 3,30 | N 39°36'23.86", E 46°57'09.17" |
| 32 | XV-XVI | 1 | | | |
| 33 | XV-XVI | 1 | 4,43 | 2,56 | |
| 34 | XVI-XVII | 1 | 7,64 | 4,78 | |
| 35 | XVI-XVII | | | | |
| 36 | XVI-XVII | 1 | | | |
| 37 | XVI-XVII | 1 | | | |
| 38 | XVII | 1 | | | |
| 39 | XVI-XVII | 1 | 6,92 | | N 40°29'59.81", E 46°04'53.01" |
| 40 | XVI-XVII | 1 | 5,0 | 3,55 | |
| 41 | 1607 | 1 | | | |
| 42 | XVII | 1 | | | |
| 43 | 1633 | 1 | 6,0 | 3,10 | N 39°42'13.73", E 46°50'21.57" |
| 44 | XVII | 1 | 6,21 | 2,80 | N 39°42'06.30", E 46°50'59.53" |
| 45 | XVII | 1 | 9,25 | 4,90 | N 40°33'08.70", E 46°09'04.99" |

| | | | | | |
|----|------------|---|--------------|------|--------------------------------|
| 46 | XVII | 1 | 9,20 | 2,50 | N 40°33'08.77", E 46°09'12.68" |
| 47 | XVII | 1 | 11,95 | 3,25 | |
| 48 | XVII-XVIII | 1 | 5,50 | 4,35 | N 39°41'51.06", E 46°09'43.48" |
| 49 | XVII-XVIII | 1 | 7,0 | 3,40 | |
| 50 | XVII-XVIII | 1 | 5,50 | 4,35 | N 39°41'51.06", E 46°09'43.48" |
| 51 | XVII-XVIII | 1 | 4,50 | 2,20 | |
| 52 | XVII-XVIII | 1 | 4,46 | 3,00 | |
| 53 | XVII-XVIII | 1 | 8,07 | 3,06 | N 39°46'20.82", E 46°46'16.92" |
| 54 | XVIII | 1 | 5,15 | 4,80 | N 39°58'08.90", E 46°40'59.80" |
| 55 | 1763 | 1 | 3,68 | 2,90 | |
| 56 | XVIII | 1 | 5,87 | 4,05 | N 39°45'40.45", E 46°45'56.78" |
| 57 | XVII-XVIII | 1 | | | |
| 58 | XVIII | 1 | 4,60 | 2,70 | |
| 59 | XVIII | 1 | 3,4 | 3,70 | |
| 60 | XVIII | 1 | | | |
| 61 | XVIII | 1 | 5,50 | | |
| 62 | XVIII | | | | |
| 63 | 1825 | 1 | 4,13 | 7,68 | N 39°48'27.39", E 46°46'02.98" |
| 64 | XVIII | 1 | 10,70 | 4,90 | N 40°32'59.66", E 46°08'50.43" |
| 65 | 1835 | 1 | 5,50 | 3,00 | N 39°36'39.26", E 46°56'01.40" |
| 66 | 1838 | 1 | 6,25 | 3,30 | N 39°44'23.62", E 44°44'58.71" |
| 67 | 1840-1850 | 2 | 6,44; 3,03 | 3,53 | N 39°47'44.09", E 46°46'28.77" |
| 68 | 1867 | 2 | 13,84; 12,66 | 4,31 | N 39°26'27.66", E 46°27'45.90" |
| 69 | 1869 | 1 | | | |
| 70 | 1870-1880 | | | | |
| 71 | 1870 | 1 | | | |
| 72 | 1880-1890 | | | | |
| 73 | 1880-1883 | 1 | | | |
| 74 | 1886 | 1 | 6,18 | 5,20 | |
| 75 | XIX | 3 | | | |
| 76 | 1880-1890 | 1 | | | |
| 77 | 1886 | 1 | | | |
| 78 | 1886 | 1 | | | |
| 79 | 1884-1893 | 2 | | | |
| 80 | XIX | | | | |
| 81 | 1890 | 1 | 5,15 | 3,50 | |
| 82 | XIX | 1 | 4,30 | 3,20 | |
| 83 | XIX-XX | 1 | 5,20 | 4,06 | N 39°29'44.76", E 46°57'58.26" |
| 84 | XIX-XX | 1 | | | |
| 85 | XIX | | | | |
| 86 | XIX-XX | 1 | 3,95 | 4,05 | |
| 87 | XIX-XX | 1 | 3,00 | | |
| 88 | XIX-XX | 1 | 3,00 | | |
| 89 | XIX-XX | 1 | | | |
| 90 | 1902 | 1 | 8,62 | 4,20 | |
| 91 | 1910 | 1 | | | |
| 92 | 1912-1913 | 1 | 9,15 | 3,10 | N 39°18'51.72", E 46°36'11.46" |
| 93 | 1910-1920 | 1 | 3,61 | 4,51 | |
| 94 | XX | 1 | 4,15 | 3,28 | N 39°28'55.26", E 46°57'49.38" |
| 95 | 1913 | 1 | 4,96 | 4,72 | N 39°29'37.02", E 46°57'49.20" |
| 96 | XX | 2 | | | |
| 97 | 1927 | 1 | | | |
| 98 | 1920-1930 | 1 | 5,30 | 5,05 | N 39°40'17.28", E 46°36'05.64" |

ՀԱՓԱԳՐՈՒԹՅՈՒՆԵՐ ՕԲՄԵՐՅ MEASUREMENTS

Արտասպուրյուն: Հրատարակության պատրաստումը՝ Աշոտ Հակոբյանի
Պերեփառք. Պատճենագործություն Աշոտ Հակոբյանի

Reprint. Prepared for publication by Ashot Hakobian

1, 2, 3

Զափագրությունն ու հրատարակության պատրաստումը՝ Աշոտ Հակոբյանի

Օբմեր և պատճենագործություն Աշոտ Հակոբյանի

Measurement and preparation for publication by Ashot Hakobian 5, 6, 14, 22, 33, 35, 37, 38, 42, 48-51

Զափագրությունը՝ Արտակ Ղուլյանի, հրատարակության պատրաստումը՝ Աշոտ Հակոբյանի

Օբմեր Արտակ Ղուլյան, պատճենագործություն Աշոտ Հակոբյանի

Measurement by Artak Ghulian; preparation for publication by Ashot Hakobian 4, 46

Զափագրությունը՝ Սամվել Կարապետյանի, հրատարակության պատրաստումը՝ Աշոտ Հակոբյանի

Օբմեր Սամվել Կարապետյան, պատճենագործություն Աշոտ Հակոբյանի

Measurement by Samvel Karapetian; preparation for publication by Ashot Hakobian

7-13, 15-18, 20, 21, 23-32, 34, 36, 39-41, 43-47

Զափագրությունը և հրատարակության պատրաստումը՝ Սամվել Կարապետյանի

Օբմեր և պատճենագործություն Սամվել Կարապետյանի

Measurement & preparation for publication by Samvel Karapetian

19

ԼՈՒԱՆԿԱՐՆԵՐ ФОТОГРАФИИ PHOTOGRAPHS

<http://earth.google.com/>

1-2, 7-8, 20, 58, 68-69, 87, 105, 134, 141, 144, 149-151

Արտասպուրյուն (M. Chantre, A travers l'Arménie russe, Paris, 1893, p. 61)

Պերեփառք (M. Chantre, A travers l'Arménie russe, Paris, 1893, p. 61)

Reprint from: M. Chantre, A travers l'Arménie russe, Paris, 1893, p. 61

129

Արտասպուրյուն ("Известия АН Аз. ССР", 1946, № 5, с. 95)

Պերեփառք ("Известия АН Аз. ССР", 1946, № 5, с. 95)

Reprint from: "Известия АН Аз. ССР" (Proceedings of the National Academy of Sciences of the Azerbaijani SSR), 1946, No. 5, p. 95 3

Աշոտ Հակոբյան

Աշոտ Հակոբյան

Ashot Hakobian

131

Զավեն Սարգսյան

Завен Саргсян

Zaven Sargissian

12, 22

Հակոբ Սանասարյան

Акоп Санасарян

Hakob Sanasarian

91

Ռաֆայել Աբգարյան

Рафаэль Абгарян

Raphael Abgarian

163

Սամվել Կարապետյան

Самвел Карапетян

Samvel Karapetian

4-6, 9, 11-19, 24-57, 59-86, 88, 92-104, 106-128, 130, 132-133,
135-140, 142-143, 145-148, 152-159, 161-188

Ֆիլիպ Զալյան

Филипп Залян

Philip Zalian

10, 23

ՕԳՏԱԳՈՐԾՎԱԾ ԳՐԱԿԱՆՈՒԹՅԱՆ ՑԱՆԿ СПИСОК ИСПОЛЬЗОВАННОЙ ЛИТЕРАТУРЫ REFERENCES

- Առաքել Դաւթիթեցի,** Գիրք Պատմութեանց, Երևան, 1990:
«Արձագանք», 1886, № 21:
- Քարխուտարեանց Մ.**, Արցախ, Բազու, 1895:
- Գասպարյան Մ.**, ՀՍՍՀ հիմն կամուրջները, «Բանբեր Երևանի Համալսարանի», 1987, № 2:
- Գրիգորյան Բ.**, Բրաջոր, «Գարդմանք», 1996, № 1:
- Դիվան հայ վիմագրության, պր. V, Երևան, 1982:
- Եղ. Չարենցի անվան գրականության և արվեստի թանգարան (ԳԱԹ), **Ս. Զամալյանի** ֆ., տեսոր № 1, VI-11:
- Թօփենան Յ. Յակոբ,** Ցուցակ ժողովածուաց Դադեան Խաչիկ վարդապետի, մասն Բ, Վաղարշապատ, 1900:
- Լեռ.** Ին իշխատակարանը, ԵԺ, հ. 8:
- Կարապետյան Ս.**, Հայ մշակույթի հուշարձանները Խորհրդային Աղբեջանին բռնակցված շրջաններում, Երևան, 1999:
- Կարապետյան Ս.**, Հյուսիսային Արցախ, Բեյրութ, 2004:
- Հակոբյան Հովհ.**, Ուղեգործություններ, Զ, Երևան, 1934:
- Հայաստանի Ազգային Դիվան (ՀԱԴ), ֆ. 57, գ. 1, գ. 3:
- Հայկունի.**, Ուղեգործություններ, «Մելու Հայաստանի», 1885, № 66:
- Հարությունյան Վ.**, Միջնադարյան Հայաստանի քարավանատներն ու կամուրջները, Երևան, 1960:
- Ղահրամանյան Կ.**, Օջախի գիրք. Նշանակություն, Երևան, 2002:
- Սկրտչյան Շ.**, Լեռնային Ղարաբաղի պատմաճարտարապետական հուշարձանները, Երևան, 1985:
«Մշակ», 1902, № 161: 1913, № 123:
- «Նոր-Դար», 1884, № 121: 1887, № 113; 127: 1893, № 47:
- Չահինյան Ա. Ն.**, Հայաստանի միջնադարյան կորողային հուշարձանները, Երևան, 1984:
- Ստեփանոս Օքքելյան.**, Սյունիքի պատմություն, Երևան, 1986:
- Ստորագրութիւն Կարուղիկէ Էջմիածնի և հինգ գաւառացն Արարատայ, աշխատասիրութեամբ **Յովհաննու եպիսկոպոսի Չահինարութեանց** Շահիթարցու միաբանի սրբոյ Էջմիածնի, Բ, Ս. Էջմիածնի, 1842:
- Զալալեան Ս.**, ճանապարհորդութիւն ի Մեծն Հայաստան, մասն Ա, Տփլիս, 1842:
- Միքան Մ.**, Հնութիւններ Գետարէկի շրջակայրում, «Նոր-Դար», 1893, № 36:
- Տեր-Գասպարեանց Ա.**, ճանապարհորդութիւն դէպի Ղափան, «Մելու Հայաստանի», 1885, № 101:
- Բաֆֆի.** Երկու ամիս Արուանից և Սիւնաց աշխարհներում, «Լունայ», 1896, գիրք Բ, յունի:
- “Акты собранные Кавказскою археографическою комиссиесию”, том XI, Тифлис, 1888.
- Джафарзаде И.**, Историко-археологический очерк Старой Гянджи, Баку, 1949.
- “Известия АН Аз. ССР”, 1946, № 5.
- Иксъ,** Губернский город Елисаветополь, “Кавказ”, 1880, № 243.
- “Кавказ”, 1870, № 76.
- Карапетян С.**, Памятники армянской культуры в зоне Нагорного Карабаха, Ереван, 2000.
- Мамедзаде К.**, Строительное искусство Азербайджана, Баку, 1983.
- Сегаль И.**, Елисаветопольская губерния. Впечатления и воспоминания, “Кавказский вестник”, Тифлис, 1902, № 5.
- Усейнов М., Бретаницкий Л., Саламзаде А.**, История архитектуры Азербайджана, Москва, 1963.
- Шеблыкин И.**, Памятники Азербайджанского зодчества эпохи Низами, Баку, 1943.
- Щусев П.**, Мосты и их архитектура, Москва, 1953.
- Karapetian, S.** Armenian Cultural Monuments in the Region of Karabakh. Yerevan, 2001.
- Karapetian, S.** Northern Artsakh. Yerevan, 2007.

ԱՐՑԱԽԻ ԿԱՍՈՒՐՋՆԵՐԸ

МОСТЫ АРЦАХА

THE BRIDGES OF ARTSAKH

| | |
|-----------------------------------|---------------------|
| ՀԱՍԿԱԳՁԱՅՆԻՆ ՁԵՎԱԿՈՐՈՒՄԸ | ԱՐՄԵՆ ԳԵՎՈՐԳՅԱՆԻ |
| ՀԱՅԵՐԵՆԻ ՍԱՄՍԱԳԻՏԱԿԱՆ ԽՄԲԱԳՐՈՒՄԸ | ՄԵՐԳԵՅ ՄԿՐՏՉՅԱՆԻ |
| ՀԱՅԵՐԵՆԻ ԽՄԲԱԳՐՈՒՄԸ ԵԿ ՍՐԲԱԳՐՈՒՄԸ | ԷՍՄԱ ԱԲՐԱՄԱՍՅԱՆԻ |
| ՈՌԻՍԵՐԵՆ ԹԱՐԳԱՎԱՆՈՒԹՅՈՒՆԸ | ՀԱՍՄԻԿ ՋՈՎԱՆՆԻՍՅԱՆԻ |
| ՈՌԻՍԵՐԵՆԻ ՍՐԲԱԳՐՈՒՄԸ | ՄԵՐԳԵՅ ՄԿՐՏՉՅԱՆԻ |
| ԱՆԳԼԵՐԵՆ ԹԱՐԳԱՎԱՆՈՒԹՅՈՒՆԸ ԵՒ | ԼՅՈՒԻԻ ԱՎԵՏԻՍՅԱՆԻ |
| ՍՐԲԱԳՐՈՒՄԸ | ԳԱՅԱՆԵ ՄՈՎԱԻՍՅԱՆԻ |

КОМПЬЮТЕРНЫЙ ДИЗАЙН
СПЕЦ. РЕДАКТОР АРМЯНСКОГО ТЕКСТА

РЕДАКТОР И КОРРЕКТОР АРМЯНСКОГО ТЕКСТА
ПЕРЕВОД НА РУССКИЙ

КОРРЕКТОР РУССКОГО ТЕКСТА
ПЕРЕВОД НА АНГЛИЙСКИЙ И КОРРЕКТУРА

АРМЕН ГЕВОРКЯН
СЕРГЕЙ МКРТЧЯН
ЭММА АБРААМЯН
АСМИК ОГАНЕСЯН
СЕРГЕЙ МКРТЧЯН
ЛЮСИ АВЕТИСЯН
ГАЯНЭ МОВСИСЯН

COMPUTER DESIGN BY **ARMEN GEVORGIAN**
PROFESSIONAL EDITING
OF THE ARMENIAN TEXT BY **SERGEI MKRTCHIAN**
EMMA ABRAHAMIAN
EDITING AND PROOF-READING
OF THE ARMENIAN TEXT BY **HASMIK HOVHANNISSIAN**
TRANSLATION INTO RUSSIAN BY **SERGEI MKRTCHIAN**
PROOF-READING OF THE RUSSIAN TEXT BY **LUCY AVETISSIAN**
TRANSLATION INTO ENGLISH AND
PROOF-READING BY **GAYANE MOVSISIAN**

ՏՊԱԳՐՎԾԾ Ե «ՏԻԳՐԱՆ ՄԵԾ» ՏՊԱՐԱՆՈՒ
ՀԱՊԵԿԱՏԱԽ Բ ՏԻՊՈԳՐԱՓԻ «ՏԻԳՐԱՆ ՄԵԾ»
PUBLISHED IN TIGRAN METZ PUBLISHING-HOUSE

ԵՐԵՎԱՆ - EREVAN - YEREVAN
2009